RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 230
फरीदाबाद, मंगलवार, 29 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए   YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

29 सितंबर 2020 वर्ल्ड हार्ट-डे आज

कोरोना मीटर

विश्व

कुल	33,307,178
मौतें	100,2399
ठीक	24,638,184

भारत

कुल	61,10,767
मौतें	95,961
ठीक	50,54,786

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 37.00°C
न्यूनतम 25.05°C

हरामखोर का मतलब नॉटी है तो फिर नॉटी का मतलब क्या है

कंगना मामले में हाईकोर्ट का सवाल

बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राहत के बयान पर भी बहस हुई

एजेंसी। मुंबई

कंगना रनोट के ऑफिस में बीएमसी की कार्रवाई के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान, कोर्ट में शिवसेना के नेता संजय राउत के हरामखोर वाले बयान पर भी बहस हुई।

कंगना के वकील बीरेंद्र सराफ ने कहा कि संजय राउत ने इंटरव्यू में हरामखोर का मतलब नॉटी बताया था। इस पर जस्टिस एस कथावाला ने कहा, हमारे पास भी डिक्शनरी है, अगर इसका मतलब नॉटी है तो फिर नॉटी का मतलब क्या है। सराफ ने आरोप लगाया कि संजय ने कंगना के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्हें हरामखोर कहते

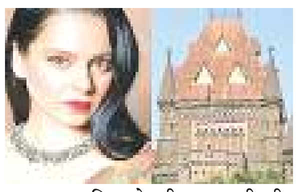

हुए सबक सिखाने की बात कही थी। इसके बाद कोर्ट में राउत के बयान की फुटेज चलाई गई।

राउत के वकील प्रदीप थोराट ने कहा कि संजय ने बयान में कंगना का नाम नहीं लिया था। इस पर बेंच ने कहा, क्या आप कह रहे हैं कि आपके मुवक्किल ने उसे हरामखोर लड़की नहीं कहा है? क्या हम यह बयान दर्ज कर सकते हैं कि आपने (राउत ने) याचिकाकर्ता का हरामखोर नहीं कहा है। इसके जवाब में थोराट ने कहा कि वह इस संबंध में कल एक हलफनामा दायर करेंगे। कंगना के वकील ने कहा कि ऑफिस गिराए जाने के बाद अखबार में उसे तोड़े जाने का जश्न मनाया गया था। यह पूरे देश ने देखा है। इस पर बेंच ने इस संबंध में सभी सबूत और दस्तावेज लाने की बात कही है। जिसमें कंगना के सभी ट्वीट्स और संजय राउत का पूरा इंटरव्यू शामिल हैं।

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस का चंडीगढ़ में हल्ला बोल

कृषि विधेयकों के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन

हुड्डा बोले कांग्रेस की सरकार आते ही रद्द करेंगे कृषि कानून

किसानों के बहाने इकट्ठे हुए सैलजा किरण, अजय यादव

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कृषि विधेयकों के खिलाफ कांग्रेस ने सेक्टर-9 स्थित प्रदेश कार्यालय से राजभवन तक रोष मार्च निकाला। राजभवन से पहले ही पुलिस ने कांग्रेस के रोष मार्च को रोक दिया, जिसका कांग्रेस ने विरोध किया। मात्रा छह नेताओं को राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने की अनुमति दी गई।

सोमवार को कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने राज्यपाल सत्यनारायण आर्य को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हंगामा करने पर पुलिस ने हिरासत में भी लिया। रोष मार्च की अगुवाई कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा, प्रदेश प्रभारी विवेक बंसल, नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने की। कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से मांग कि राष्ट्रपति अपने पद की गरिमा के प्रभाव से भाजपा सरकार को कृषि विरोधी काले कानूनों को निरस्त करने के लिए कार्रवाई करें क्योंकि इन काले कानूनों के कारण किसान, श्रमिक तथा आढ़ती बर्बाद हो जाएंगे। प्रदेश प्रभारी विवेक बंसल ने कहा कि भाजपा ने ये तीनों काले कानून संविधान की सभी मर्यादाओं को ताक पर रख कर धोखाधड़ी से संसद में पास कराए हैं और अब ये जबरदस्ती लोगों पर थोपे जा रहे हैं।

बंसल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दो अक्टबर को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर हरियाणा के समस्त विधान सभा क्षेत्रों तथा जिला मुख्यालयों पर किसान सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 2 अक्तूबर से 31 अक्टूबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार का ये काले कानून लाने से प्रारंभ से ही विरोध किया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों, मजदूरों और आढ़तियों के लिए अत्यावश्यक है परंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार धक्के से कृषि मंडी उपज कानून समाप्त करने पर तुली हुई है।

एमएसपी पर नहीं खरीदी जा रही फसल : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा मंडियों में किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी नहीं खरीदा जा रहा है। जब मंडियां ही नहीं रखेंगी तो किसानों को एमएसपी कहां से मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार के सत्ता में आते ही कृषि कानून को रद्द किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक किरण चौधरी, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव तथा राष्ट्रीय सचिव वीरेन्द्र राठौर सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तीन विकेट पर 201 रन

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सोमवार को यहां तीन विकेट पर 201 रन बनाए। बेंगलोर की तरफ से देवदत्त पडिक्कल (54), आरोन फिंच (52) और एबी डिविलियर्स (नाबाद 55) ने अर्धशतक लगाए। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिए।

रक्षा मंत्री ने किया दो टनल का वर्चुअल शिलान्यास

देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को आईएमए देहरादून में बनने वाली दो टनल का वर्चुअल शिलान्यास किया। यह शिलान्यास आईएमए में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की उपस्थिति में किया गया। मौके पर सीडीएस बिपिन रावत भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा आईएमए में दो सुरंगों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 45 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। आईएमए में दो टनल (अंडरपास) बनेंगे। एक टनल जाने और दूसरी आने के लिए होगी। परेड के दौरान आईएमए में सुरक्षा की दृष्टि से राज्य सरकार एवं सेना को भी चिंता रहती थी।

यूपी में दुर्गा पूजा के सार्वजनिक आयोजन पर लग सकती है रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर बड़ा फैसला करने जा रही है। कोरोना के खतरे को देखते हुए दुर्गा पूजा के सार्वजनिक आयोजन पर रोक लगाई जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे, जिसके बाद विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि कोरोना के खतरों को देखते हुए कोई भी सार्वजनिक आयोजन सड़कों या पांडालों में नहीं होगा। लोग अपने घरों में दुर्गा प्रतिमा की स्थापना कर सकते हैं। साथ ही रामलीला के मंचन की परंपरा को बरकरार रखा जा सकता है।

कांग्रेस शासित प्रदेशों को पार्टी का निर्देश

नए कानूनों के खिलाफ पारित कराएं बिल

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कृषि कानूनों के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारों से कहा है कि वे अपने यहां अनुच्छेद 254(2) के तहत बिल पास करने पर विचार करें जो केंद्र सरकार द्वारा पारित कृषि विधेयकों को निष्क्रिय करता हो। वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सलाह दी है कि कांग्रेस शासित राज्यों को अपने यहां केंद्र की ओर से पारित कराए गए कृषि संबंधी कानूनों को निष्क्रिय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 254(2) का इस्तेमाल करने पर विचार करना चाहिए।

संविधान का यह अनुच्छेद राज्य विधानसभाओं को राज्य के अधिकार क्षेत्र पर अतिक्रमण करने वाले केंद्रीय कानूनों को नकारने के लिए एक कानून पारित करने की अनुमति देता है। वेणुगोपाल ने कहा कि इससे कांग्रेस शासित राज्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और एपीएमसी के विघटन समेत तीन कठोर कृषि कानूनों को दरकिनार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को मोदी सरकार और भाजपा द्वारा किए गए घोर अन्याय से भी निजात मिलेगी।

ट्रैक्टर जलाने वाले पांच प्रदर्शनकारी हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को इंडिया गेट के पास एक ट्रैक्टर जला दिया। पंजाब यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता एक ट्रक में रखकर ट्रैक्टर को लाए और फिर नीचे उतारकर उसमें आग लगा दी। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह नवांशहर जिले में स्थित शहीद भगत सिंह के गांव खटकड़ कलां में चल रहे किसानों के धरने में शामिल होने पहुंच गए। उनका कहना था कि भाजपा पूंजीपतियों के हित देखती है। सारा खेल जरूरत का है। जब जरूरत होती है तो किसान याद आते हैं, नहीं तो अडाणी-अंबानी ही दिखाई देते हैं। किसानों के हितों को देखते हुए अपने राज्य के कानून में संशोधन समेत सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि नए कृषि बिल किसानों के लिए मौत की सजा जैसे हैं। संसद के अंदर और बाहर किसानों की आवाज दबा दी गई।

लखनऊ में कांग्रेस और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करने के लिए बढ़े तो उनकी पुलिस से झड़प हुई। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। करीब 1 हजार कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए हैं। तमिलनाडु में भी प्रदर्शन हुए। कांचीपुरम के कीझांबी गांव में डीएमके के अध्यक्ष एमके स्टालिन प्रदर्शन में शामिल हुए। उधर, कर्नाटक में भी किसानों ने सोमवार को बंद रखा। बेंगलुरु और शिवमोगा समेत कई जगहों पर किसान संगठनों ने प्रदर्शन किया।

20 रुपये के लिए मासूम के सामने पिता की हत्या

नई दिल्ली। इंसान की जान 20 रुपये जितनी भी नहीं रही। दिल्ली में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें बुराड़ी इलाके में एक शख्स की 20 रुपये के विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और यह सब उसके 13 साल के मासूम बेटे के सामने हुआ। रूपेश बंसल (38) अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ बुराड़ी के संतनगर में रहते थे।

रूपेश रविवार रात में बाल कटाने सैलून गए थे। बाल काटने के बाद सैलून वाले संतोष ने 50 रुपये मांगे तो रूपेश ने उसे 30 रुपये दिए और कहा बाकी पैसे बाद में देगा। तुरंत रुपये देने की बात पर झगड़ा बढ़ गया तो संतोष और उसके भाई सरोज ने पाइप से उसकी पिटाई शुरू कर दी। घायल रूपेश की बाद में मौत हो गई।

अब पांच की बजाय सात साल मान्य होगा एचटेट सर्टिफिकेट

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए अनिवार्य अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की मान्यता अवधि में दो और वर्ष की बढ़ोतरी कर दी है।

एक बार यह परीक्षा पास करने के बाद इसकी मान्यता सात वर्षों तक रहेगी। प्रदेश में फिलहाल शिक्षकों की भर्ती नहीं होते देख यह कदम उठाया गया है। इससे पहले यह परीक्षा पास करने वाले पात्र शिक्षकों के एचटेट सर्टिफिकेट की मान्यता तीन वर्षों के लिए थी। मौजूदा सरकार ने पिछले साल ही इसमें बढ़ोतरी करके इसे तीन की बजाय पांच वर्षों के लिए मान्य कर दिया था। अब यह पांच की जगह सात वर्षों तक मान्य रहेगा। पूर्व की हुड्डा सरकार ने शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा पास करना अनिवार्य किया था। सबसे अधिक दिक्कत जेबीटी शिक्षक की नौकरी की बाट जोह रहे पात्र शिक्षकों को आ रही थी। राज्य में जेबीटी की भर्ती मौजूदा सरकार के कार्यकाल में नहीं हुई है।

बंगाल की खाड़ी में पोत पर कंटेनर में लगी आग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के समुद्र तट से रवाना हुए एक मालवाहक पोत पर रखे एक कंटेनर में सोमवार को आग लग गई। पोत पश्चिम बंगाल तट पर सैंडहेड्स पर लंगर डाले हुए था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक मालवाहक पोत पर चालक दल के 15 सदस्य सवार हैं। कोलकाता बंदरगाह अध्यक्ष विनीत कुमार ने कहा कि एक्सप्रेस गोदावरी पोत पर एक कंटेनर के सुलगने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने कहा कि तटरक्षकों को तुरंत सहायता के लिए भेज दिया गया है।

हरियाणा के 64 गांवों में होगी चकबंदी

सरकार ने 57 नायब तहसीलदार मैदान में उतारे

गांव-गांव जाकर करेंगे चकबंदी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पांच दर्जन से अधिक गांवों में वर्षों से लंबित पड़ा चकबंदी कार्य अब पूरा होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने 57 नायब तहसीलदारों को फील्ड में उतार दिया है। सरकार ने इस कार्य में उन सभी तहसीलदारों को लगाया है जिनकी हाल ही में नियुक्तियां हुई थी।

प्रदेश में लगभग 6800 गांव हैं। 64 को छोड़कर बाकी गांवों में चकबंदी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। 57 नायब तहसीलदार प्रदेश के 57 गांवों में इसी सप्ताह चकबंदी का काम शुरू कर देंगे। सात गांवों के लिए नायब तहसीलदारों की नियुक्ति सितंबर के दूसरे पखवाड़े में होगी।

हालांकि इससे पहले हुई चकबंदी में भी इस तरह से नायब तहसीलदारों की ड्यूटी नहीं लगी थी। यह पहला मौका होगा जब नायब तहसीलदार गांव-गांव और खेत-खेत जाकर जमीन की पैमाइश करेंगे। आमतौर पर यह काम पटवारी या कानूनगो ही गांव में जाकर करते रहे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री होने के नाते डिप्टी सीएम दुष्यंत सिंह चौटाला ने ट्रेनिंग पूरी करने वाले 57 नायब तहसीलदारों को एक-एक गांव अलॉट किया है। ये नायब तहसीलदार पहली अक्टूबर से गांव में जाकर

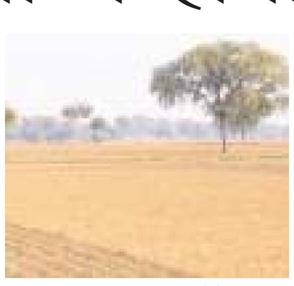

चकबंदी का काम शुरू करेंगे।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के अनुसार प्रदेश के 64 गांवों में चकबंदी नहीं है। इन गांवों से अमूमन हर रोज जमीनी मामले को लेकर शिकायतें आती रहती थीं। ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए चकबंदी जरूरी होती है। इन गांवों का जमीन रिकार्ड सदियों से बीघा एवं बिस्वा में चला आ रहा है। वहीं बाकी हरियाणा में हरियाणा में एकड़, कनाल एवं मरला में जमीनी रिकार्ड है। डिप्टी सीएम ने कहा कि चकबंदी होने से जमीदार के पास उसकी जमीन का लीगल मालिकाना हक हो जाएगा। सभी नायब तहसीलदारों को निर्देश दे दिए हैं कि वे निर्धारित समय सीमा में चकबंदी का कार्य पूरा करें।

कहां तैनात किए कितने नायब तहसीलदार

जिला का नाम	संख्या नायब तह.
भिवानी-दादरी	30
रोहतक	08
झज्जर	04
पानीपत	03
करनाल	08
हिसार	01
अंबाला	02
गुरुग्राम	02

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, मंगलवार, 29 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-वर्ल्ड हार्ट डे स्पेशल-

60 वर्ष से ज्यादा उम्र के ह्दयरोगियों के लिए खतरनाक है कोरोना : डॉ. गोयल

कोरोना से बचाव के नियमों के प्रति लापरवाही बरत कर हम अन्य लोगों को भी खतरे में डाल रहे हैं। फिलहाल कोरोना जाने वाला नहीं है। इसलिए हमें आने वाले एक साल और सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करना होगा। मास्क का सही तरीके से उपयोग और स्वच्छता का पालन कर हम कोरोना के साथ अन्य कई बीमारियों से बच सकते हैं। 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के ह्दयरोगियों के लिए कोरोना खतरनाक साबित हो सकता है। ये कहना है क्यूआरजी अस्पताल के वरिष्ठ ह्दय रोग विशेषज्ञा डॉ गजेंद्र गोयल का। डॉ. गोयल कोरोना काल में ह्दयरोगियों को लगातार जागरूक कर रहे हैं। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ. गजेंद्र गोयल की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम : डॉ. गजेंद्र गोयल
जन्मदिन : 11 मार्च
पिता : स्वर्गीय बंसीलाल गोयल
माता : रतन देवी
पत्नी : डॉ. पूजा गोयल
परिवार : बेटी आरूषि व बेटा अर्नव
स्कूल : 12 वीं - एमएम जैन मॉडल स्कूल, लुधियाना
उच्चशिक्षा : एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन, डीएम इंटरवेशनल कॉर्डियोलॉजि
रूचि : पुस्तक पढ़ना

सवाल : डाक्टर बनने की प्रेरणा आपको कैसे मिली।
जवाब : मैं बचपन से डाक्टर बनना चाहता था। छठी कक्षा में पढ़ने के दौरान मेरे पिता बंसलाल जी का स्वर्गवास हो गया था। मुझे डाक्टर बनाने के लिए मेरी माताजी रतन देवी और मेरे बड़े भाई सुदेश कुमार गोयल ने मेरा काफी सहयोग किया।

सवाल : क्या शिक्षा के दौरान आप अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते थे।
जवाब : मैं गोवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज पटियाला की क्रिकेट टीम में शामिल था। हमारी टीम ने इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में कई बार मैच जीते हैं।

सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।
जवाब : मैने सबसे पहले वर्ष 2007 में अपोला अस्पताल, दिल्ली ज्वाइंन किया था। दो साल बाद मैं फरीदाबाद के सेक्टर आठ स्थित सर्वोदय अस्पताल में आ गया। करीब पांच बाद मैं क्यूआरजी अस्पताल में आ गया और पिछले छह साल से यहीं पर हूं।

सवाल : ह्दयरोगियों पर कोरोना वायरस कितना प्रभाव डालता है।
जवाब : यदि उम्र 50 वर्ष से कम है और अन्य कोई बीमारी नहीं है तो कोरोना से खतरा काफी कम होता है। यदि उम्र 60 से ज्यादा है और ह्दय समेत अन्य बीमारियां हैं तो खतरा पांच गुणा बढ़ जाता है।

सवाल : ह्दय रोगियों की संख्या लगातार क्यों बढ़ रही है।
जवाब : करीब 30 प्रतिशत मौत ह्दय रोग के कारण हो रही है। इनमें से करीब 50 प्रतिशत मौत असमय हो रही है। इसके लिए हमारी खराब जीवनशैली और खानपान जिम्मेदार है। धूम्रपान और तम्बाकू के सेवन की वजह से अब 40 से कम उम्र के लोग भी ह्दय रोगों की चपेट में आ रहे हैं।

सवाल : ह्दयरोगों से किस तरह से बचा जा सकता है।
जवाब : धूम्रपान और तम्बाकू से परहेज और प्रतिदिन आधा घंटा हर व्यक्ति को व्यायाम करना चाहिए। साथ ही तला, फेट वाला और ज्यादा कैलोरी वाला भोजन करने से बचना चाहिए। 20 वर्ष की उम्र के बाद कलेस्ट्राल, बीपी और शूगर की जांच करानी चाहिए। रिपोर्ट ठीक हो तो पांच साल बाद फिर और 40 की उम्र के बाद हर साल जांच करानी चाहिए।

सवाल : लॉकडाउन में आपने जरूरतमंदों की किस तरह मदद की।
जवाब : लॉकडाउन में हमने अस्पताल की तरफ से ग्रामीणों इलाकों में लोगों को बीमारी के प्रति जागरूक और उनकी स्क्रीनिंग के लिए शिविरों का आयोजन किया था।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।
जवाब : सही तरीके से मास्क का उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग और बार बार हैंडवॉश करके हम कोरोना से बच सकते हैं। भीड़ वाली जगह पर जाने से बचना चाहिए। जरूरी काम के लिए ही घर से बाहर निकलना चाहिए।

सवाल : जानबूझ कर नियम तोड़ने वालों को आप क्या संदेश देना चाहते हैं।
जवाब : ऐसे लोग अपने साथ परिवार और समाज को भी खतरे में डाल रहे हैं। इन्हें जागरूक करने की जरूरत है।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।
जवाब : सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया था। इसी वजह से आज देश में स्थिति नियंत्रण में है।

शहर का तापमान

- अधिकतम 37.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 24.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना: सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना ओपीडी व जांच: सुबह 8 बजे

निवेश गुरु

क्या निवेश नहीं है ?

निवेशक पैसों का निवेश बिना जोखिम या कम जोखिम से निवेश करता है। जबकि एक जुआरी पैसे कमाने के लालच में सारे पैसे तो कभी-कभी गमा बैठता है। जुआ खेलकर या कैसीनो में पैसे लगाकर पैसे कमाने को निवेश नहीं कहते हैं।
निवेश में जो रुपया लगाया जाता है. वह सुरक्षित हो और उससे हर महीने कुछ ना कुछ मुनाफा आए, तभी निवेश कहलाता है।

यूटीलिटी न्यूज

कृषि यंत्रों के आवेदन स्वीकार

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि जिला फरीदाबाद में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के पोर्टल पर फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम (2020-21) के लिए कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान लेने के लिए 21 अगस्त 2020 तक आवेदन मांगे गए थे। सरकार द्वारा फसल अवशेष जलाने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए व्यक्तिगत श्रेणी में फसल अवशेष कृषि यंत्रों के सभी आवेदन स्वीकार कर लिए गए हैं। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि आने वाले धान कटाई के सीजन के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है कि जिन किसानों ने पिछले दो वर्षों के दौरान संबंधित कृषि यंत्र पर अनुदान का लाभ नहीं लिया है तथा उनके पास हरियाणा राज्य में पंजीकृत ट्रैक्टर है वह अधिकृत विक्रेता से कृषि यंत्र खरीदकर उसका ई-वे बिल, घोषणा पत्र तथा मशीन के साथ फोटो सहित विभागीय पोर्टल www.agri-haryanacrm.com पर अपलोड करें। यह लाभ सिर्फ ट्रैक्टर चालित कृषि यंत्रों हेतु निर्धारित किया गया है।

क्विक न्यूज

दो चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने सूत्रों की सहायता से आरोपी मुकेश को चोरी के जुर्म में 27 सितम्बर को पल्ला सब्जी मंडी से थाना पल्ला में दर्ज मुकदमा नंबर 205 के तहत गिरफ्तार किया। मुकेश से पूछताछ करने पर उसने बताया की लॉकडाउन के दौरान उसने रजत के साथ मिलकर पल्ला में एक ठेके से शराब चोरी की थी। उसके बाद मुकेश की सूचना के आधार पर रजत को मुकेश के साथ मिलकर चोरी करने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया। रजत से एक देशी कट्टा भी बरामद किया जिसका मुकदमा नंबर 344 थाना सेक्टर 31 में दर्ज किया गया है। आरोपी रजत उर्फ कालू पुत्र जयपाल बदायु, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है जो फ़िलहाल भारत कॉलोनी फरीदाबाद में रह रहा था। वहीं आरोपी मुकेश साईं कॉलोनी फरीदाबाद का रहने वाला है।

दिखावटी और कागजों में बन रहा स्मार्ट सिटी

स्मार्ट सिटी : हादसों को न्योता दे रहे कंडम रेलवे फ्लाइओवर ब्रिज

राजेश दास। फरीदाबाद

शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का दावा करने वाले नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर की तमाम सड़कों पर तो गहरे गहरे गड्ढे बने ही हुए हैं। लेकिन गड्ढों से शहर के चारों रेलवे फ्लाइओवर ब्रिज भी अछूते नहीं हैं। करीब ढाई साल पहले नगर निगम ने नीलम और बाटा रेलवे फ्लाइओवर की मरम्मत करवाई थी लेकिन इसके बाद निगम अधिकारियों ने रख रखाव करने की कोई जरूरत महसूस नहीं की। रख रखाव के अभाव में दोनों ही पुलों के ऊपर गड्ढे बन चुके हैं। उनकी मरम्मत करवाने की बजाए निगम के अधिकारियों ने गड्ढों में ईंटों का मलवा डलवा कर अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है। बल्लभगढ़ सोहना फ्लाइओवर और बड़खल पुल की हालत भी कुछ खास अच्छी नहीं हैं। इनमें बल्लभगढ़ पुल तो बुरी तरह जर्जर हो रहा है। पुल पर बने गड्ढों के कारण हर समय हादसों का डर सताता रहता है। यदि यही स्थिति रही तो सड़कों की तरह पुलों पर भी लोग हादसों का शिकार होने लगेंगे।

ढाई साल में जर्जर

शहर के एनआईटी इलाके को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने के लिए शहर में चार रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज बने हुए हैं। इनमें बड़खल रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज, नीलम फ्लाईओवर ब्रिज, बाटा रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज और बल्लभगढ़ रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज शामिल है। इन चारों ही फ्लाईओवरों का निर्माण वर्षो पहले नगर निगम और रेलवे की तरफ से करवाया गया था। निर्माण के बाद वर्षो बाद भी इन पुलों को मरम्मत की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन पिछले कुछ सालों के दौरान इन पुलों की कई बार मरम्मत करवाई जा चुकी है। मरम्मत के कामों में नगर निगम के अधिकारी करोड़ों रुपये खर्च कर चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद पुल कुछ ही समय बाद फिर से जर्जर होने शुरू हो जाते हैं। नगर निगम द्वारा समय पर रख रखाव न करने की वजह से पुलों की हालत थोड़े ही समय में खस्ता हो जाती है। पुलों में छोटे छोटे गड्ढे बनते ही निगम यदि उनकी मरम्मत करवा दे तो यह स्थिति नहीं बनेगी। लगातार बरसात का पानी गड्ढों में जाने से उनका आकार और गहराई भी बढ़ती चली जाती है। गड्ढे बड़े होते ही यह वाहन चालकों के लिए खतरनाक साबित होने लगते हैं।

दिखावटी सुंदरता

शहर को स्मार्ट बनाने के नाम पर नगर निगम और स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा सरकारी धन का लगातार दुरूपयोग किया जा रहा है। सिर्फ दिखावटी विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। लेकिन वास्तव में धरातल पर कुछ भी नहीं है। शहर को स्मार्ट बनाने के नाम पर कुछ समय पहले चारों रेलवे फ्लाइओवर ब्रिजों की रेलिंग पर नगर निगम द्वारा रंग रोगन करवाया गया था। इन पर रंग रोगन और चित्रकारी करवाने पर नगर निगम की तरफ से लाखों रुपये खर्च किए गए थे। नगर निगम ने फ्लाईओवर की दिखावटी सौंद्रयकरण पर तो लाखों रुपये खर्च कर दिए। लेकिन पुलों पर बने गड्ढों की मरम्मत करवाने की तरफ नगर निगम ने कोई ध्यान नहीं दिया। लगातार लापरवाही बरते जाने की वजह से नीलम फ्लाइओवर ब्रिज पर बने गड्ढों से लैंटर के सरिये तक दिखाई दे रहे है। जिन्हें छिपाने के लिए निगम ने इन गड्ढों में ईंटों का मलवा भरवा दिया है। बाटा, बड़खल और बल्लभगढ़ फ्लाइओवर की हालत भी लगातार दयनीय होती जा रही है। इनमें सबसे ज्यादा बुरी स्थिति बल्लभगढ़ सोहना फ्लाईओवर की है। इस पुल पर सबसे ज्यादा यातायात का दबाव है, लेकिन इसके बावजूद पुल पर बने गड्ढों की मरम्मत करवाने की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सड़क हादसों की जिम्मेदारी तय हो

स्मार्ट सिटी की सड़कों पर जगह जगह बने गड्ढों की वजह से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। हाल ही में दो दिन पहले हार्डवेयर चौक के निकट गड्ढों के कारण हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस हादसे को अभी लोग भूल भी नहीं पाए थे कि सोमवार सुबह गड्ढों के कारण अनखीर चौक के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की जान चली गई। स्कूटी गड्ढे में फंसने पर गिरने से युवक के सिर पर गंभीर चोट आई थी। गड्ढों की वजह से लगातार हो रहे हादसों के बावजूद नगर निगम अथवा संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही है। शहर के गणमान्य लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण होने वाले हादसों के बाद नगर निगम के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ पुलिस को एफआईआर करनी चाहिए। नगर निगम की लापरवाही के कारण अब सड़कों के साथ साथ सभी रेलवे ओवरफ्लाइ ब्रिजों पर भी बड़े बड़े गड्ढे बने हुए हैं। यदि निगम ने जल्दी ही इनकी तरफ ध्यान नहीं दिया तो पुलों पर लोग हादसों का शिकार होने लगेंगे।

आमजन को मिलेगी अब ऑनलाइन सुविधाएं : मूलचंद

अटल सेवा केंद्र में जनता को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं में विस्तार किया

मुख्यमंत्री मनोहर लाल नहीं छोड़ रहे हैं प्रदेश में लोगों की सेवा करने में कोई कोर कसर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा ने कहा कि सोमवार को स्थानीय एमसीएफ परिसर में चल रहे अटल सेवा केंद्र में जनता को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं में विस्तार किया गया है। कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा ने रिबन काटकर उद्धघाटन इसका उद्घाटन किया। नगर निगम बल्लबगढ़ परिसर में चल रहे अटल सेवा केन्द्र, कामन सर्विस सेंटर में लगभग सभी सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन सुविधाएं आम जन को मिलेगी। कैबिनेट मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा ने लोगों को अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में और मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रदेश में लोगों की सेवा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर खोले गए अटल सेवा केन्द्र पर केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही लगभग 350 से अधिक सेवाओं का आम जन को ऑनलाइन लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्री के लिए बिजली के बिल, पानी के बिल सहित तमाम एनओसी लेनी हो या कोई भी प्रमाण पत्र बनवाना हो, राशन कार्ड,आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, बुढापा, विधवा, दिव्यागं जनों की पैंशन सुविधा, विवाह पंजीकरण, विवाह शगुन योजना, फसल बीमा योजना,आयुष्मान भारत चिकित्सा सुविधाओ सहित बेरोजगार भत्तों और अन्य किसी भी प्रकार की एनओसी अब चन्द मिनटों में सरकार की नाम मात्र फीस पर आनॅ लाइन ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद जिला मे अलग अलग स्थानों पर सरकार द्वारा आम जन को घर के नजदीक सरकारी सुविधाओं आनॅ लाइन देने के लिए लगभग 400 सीएससी सेन्टर बनाए गए हैं।

इनमें अटल सेवा केन्द्र,अन्तोदय केन्द्र के नाम पर सीएससी सेन्टर बनाए गए हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सीएससी सेन्टर से गरीब व जरूरतमदं लोगों को बिचौलियों से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले एनओसी के लिए लोगों को दफ्तरों में चक्कर काटने पडते थे। फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल पर जाती थी और अब सरकार द्वारा आनॅ लाइन हर टेबल समय सीमा निर्धारित की गई है। अब आपके द्वार घर बैठे आनॅ लाइन सुविधाएं मिलेगी। एसडीएम अपराजिता ने कहा कि आम जन की भागीदारी के लिए सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सीएससी सेन्टर बनाए गए हैं।इनके माध्यम से लोगों सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी नीतियों,योजनाओं का लाभ आनॅ लाइन मिलेगा। सीएससी सेन्टर की अधिकारी अन्जू शर्मा, अमन सिंगला, ऋतु सिंगला, सोमनाथ ने सीएससी सेन्टर में दी जा रही आनॅ लाइन सुविधाओं बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पार्षद दीपक यादव, पार्षद हरप्रसाद गौड, पार्षद कपिल डागर, नायब तहसीलदार कन्हैया लाल, एसडीओ नगर निगम विनोद कुमार, अशोक शर्मा, हरियाणा व्यापार मंडल बल्लभगढ़ के प्रधान प्रेम खट्टर, सीएससी सेंटर कोऑर्डिनेटर अंजू शर्मा, सीएससी सेंटर बल्लभगढ़ की संचालिका रितु सिंगला, अमित सिंगला, मदन गोपाल, पुनीत गोयल, बृजलाल शर्मा सहित नगर निगम के कर्मचारी व अपने कार्य से अटल केंद्र पर आने वाली आम जनता भी मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

रक्तदान शिविर में 91 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

फरीदाबाद। सेक्टर-12 स्थित लायर्स चैंबर परिसर में क्रिएटिव लायर्स फ्रंट व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेष अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश दीपक गुप्ता व मुख्य अतिथि के रूप मंगलेश कुमार चौबे (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) उपस्थित रहे। शिविर में चार न्यायाधीशों सहित अधिवक्ताओं द्वारा 91 यूनिट रक्त दान किया गया। फ्रंट के संस्थापक अधिवक्ता मनोज शर्मा ने कहा कि रक्त अमूल्य है, एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान तीन लोगों का जीवन बचाने के काम आता है। रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता अत: रक्त को लड़ाई झगड़े में बर्बाद ना करके नियमित अंतराल पर दान करते रहना चाहिए। शिविर संयोजक अधिवक्ता दीपशिखा ने बताया कि शिविर में महिला अधिवक्ताओं ने भी बढ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर अधिवक्ता मनोज शर्मा, दीपशिखा, अवधेश शर्मा, राजू त्यागी, योगेश भारद्वाज, अरविंद छावरी, हेमराज कपासिया, संगीता भाटी, संदीप पाराशर, सतवीर शर्मा, विजय भारद्वाज, नरेन्द्र पाराशर (महासचिव- जिला बार एसोसिएशन), संजीव चौधरी (प्रधान-जिला बार एसोसिएशन) उपस्थित रहे।

उदाका ने जीता आठ विकेट से मैच

फरीदाबाद। प्रथम रविंदर फागना टी-20 क्रिकेट लिंग मे उदाका क्रिकेट क्लब (सोहना) ने अजित आस्क इलेवन (गुरुग्राम)को 8 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 20-20 ओवर का था। ये मैच उदाका क्रिकेट क्लब (सोहना) और अजित आस्क इलेवन (गुरुग्राम) के साथ खेला गया। उदाका क्रिकेट क्लब (सोहना) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। उदाका क्रिकेट क्लब (सोहना) की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 123 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए तुषार ने 36 रन, मुकेश ने 30 रन और अनूप ने 14 रन बनाए। अजित आस्क इलेवन (गुरुग्राम) की ओर से गेंदबाजी करते हुए सुजन यादव ने 2 विकेट, चमन राठी, राहुल और सोमबीर ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अजित आस्क इलेवन (गुरुग्राम) की टीम ने 11.3 ओवर 2 विकेट में 129 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए हेमंत ने 77 रन, राहुल ने 16 रन और रोनक ने 14 रन बनाए।

शहीद भगत सिंह को दी पुष्पांजलि

फरीदाबाद। देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अनेको वीरों में से एक अमर शहीद सरदार भगत सिंह के जन्मदिन पर फ्रैंडस सोशल वर्कर्स एसोसिएशन मार्केट नम्बर-5 के पदाधिकारियों जिनमें मुख्य रूप से वरिष्ठ उपप्रधान गुलशन सहगल और महासचिव मुकेश मल्होत्रा ने अन्य सदस्यों के साथ मिलकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देकर उन्हें नमन किया। इस मौके पर वरिष्ठ उपप्रधान गुलशन सहगल ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश को आजाद कराने के लिए अपना सबकुछ दाव पर लगा दिया। उनके इस जज्बे ने भारत के लोगों के जहन में आजादी को लेकर एक ऐसा जुनून पैदा कर दिया, जिसमें न केवल भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिली बल्कि भारत आज विश्व मानचित्र पर एक महान ताकत के रूप में उभरकर सामने आया है। महासचिव मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि सही मायने में शहीद ए आजम भगतसिंह को सच्ची श्रृद्वांजलि तब होगी जब आज की युवा पीढ़ी उनके पदचिन्ह्रो पर चलने का प्रण करेगी और देश पर बुरी नजर रखने वालों को पाताल में पहुंचाकर रहेगी। उन्होनें कहा कि देशभक्ति,शोर्य और पराक्रम के अद्वितीय प्रतीक है शहीद ए आजम भगत सिंह जिन्होने भारत माता की आन बान और शान के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया।

नि: शुल्क कोचिंग के लिए किया चयन

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने सोमवार को सेक्टर 10 स्थित कार्यालय मानव भवन में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को कोचिंग देने के लिए चयन परीक्षा आयोजित की। 2 अक्टूबर से शुरू कराई जाने वाली नि: शुल्क कोचिंग के लिए 30 विद्यार्थियों का चयन किया गया। जिसमें से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 25 छात्राओं का प्राथमिकता के आधार पर चयन किया गया। चयन परीक्षा का संचालन प्रोफेसर एनके गर्ग व सुभाष शर्मा ने किया। मिशन संयोजक कैलाश शर्मा ने कहा है कि स्कूल बंद होने के कारण बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों की पढ़ाई में काफी असर पड़ रहा है। मानव सेवा समिति ने सरकारी स्कूलों के जरूरतमंद परिवारों के विद्यार्थियों खासकर छात्राओं की पढ़ाई में मदद करने का बीड़ा उठाया है। सरकारी स्कूलों की छात्राएं बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हों इसके लिए समिति की मिशन योजना मानव सुपर 21 आईआईटी कोचिंग के प्रोफेसर एनके गर्ग, प्रोफेसर तरुण गर्ग, शिक्षाविद राजीव जैन, सुभाष शर्मा आदि गांधी जयंती 2 अक्टूबर से सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मानव भवन पर सरकारी स्कूलों के इन चयनित विद्यार्थियों को सोमवार से शनिवार सायं 4 से 7 बजे कोचिंग प्रदान करेंगे। मिशन संरक्षक अरुण आहूजा, रोशनलाल बोरड ने कार्यरत व रिटायर प्रोफेसर व शिक्षाविदों से अपील की है कि वे इस मिशन से जुड़कर अपनी निशुल्क सेवाएं प्रदान करके सहयोग प्रदान करें।

यदि दिल का नहीं रखा ख्याल तो कोरोना ले सकता है जान

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा 19 हजार के पार पहुंच चुका है। वहीं दूसरी तरफ मृतकों की संख्या का आंकड़ा 216 पर पहुंच गया है। सूत्रों का कहना है कि मृतक पॉजिटिव में काफी संख्या में हृदय रोगी भी शामिल थे। चिकित्सकों का कहना है कि यह वायरस दिल के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इससे लोगो को हार्ट अटैक होने के चांस बढ़ रहा है।

धडकनों पर इफेक्ट

कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एलके झा ने बताया कि जिन मरीजों को हार्ट की बीमारी नहीं है उन्हें यदि कोरोना है, तो यह पांच से 10 प्रतिशत पॉजिटिव मरीजों के हृदय पर असर डालता है। उन्होंने बताया कि एक स्वस्थ्य व्यक्ति की सामान्य हृदय गति 60 और 100 बीट प्रति मिनट के बीच होती है। लेकिन कोरोना संक्रमित रोगियों में अधिकतम हृदय गति 42 एमबीपी और न्यूनतम 30 एमबीपी पाई जा रही है, जो काफी कम है। ऐसे में कोरोना दिल से जुड़ी समस्याओं को भी पैदा करता है और उन्हें बढ़ाता है।

पॉजिटिव और मौत

डॉ. झा ने बताया कि कोरोना संक्रमण से ठीक हो चुके लोग अगर हृदय रोगी हैं तो उनमें दोबारा संक्रमण की आशंका बनी रहती है। क्योंकि, यह वायरस फेफड़ों पर असर डालता है। हार्ट के मरीजों में कोरोना डेथ रेट ज्यादा है। उन्होंने बताया कि कोरोना हार्ट की मांसपेशियों में सूजन बढ़ा देता है, जिससे मांसपेशियां कमजोर होकर ब्लॉक हो जाती हैं। नार्मल मरीज में सर्दी, जुकाम आसानी से ठीक हो जाता है, लेकिन यदि किसी हृदय रोगी को कोरोना संक्रमण हो जाए, उसकी सांस फूलने लगती है और उसकी मौत होने का खतरा बढ़ जाता है।

रखे दिल का ध्यान

डॉ. एलके झा ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव अधिकतर हृदय रोगी अस्पताल में भर्ती होते है, लेकिन यदि हृदय रोग नहीं और कोरोना है तो उन्हें स्वयं हार्ट बीट जांच करते रहता चाहिए। हार्टबीट कम या अधिक हो तो उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती हो जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि कोरोना में मरीजों को हार्ट अटैक अधिक होता है। ऐसे में दाखिल मरीजों की तो नियमित हार्ट की स्क्रीनिंग और इको टेस्ट करवाये जाते है, लेकिन घर पर आईसोलेट मरीजों को इसका ध्यान रखना होगा।

भगत सिंह की जयंती पर लगाया रक्तदान शिविर

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

आदर्श रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आरडब्ल्यूए द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 100 लोगों ने किया रक्तदान। आदर्श रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आरडब्ल्यूए द्वारा शहीद भगत सिंह जयंती के शुभ अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 100 लोगों ने रक्तदान किया और उन सभी रक्त वीरों का उत्साह बनाने के लिए मुख्य अतिथि मूलचंद शर्मा कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा ने कहा कि आज आजाद हिंदुस्तान में खुली हवा में सांस लेना वीर शहीदो की कुर्बानी ओर उनके बलिदान से ही संभव हो पाया है। गुलामी की बेड़ियों को काटने के लिए वीर सपूतों ने अपना जीवन देश के लिए त्याग किया था। उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का आज भारत आदरणीय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति कर रहा है। देश की मजबूत सेना आज सीमाओं पर रहकर देश की रक्षा के लिए उसी जज्बे के साथ खड़ी है जिस जज्बे से देश को आजाद कराने में उस समय वीरों ने अपनी भूमिका निभाई थी।

संक्षिप्त समाचार

प्लाज्मा के लिए लोगों को कर रहे जागरूक

फरीदाबाद। जिले की अग्रणी सामाजिक सामाजिक संस्था के द्वारा फ़रीदाबाद शहर मे विभिन्न स्थानो पर प्लाज्मा के लिए लोगो को जागरूक करने के उदेश्य के लिए जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर अलग अलग स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। इस मुहिम का नाम जीवन रक्षक दिया गया है। मिशन जागृति के संगठन सचिव और जीवन रक्षक प्रोजेक्ट के मुख्य संयोजक दिनेश राघव ने बताया कि फरीदाबाद मे अभी तक 12 नाटक किए जा चुके है हमने लेजर वेली पार्क, ड़बुआ कॉलोनी, एसजीएम नगर, टाउन पार्क, सेक्टर 16, सेक्टर 21, सेक्टर 17 में लोगो को जागरूक किया है। दिनेश राघव ने बताया कि अभी भी लोग खुद से आगे नहीं आ रहे है जबकि लोगो को खुद से आगे आकर किसी के लिए जीवन रक्षक बन सकते है। उन्होंने बताया कि इस जागरूकता अभियान मे संस्था के स्वयं सेवक खुद से ही आगे आ कर नुक्कड़ नाटक करते है। संस्था के सभी साथी इस मुहिम मे जी जान से प्रशासनका साथ दे रहे है। संस्था के महेश आर्य, विपिन शर्मा, राजेश भूटिया, विकाश कश्यप, अशोक भटेजा, विपिन भारद्वाज, राजेंद्र नागर, हिमांशु भट्ट, गुरनाम सिंह, दिनेश सिंह, रूपा तिवारी, कल्पना राजपूत, कृष्ण राजपूत, शुशमिता भौमिक, मोहिनी, प्रीति सैनी, सुनीता रानी, लता सिंगला, अरुणा चौधरी, भावना चौधरी, प्रभा सोलंकी, पूजा शर्मा, गुरमीत सिंह, निर्दोष सैनी, धर्मेंद्र, अभिषेक, गौरव भारद्वाज, संजय पाल, विकास कुमार के साथ-साथ मिशन जागृति के जिला अदायक्ष विवेक गौतम का विशेष योगदान होता है। इस अवसर पर जिला रेडक्रॉस के संयोजक उमेश अरोड़ा ने कहा कि मिशन जागृति का प्रयास बहुत ही सराहनीय है पर लोगो को खुद से भी आगे आना चाहिए। इस अवसर पर मिशन जागृति के जिला उपद्यक्ष राजेश भूटिया ने लोगों को कहा कि इस महामारी मे सबको एक दूसरे का साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मिशन जागृति हमेशा समाज सेवा मे लगी रहेगी और इसी प्रकार लोगो को जागरूक करती रहेगी।

देशभर में लग्जरी कार चोरी करने वाला पकड़ा

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 प्रभारी विमल की टीम ने एक लग्जरी कार चोर को गिरफ्तार किया है। जिसके लिए सिर्फ शोक ही सबसे बड़ी चीज है। जो बड़े ही कोंफिड़ेंस के साथ घर में दाखिल होता और साही तरीके से गाडी चुरा कर वहा से फरार हो जाता था। जानकारी के मुताबिक रोबिन उर्फ़ राहुल उर्फ़ हेमंत उर्फ़ जोनी पुत्र टीटू राम निवासी जवाहर नगर हिसार को सेक्टर-31 थाने में दर्ज 31 अगस्त को मुकदमा नंबर 309 में दर्ज चोरी की गई फॉर्चुनर कार के आरोप में बदरपुर बॉर्डर एरिया से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में चोरी व पीओ व समेत करीब 50 मुकदमे देश के अलग अलग राज्यों में दर्ज है। हाल में जेल से बाहर आने के बाद आरोपी ने एक फॉर्चुनर कार जोधपुर राजस्थान, एक फॉर्च्यूनर फरीदाबाद, एक फॉर्च्यूनर गाजियाबाद, व एक जीप कंपास गुरुग्राम से चोरी की थी। आरोपी के कब्जे से फरीदाबाद से चोरी फॉर्च्यूनर बरामद कर ली गई है। आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा जा रहा है। गुड़गांव गाजियाबाद और राजस्थान पुलिस को इस बारे में सूचित किया जा रहा है।

जलभराव से बढ़ा बीमारी फैलने का खतरा

फरीदाबाद। सेवा संस्था के सदस्यों ने सेक्टर-56 आशियाना फ्लेट्स में कोरोना बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान आशियाना में चारों ओर व्याप्त गंदगी देखी इस गंदगी से पूरे आशियाना की सड़कें, पार्क व नालियां भरी पड़ी हैं। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे पड़े हैं। इससे वहां रहने वाले लोगों में भयंकर बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। हुडा प्रशासन ने लोगों को फ्लैटस बनाकर तो दिए पर वहां सफाई, पानी, सीवर की सफाई आदि मूलभूत सुविधाओं की और कोई ध्यान नहीं दिया न ही दे रहा है। वहां के निवासियों ने संस्था के सदस्यों को बताया कि हमारा जीवन इन फ्लैट्स में आकर नर्क से भी बदतर हो गया है। पानी के समस्या को लेकर भी लोगों ने बताया की पानी की सप्लाई ऑपरेटर अपनी मर्जी से करता है एक बार वो भी रात में, इसकी वजह से लोगों को रात में जागना पड़ता है। संस्था के वरिष्ठ सदस्य मंजू गुप्ता व बृजेश नागर ने आशियाना के लोगों को आश्वासन दिया की वे जल्द ही प्रशासन से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण कराने की कोशिश करेंगे।

किसान व मजदूरों के हकों पर कुठाराघात : शर्मा

-कांग्रेस द्वारा श्रमिक हित में बनाए कानून भी भाजपा ने बदल दिए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार किसानों के साथ मजदूर विरोधी भी है। तीन कृषि विधेयकों के साथ ही भाजपा ने संसद में नए श्रम विधेयक को भी पारित करा लिया है। इसमें कांग्रेस द्वारा श्रमिक हित में बनाए गए श्रम कानूनों को बदल दिया गया है। अब मजदूर 60 दिन का नोटिस दिए बिना हड़ताल नहीं कर सकता। इसके अलावा जब तक किसी भी ट्रिब्यूनल में मजदूर या मजदूरों का मामला लंबित होगा, तब तक उस पर हड़ताल नहीं की जा सकती। कंपनी या फैक्ट्री मालिक सिर्फ उसी मजदूर संगठन की बात सुनेगा, जिसमें कंपनी के 51 फीसद मजदूर सदस्य होंगे। बता दें, भाजपा सरकार ने संसद में तीन विधेयक पारित कराए हैं। इनमें इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड बिल 2020, सोशल सिक्योरिटी कोड बिल 2020, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड बिल 2020 शामिल हैं। विधायक नीरज शर्मा के अनुसार तीनों श्रम कानून पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने वाले हैं। शर्मा के अनुसार भाजपा सरकार ने जिस तरह किसानों के हितों के खिलाफ तीन काले कानून बनाए हैं, उसी तरह मजदूरों का हक मारने के लिए भी तीन काले कानून बनाए हैं। इन बिलों का कांग्रेस विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि वे मजदूरों के बीच जाकर उन्हें इन काले कानूनों के बारे में जागरूक करेंगे। इसके लिए वे फैक्ट्रियों के समक्ष गेट मीटिंग करने की भी योजना बना रहे हैं।

कृषि अध्यादेश को लेकर किसानों को किया जागरूक

फरीदाबाद। जेजेपी के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों ने किसानों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत किसानों के बीच गांव-गांव जाकर कृषि अध्यादेश को लेकर जागरूक किया जा रहा है। वही किसान भी कृषि अध्यादेश का स्वागत कर रहे हैं। ग्रामीण जिला अध्यक्ष तेजपाल डागर और शहरी जिलाध्यक्ष अरविंद भारद्वाज ने बताया कि किसान अध्यादेश को लेकर सरकार के साथ हैं। पृथला के गांव चंदावली, मलेरणा और जाजरू में जे जे पी के नवनियुक्त जिला अध्यक्षों ने किसानों के बीच जाकर उनको कृषि अध्यादेश के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और बताया कि कृषि अध्यादेश किसानों के पूरी तरह से हित में है। वहीं उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला लगातार किसानों के हित की लड़ाई लड़ रहे हैं।

साथी को गोली मारने वालों की गिरफ्तारी के लिए वकीलों ने की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला बार एसोसिएशन के वकीलों ने हरेन्द्र करसाना एडवोकेट के समर्थन में काम-काज बन्द रखा। बार के महासचिव नरेन्द्र पाराशर व अन्य पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। जिसमें वर्क्स सस्पेंड रखने का निर्णय लिया गया। काम काज बंद करने की जानकारी सभी पदाधिकारियों ने कोर्ट में दी और सुबह से ही भारी संख्या में वकील लॉबी में आकर बैठ गए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ जल्दी से जल्दी कार्यवाही करने की मांग की। सभी वकीलों ने एक आवाज में दोषियों को तुरन्त गिरफ्तार करने की मांग की। गौरतलब है कि वकील हरेन्द्र करसाना व उसके बड़े भाई को जान से मारने की नीयत से इन्ही के गांव के निवासी मनोज मागरिया व उसके भाईयों ने गोलियों से हमला किया। जिसमें तीन गोली अधिवक्ता हरेंद्र को लगी और दो गोली उसके भाई को लगी है। दोनों भाईयों को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। जहां भी दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। मनोज मागरिया ने क्रास केस बनवाने के लिए झूठी गोली अपने साथी को मार कर एशियन हॉस्पीटल में भर्ती करा दिया है। यह तरह का हथकंडा सरासर गलत है। बार काउंसिल के पूर्व मनोनित सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि दोषियों के खिलाफ तुरन्त कार्रवाई की जानी चाहिए। बार के पूर्व प्रधान जेपी अधाना ने कहा कि दोषियों को तुरन्त गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इस मौके पर बार के पूर्व प्रधान एनके गर्ग, प्रदीप परमार, सतबीर शर्मा, ललित बैंसला, जगदीश अधाना, वाइस चेयरमैन भारत गर्ग, रविन्द्र भाटी, अजय भडाना, ब्रहमदत्त शर्मा, विजय शर्मा, धर्मेन्द्र, हेमराज कपासिया, दीपक खटाना, धर्मेन्द्र फागना, दीपक खटाना, प्रवीन कपासिया, सतपाल नागर, अनिल तोमर, सतीश चौहान, मुबिन खान, मनोज, पवन कौशिक, नरेन्द्र कौशिक, अशोक कुमार आदि सैंकडो वकील मौजूद थे।

कांग्रेस ने मनाई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद कौशिक के अनुज बलजीत कौशिक ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 113वीं जयंती पर एनएच-5 स्थित शहीद भगत सिंह चौक पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वीरता एवं पराक्रम की उनकी गाथा देशवासियों को युगों-युगों तक प्रेरित करती रहेगी। बलजीत कौशिक ने कहाकि शहीद भगत सिंह ने देश में मेहनतकश जनता के राज के लिए जीवन कुर्बान कर दिया। उनके बताए रास्ते पर नौजवानों को चल कर नए समाज के निर्माण को आगे बढ़ना चाहिए। हम शहीद भगत सिंह जैसे महान सपूतों को उनकी जयंती तथा पुण्यतिथियों पर ही याद करने लगे हैं, जबकी वह हमारे देश की ऐसी धरोहर हैं जिनको हमें सुबह शाम याद करना चाहिए, क्योंकि उनकी बदौलत ही आज हम आजादी की हवा में सांस ले पा रहे हैं। उन्होने कहा कि हमें चाहिए कि हम अधिक से अधिक सडकों व भवनों का नाम इन महान सपूतों के नाम पर रखें ताकि हमारी अगली पीढियां इनके जीवन से सबक ले सकें। इस मौके पर डा. सौरभ जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस, एडवोकेट विनोद कौशिक, एलएन मित्तल, सुभम मित्तल, लालचंद शर्मा, बबलू चौधरी, सत्य नारायण, राम प्रवेश, रवि, गजना लम्बा, रामदास कटारिया आदि लोग मौजूद थे।

शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 ने अंकित उर्फ राका निवासी खेडी कला फरीदाबाद को गुप्त सूत्रों की सुचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। क्राईम ब्रांच सेक्टर 30 ने बताया कि आरोपी अंकित को गांव खेडी के बस स्टैंड से 27 सितम्बर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से एक देशी कट्टा बरामद किया गया है।क्राईम ब्रांच सेक्टर 30 ने बताया कि आरोपी ने प्रवीन, टिंकू, सोनू, अजीत व अन्य साथियों के साथ मिलकर मछली मार्किट सैक्टर 22 में अंसार अली नाम के लड़के के हाथ पैर तोड़े थे और हवाई फायर किया था। जिसका मुकदमा नंबर 220 थाना बीपीटीपी मे दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया आरोपी अंकित को अदालत से 3 दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है।

नकली घी और भांग के व्यापारी रिमांड पर

फरीदाबाद। सेक्टर-तीन से रविवार को सीएम फ्लाईंग के छापे के दौरान पकड़े गए, नकली घी बनाने व भांग की गोली बेचने वाले दोनो दुकानदारों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें पुलिस को चार दिन के रिमांड पर दिया है।

जानकारी के मुताबिक सीएम फ्लाइंग के डीएसपी देवेंद्र यादव के नेतृत्व में रविवार को छापेमारी में हरियाणा में प्रतिबंधित भांग की गोलियां बरामद हुई। इसके अलावा दुकान के ऊपर बने मकान के कमरे में अमूल, मदर डेयरी, वीटा, मिल्क फूड जैसे बड़े ब्रांड के नाम से नकली घी की पैकिंग भी की जा रही थी। दुकानदार रवि की दुकान के ऊपर बने कमरे में नकली देसी घी की ब्रांडेड कंपनियों के रैपर व डिब्बों में पैकिंग की जा रही थी। छापा मार टीम ने करीब 60 किलो पैक देसी घी, 3 किलो खुला हुआ घी, रैपर, सील, डिब्बे, भगोना, सिलेंडर सहित अन्य सामान बरामद किया। इसी प्रकार के रवि के भाई राजेश की दुकान में से भांग की गोली के भरे साढ़े 3 कट्टे पाए गए। जिनका वजन करीब 115 किलो से अधिक था।

कोरोना: एक मौत, 195 पॉजिटिव से आंकड़ा 19,494

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ये है आंकड़ा

अब तक कुल सैम्पल	196441
रिपोर्ट आई नेगेटिव	176626
रिपोर्ट आनी है बॉकी	321
अब तक पॉजिटिव	19494
अब तक कुल ठीक	17978
अब तक कुल मौत	216
गंभीर हालत में भर्ती	46
आईसीयू में भर्ती	11

जिले में सोमवार को कोरोना पॉजिटिव 248 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 92.2 प्रतिशत हो गया। वहीं 195 पॉजिटिव सामने आने से कोरोना का आंकड़ा 19,494 पर पहुंच गया। जिले में पिछले 24 घंटे में एक कोरोना पॉजिटिव ने दम तोड़ दिया। सोमवार को बीके अस्पताल में एसपीओ भर्ती में शामिल हुए कर्मी जब जांच करवाने पहुंचे, तो उनसे सैम्पल करवाने के पैसे मांगे गए, जिस पर वह घंटो लैब के बाहर खड़े रहे।

मृतक और पॉजिटिव

सेक्टर-आठ निवासी कोरोना पॉजिटिव 57 वर्षीय एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। व्यक्ति कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त था। वहीं 195 पॉजिटिव में पुलिस प्रवक्ता समेत, सेक्टर-46, बडखल, जीवन नगर, आदर्श नगर, इंदिरा इंक्लेव, पन्हैड़ा खुर्द, सीकरी, इंदिरा नगर, मेवला महाराजपुर, बड़ौली, छायंसा, शिव बिहार, नंगला, फ्रैंडस कालोनी, बल्लभगढ़, एसजीएम नगर, दयाल नगर, चावला कालोनी से 1-1 मरीज है। सेक्टर-3, 7, 17, 11, 6, 86, 14, 10, 37, 88, 77, 49, ओल्ड फरीदाबाद, पर्वतीया कालोनी, धीरज नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, भूड कालोनी, जनता कालोनी, दौलताबाद, अमरनगर, लकडपुर, पल्ला, विजय नगर, तिगांव, आरपीएस सभाना, जवाहर कालोनी, सिही, अनखीर, भांकड़ी, वेदराम कालोनी, अनंगपुर, राजीव कालोनी, भीकम कालोनी, राज सिंह कालोनी, सेहतपुर, शास्त्री कालोनी, भगत सिंह कालोनी, एनएच-5, 3 से 2-2 मरीज है। सेक्टर-8, 49, 19, 16, 81, 84, 15, 48, 82, अशोका इंक्लेव, एसी नगर, सैनिक कालोनी, एनएच-2, 4 से 3-3 मरीज है।

साइबर ठगी के मामले में आठ और आरोपी गिरफ्तार

जामताड़ा और कर्नाटका से किया आरोपियों को गिरफ्तार

पुलिस ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ लगातार एक के बाद एक कर रही हैं बड़ी कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

साइबर अपराध थाना पुलिस ऑनलाइन ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ लगातार एक के बाद एक बड़ी कार्यवाही कर रही हैं। अब साइबर अपराध पुलिस ने जामताड़ा और कर्नाटका से ऑनलाइन ठगी करने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आपको बता दें कि हाल ही में साइबर सेल ने जामताड़ा से पांच आरोपियों अजय, शत्रुघ्न, सौरभ, भारत, नरेंद्र को गिरफ्तार किया था। इस मुकदमे को सुलझाते हुए आरोपियों से अदालत ने आरोपी अजय और शत्रुघ्न का पुलिस रिमांड मंजूर कर अन्य 3 आरोपियों को जेल भेज दिया था। आरोपी शत्रुघ्न और अजय ने बताया कि उनके इस काम में उनके अन्य साथी भी वारदात को अंजाम देते हैं। आरोपी शत्रुघ्न और अजय की निशानदेही पर पुलिस ने आरोपियों को जामताड़ा और कर्नाटका से गिरफ्तार किया है। प्रेस वार्ता के दौरान एसीपी धारना यादव ने बताया कि आरोपियों ने मुकदमा नंबर 296 में मिठास पिंटो निवासी आईपी कॉलोनी फरीदाबाद से 4जी से 5जी सिम अपग्रेड करने के नाम पर 1 लाख 9 हजार रुपए की ठगी की थी। इसके अलावा आरोपियों ने मुकदमा नंबर 306 सेक्टर 31 के मामले में एक महिला प्रतिभा अग्रवाल निवासी सेक्टर 28 से सिम अपग्रेडेशन के नाम पर 1 लाख 30 हजार की धोखाधड़ी की थी। आरोपियान टेलीकाम कम्पनी के कर्मचारी बनकर लोगो के पास काल करते थे और उनकी सिम को 4जी से 5जी सिम मे अपग्रेड करने का झांसा देते थे।

उसके बाद आरोपीयान लोगों को उनकी सिम कार्ड नंबर से अपनी ब्लैक सिम का आईएमएसआई नंबर कस्टमर केयर नंबर पर भेजने को कहते थे। लोगों के सिम कार्ड को अपनी सिम पर एक्टिवेट कर आई.फोन व लिंक बैक अकांउट को हैक कर नेट बैंकिग के जरिए उनके खाता से पैसे निकाल लेते थे। इंस्पेक्टर बसंत चौहान प्रभारी साइबर अपराध थाना ने बताया कि नेट बैंकिंग के जरिए खातों को चलाने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की जरूरत होती है तो आरोपी लोगों के मोबाइल नंबर को अपनी सिम पर चालू करा लेते थे। ताकि वह ओटीपी अपने मोबाइल फोन पर मंगा सके और आसानी से पैसे निकाल सकें।

शहीद भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा शहीद-ए-आजम भगत सिंह को उनकी 113 वीं जयंती के अवसर पर याद किया तथा श्रद्धांजलि दी गई।

महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह के योगदान को याद करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी नायक थे। उनका व्यक्तित्व युवाओं को एक आदर्श नायक के रूप में आकर्षित करता है। आज युवाओं को भगत सिंह के बलिदान और देश के लिए उनकी सोच के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

परिशिष्ट IV A
नियम 8(6) का नियम देखे
अचल संपत्तियो की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के नियम 8(6)के नियमों को पढते हुए सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रशन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अधीन अचल संपतियो की बिक्री के लिए ई- निलामी बिक्री सूचना.

सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) तथा गॅरेन्टर (ओं) को सूचीत किया जाता है कि निम्नवर्णित अचल संपत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, जिस पर सुरक्षित लेनदार अधिकृत अधिकारी **इंडियाबुल्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड [CIN: U67110MH2006PLC305312], (सुरक्षित लेनदार)** द्वारा **वास्तविक कब्जा** लिया जा चुका है, को **30.10.2020** को दोपहर **02.00** से **04.00** बजे तक (निविदा दस्तावेज के संदर्भ में 5 मिनिट के अमयार्दित स्वचालित एक्सटेंशन के साथ) **''जहां है'', ''जैसा है'', और ''जो कुछ भी हैं''**, तथा **''बिना समर्थन के आधार पर''** वसुली की कुल राशिरू. **1,85,91,877 /- (रुपए एक करोड़ पचासी लाख इक्यानवे हजार आठ सौ सत्तहत्तर मात्र)** ऋण खाता नं. **S033OOX (**पहले लोन खाता नं. **HHLROH00371240) (पुराना खाता नं) के लिए 22.09.2020 तक बकाया मूलधन, बकाया (विलंब शुल्क के समेत)** और ब्याज ऋण समझौत तथा अन्य सम्बन्धित ऋण दस्तावेजों के संदर्भ में लागू भावी ब्याज तथा कानूनि व्यय और अन्य खर्चो के साथ **23.09.2020** से प्रभावी जो **सुधीर पाल सिंह @ सुधीर पाल, पायनियर नर्सरी, सनी,स्टार इरीगेशन सिस्टम एन्ड इक्विपमेंट (उनके पार्टनर द्वारा) और क्रिएटीव एग्रीटेक, शिवम शर्मा (गॅरेन्टर) के साथ** पर सुरक्षित लेनदार द्वारा बकाया है की वसूली के लिए बेचा जाएगा।

अंतर्निहित सुरक्षा के साथ पुराना ऋण खाता साथ ही, अन्य बातों के साथ जिसकें सुरक्षित संपत्ति (या)शामील है को असाइनमेंट दिनांक 30.09.2019 को इंडियाबुल्स एआरसी-X ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में सुरक्षित लेनदार को अपनी क्षमता के अनुसार सौंपा गया है।

अचल संपत्ति (यों) की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य रू. **1,20,00,000/ - (रुपए एक करोड़ बीस लाख मात्र)** होगा और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट **रू.12,00,000/ -(रुपए बारह लाख मात्र)** यानि आरक्षित मूल्य का **10%** (दस प्रतिशत) होगा और यह **DD/RTGS/NEFT** या अन्य किसी उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से ऑनलाईन टेंडर जमा करने से पहले **''इंडियाबुल्स एआरसी X ट्रस्ट ''**, खाता नं.**919020074959030, अॅक्सीस बैंक लिमिटेड के साथ** IFSC: **UTIB0000131, जी. एल.5,6,7 और 8, ग्राउन्ड फ्लोर, क्रोस पॉइंट, फेज़ IV डीएलएफ कुतुब एनक्लेव कॉम्पलेक्स, गुरुग्राम -122009 (हरियाणा)** शाखा, के नाम देय होगा और सफल बोलीदाता बोली के समय स्वीकृती पर बिक्री मूल्य राशि का 25% (निविदा जमा करने से पहले दिए गए आरक्षित मूल्य का 10% राशि को कम करके)का भुगतान करेगा यानि उसी दिन या उसके अगले कार्य दिवस के बाद नही होगा। अचल संपत्ति की बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनो के भितर बिक्री मुल्य का बकाया 75% जमा कराना होगा।

अचल संपत्ति (यों) का वर्णन

म्युनीसीपल कॉर्पोरेशन संपत्ति नं.16C3U263 के सभी भाग और खंड (मापित 900 स्के.यार्डस), कबीर कॉलोनी / पीर कॉलोनी में स्थित, खेवत नं. 1654 (पुराना खेवत नं.1472), खतौनी नं.2232 और 2233 (पुराना खतौनी नं. 2136, 2137), खसरा नं. 6795 एमआइएन (2-17), 6795(1-13) (मापित 4 बीघा 10 बीश्वा),रोहतक -124001, (हरियाणा)
निम्ननुंसार परिबद्ध है:

पूर्व : 12 फीट चौडा रोड (61 फीट)
पश्चिम : मेन जींद रोड और मदी सैयद (52 फीट + 8 फीट)
उत्तर : विकास और मदी सैयद की संपत्ति (79 फीट + 61 फीट)
दक्षिण : दर्शन सिंह की जमीन (145 फीट)

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तो के लिए कृपया सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट में दिए गए लिंक यानि www.indiabullsarc.com और www.eauction.npasource.com. का संदर्भ ले

दिनांक: 25.09.2020
स्थान : रोहतक

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
इंडियाबुल्स -एआरसी-X ट्रस्ट के ट्रस्टी

दिव्यांगों के हित में खास कदम उठाने की जरूरत : डा. जीतेंद्र

कोरोना संकट काल में ऐसा करना बताया जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लॉकडाउन के दौरान गुरुग्राम एवं दिल्ली-एनसीआर के सेंकड़ों दिव्यांगजनों के कौशल विकास एवं उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय रहने वाले सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट ने कोरोना के कारण दिव्यांगजनों के समक्ष आई समस्याओं पर विमर्श करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय हस्तियों का ध्यान इस ओर आकर्षित करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया। इसमें ट्रस्ट के फाउंडर सीईओ डॉ. जीतेंद्र अग्रवाल ने कहा कि कोरोना के कारण लगी पाबंदियों में छोटी-छोटी दुकान चलाने एवं असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे बहुत से दिव्यांगों की आजीविका पर दुष्प्रभाव पड़ा। इस वेबिनार का लक्ष्य उनकी समस्याओं को समझना और उनके हित में जरूरी कदम उठाना है। वर्क फ्रॉम होम, सीएसआर एवं इनोवेशन व टेक्नोलॉजी में दिव्यांगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाना चाहिए। सार्थक ने लॉकडाउन के दौरान ऐसे 350 से ज्यादा बच्चों के लिए ऑनलाइन थैरेपी सेशन, 2500 से ज्यादा दिव्यांगों के कौशल विकास एवं 800 से ज्यादा दिव्यांगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया।

कोरोना संक्रमितों की मृत्यु दर आंकड़े में आई गिरावट

मृत्यु दर घटकर रह गई है 0.85 प्रतिशत

गुरुग्राम जिला प्रति मिलियन कोरोना टेस्टिंग में प्रदेश में पहले नंबर पर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

जिला में कोरोना संक्रमित मरीजों के मृत्यु दर के आंकड़े में गिरावट दर्ज की गई है। अब जिला में कोरोना की वजह से होने वाली मृत्यु की दर घटकर 0.85 प्रतिशत हो गई है। जिला में कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन टेस्टिंग व ट्रेसिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि स्वस्थ लोगों तक यह संक्रमण ना फैले। ऐसे मरीजों की समय रहते पहचान होने से कोरोना संक्रमण को समय रहते रोकने में मदद मिलती है। गुरुग्राम जिला प्रति मिलियन टेस्टिंग में प्रदेश में पहले नंबर पर है। यहां पर 1 लाख 67 हजार 660 टैस्ट प्रति मिलियन किए गए हैं। जिला में इस अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में एंटीजन टेस्टिंग किट के माध्यम से भी टेस्टिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। जिन लोगों में कोरोना संक्रमण के लक्षण होते हैं, वे इन कैंप में जाकर नि:शुल्क अपना टेस्ट करवा सकते हैं। जिला में टेस्टिंग के लिए क्षेत्रवार शेड्यूल तैयार किया गया है। अब तक जिला में लगभग 828 टेस्टिंग कैंप विभिन्न स्थानों पर लगाए जा चुके हैं और कैंप लगाने का सिलसिला अभी जारी है। इसके अलावा व्यक्ति नागरिक अस्पताल में जाकर भी आरटी-पीसीआर विधि से भी अपना टेस्ट करवा सकते हैं।

जिला उपायुक्त अमित खत्री के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग तथा जिलावासियों के सहयोग के चलते अब लोगों में कोरोना को लेकर जागरुकता भी बढ़ी है। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना से बचाव को लेकर आवश्यक जानकारी भी लोगों से सांझा की जा रही है। इसके अलावा कोरोना संक्रमित मरीजों का भी होम आइसोलेशन को लेकर विश्वास पहले की अपेक्षा बढ़ा है। अब लोग होम आइसोलेशन में रहकर भी ठीक हो रहे हैं।

लोगों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास

सिविल सर्जन डा. वीरेन्द्र यादव ने बताया कि हमारा प्रयास है कि लोगों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएं और उनमें कोरोना संक्रमण के बचाव उपायों के बारे में जागरूकता बढ़े। इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सेवा तथा समपज़्ण भाव से कार्य करते हुए लोगों को जरूरत अनुसार उनके घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

50 केंद्रों पर होगी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज प्रारंभिक परीक्षा

गुरुग्राम में यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की प्रारंभिक परीक्षा 4 अक्टूबर को

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में यूपीएससी की सिविल सर्विसिज प्रारंभिक परीक्षा को लेकर बैठक में मौजूद अधिकारी।

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विसिज प्रारंभिक परीक्षा 4 अक्टूबर को होने जा रही है। इस परीक्षा के लिए गुरुग्राम में 50 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिन पर इस बार लगभग 17 हजार 109 उम्मीदवार परीक्षा देंगे। इस परीक्षा को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा ड्यूटी ऑफिसर लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए जिला में अलग से एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इस परीक्षा को शन्तिपूर्ण और सुनियोजित ढंग से आयोजित करने के लिए उपायुक्त अमित खत्री ने विद्यालयों के प्राचार्यों, ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, सुपरवाइजरों आदि की संयुक्त बैठक बुलाई, जिसमें उन्हें परीक्षा आयोजन के संबंध में हिदायतें दी गई। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी।

प्रथम सत्र प्रात: 9:30 बजे से 11:30 बजे तक का होगा जबकि दूसरा सत्र दोपहर बाद 2:30 बजे से 4:30 बजे तक का होगा। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात होने वाले सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण संबंधी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि निशक्त परीक्षार्थी को प्रत्येक पेपर में 20 मिनट प्रति घंटा के हिसाब से अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस बार 48 दिव्यांग उम्मीदवार गुरुग्राम में परीक्षा देंगे, जिनके लिए द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय में अलग से एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते परीक्षा केंद्रों पर सामाजिक दूरी का पालन सुनिश्चित किया जा सके, इसके लिए इस बार उम्मीदवारों के लिए परीक्षा केन्द्र पर एक घंटा पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के एंट्री गेट समय से एक घंटा पहले खोल दिए जाएंगे। परीक्षा शुरू होने से 10 मिनट पहले इन गेटो को बंद कर दिया जाएगा, जिसके बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मास्क पहनना और सामाजिक दूरी जरूरी

अतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत पवार ने बताया कि कोरोना को ध्यान में रखते हुए इस बार परीक्षा के आयोजन में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। सभी परीक्षार्थियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है। परीक्षा से 1 दिन पहले यानि 3 अक्टूबर को पूरे केंद्र को सेनीटाइज किया जाएगा। उम्मीदवार अपने साथ सैनिटाइजर ला सकते हैं, लेकिन सैनिटाइजर की बोतल पारदर्शी होनी चाहिए।

सरकार के जन विरोधी निर्णयों के खिलाफ ट्रेड यूनियन : श्रवण कुमार

गुरुग्राम। केंद्र व राज्य सरकार एक पर एक मजदूर कर्मचारी विरोधी नीतियां और निर्णय लेती ही जा रही हैं। सार्वजनिक या सरकारी उद्यमों, उपक्रमों व सेवाओं का निजीकरण-निगमीकरण कर रही हैं।

रेलवे, बैंक, बीमा, कोयला, बिजली, प्रतिरक्षा, पेट्रोलियम, बीएसएनएल (दूरसंचार), स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों को देसी-विदेशी पूंजीपतियों के लिए खोल दिया है। यह कहना है ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर के जिला सचिव श्रवण कुमार का।

श्रवण कुमार ने कहा किबड़े कष्टों और संघर्षों से हासिल किए जनवादी अधिकारों व ट्रेड यूनियन अधिकारों को छीन कर सरकार श्रमिकों को निहत्थे कर रही है। यह मजदूरों का निर्मम शोषण और छंटनी करने यानी हायर एण्ड फायर की मनमानी करने का अधिकार मालिकों को दे रही है। एआईयूटीयूसी ने एक से सात अक्टूबर तक लगातार एक सप्ताह तक प्रतिवादी आंदोलन चलाने का ऐलान किया है। इसके तहत एक अक्टूबर को रेलवे व अन्य सरकारी क्षेत्र के निजीकरण के खिलाफ, दो अक्टूबर को भवन निर्माण, मनरेगा सहित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की मांगों पर, तीन अक्टूबर को स्कीम वर्करों की मांगों पर, चार अक्टूबर को प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए, पांच अक्टूबर को बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों के निजीकरण के विरोध में, छह अक्टूबर को बिजली, कोयला, पेट्रोलियम, स्टील व अन्य सार्वजनिक उद्यमों, उपक्रमों व सेवाओं के निजीकरण के खिलाफ और सात अक्टूबर को श्रम कानूनों में मालिक-परस्त संशोधन कर चार लेबर कोड लाने के खिलाफ व काम के अधिकार के लिए आवाज बुलंद की जाएगी।

ड्रग कंट्रोलर ने दो केमिस्ट पर मारा छापा, अभियान जारी रहेगा

तावडू के सिंगला मेडिकल स्टोर की जांच करते ड्रग कंट्रोलर दिनेश कुमार।

तावडू। नशीली दवाई बेचने की गुप्त सूचना पर ड्रग कंटोलर नूंह ने शहर के दो केमिस्ट के यहां छापेमारी की। कार्रवाई के बाद ड्रग कंट्रोलर ने बताया कि यहां से उन्हें ऐसी कोई दवाई नहीं मिली है। जिले में उनका ये अभियान अभी जारी रहेगा।

ड्रग कंट्रोलर दिनेश कुमार के मुताबिक गुप्ता सूचना के आधार पर उन्होंने तावडू के सिंगला व दीक्षा मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की है। सूचना यह थी कि इन मेडिकल स्टोर्स पर नशीली दवाइयों की बिक्री की जाती है। छापेमारी में काफी देर तक छानबीन की गई है, लेकिन दोनों मेडिकल स्टोर्स से ऐसी कोई दवाई बरामद नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जिला उपायुक्त नूंह धीरेंद्र खड़गटा के आदेश हैं कि जिले में अगर कोई भी व्यक्ति चोरी छुपे नशे का कारोबार करता है या कोई भी केमिस्ट नशीली दवाइयों को बेचता है तो उसकी गुप्त रूप से डिटेल जुटा पर उस पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। बस उनके इन्हीं आदेशों को मूर्तरूप देते हुए औषधि नियंत्रण विभाग ने यह कार्रवाई की है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि नूंह जिले से 25 विभिन्न कंपनियों के सेनिटाइजरों के सेंपल लैब में भेजे गए, लेकिन इनमें से एक भी सेंपल फेल नहीं हुआ है। इस मौके पर उनके साथ शहरी थाना प्रभारी ओमबीर सिंह भी पुलिस टीम के साथ मौजूद थे।

डाबोदा गांव में 8वां रक्तदान शिविर आज

गुरुग्राम। कोरोना महामारी काल से लगातार समाजसेवा में जुटे नवकल्प फाउंडेशन की ओर से कल मंगलवार 29 सितम्बर को 8वां रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। जिले के गांव डाबोदा में ग्राम पंचायत के साथ मिलकर नवकल्प व रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव साउथ सिटी द्वारा शिविर में सहयोग दिया जा रहा है। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक का है। थैलीसीमिया के मरीजों के लिए नवकल्प फाउंडेशन रक्तदान शिविर लगातार लगाता आ रहा है। गुरुग्राम शहर के अलावा बाहर गांवों, कस्बों में भी संस्था द्वारा शिविर लगाए जा रहे हैं। नवकल्प फाउंडेशन के महासचिव डॉ. सुनील आर्य व डाबोदा गांव की सरपंच नीता यादव और समाजसेवी लक्ष्मण सिंह ने ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों से आग्रह किया है कि इस रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। रक्तदान महादान है। किसी का जीवन बचाने को हमें अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए।

फाजिलपुर में रैली निकाल पोषण के प्रति किया जागरूक

आंगनबाड़ी वर्कर, हेल्पर ने बच्चों के साथ निकाली रैली

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव फाजिलपुर में पोषण के लिए जागरुकता रैली निकालती आंगनबाड़ी वर्कर, हेल्पर व बच्चे।

पोषण के प्रति जागरुकता फैलाने को यहां फाजिलपुर गांव में आंगनबाड़ी वर्कर, हेल्पर की ओर से रैली निकाली गई। इस रैली में बच्चों को भी शामिल किया गया और सही पोषण देश रोशन के नारे लगाए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देश पर निकाली गई रैली का नेतृत्व कर रही फाजिलपुर गांव की आंगनबाड़ी वर्कर सरोज यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चों को सही पोषण देकर ही देश के बेहतर भविष्य को तैयार किया जा सकता है। महिलाओं को गर्भवती होने के साथ ही उन्हें उचित मात्रा में पोषक पदार्थ दिए जाने चाहिए। ये उनकी सेहत के लिए बहुत ही जरूरी हैं। सरोज यादव ने कहा कि आज देश में लाखों कुपोषित बच्चे इसलिए हैं कि उनके जन्म से पूर्व उनकी माताओं को भरपूर मात्रा में पोषण नहीं मिला। हमें स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए महिलाओं की सेहत का ख्याल रखना चाहिए। महिलाएं सुरक्षित तो जीवन सुरक्षित और जीवन सुरक्षित तो पूरा समाज सुरक्षित रहेगा।आंगनबाड़ी वर्कर संगीता ने कहा कि सरकार का हमेशा यही प्रयास रहता है कि महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से बचाया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए मां और बच्चों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं के लिए सुविधाएं दी जाती हैं। बचपन को बेहतर बनाने के लिए आंगनबाड़ी का अहम रोल होता है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि महिलाओं को उचित मात्रा में पोषण दें, ताकि वे अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकें। इस मौके पर हेल्पर शीला, रेखा समेत काफी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

बारूद के ढेर पर है सोहना की 25 हजार की आबादी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना शहर का करीब 25 हजार की आबादी वाला क्षेत्र बारूद के ढेर पर है। शहर के अंदर बाजारों में तथा रिहायशी क्षेत्र में जलनशील, विस्फोटक और आतिशीबाजी के गोदाम बने हैं। ऐसे गोदामों में आगजनी या विस्फोट की घटना घटित होने से लोगों जान ले सकती है। सोहना बाजारों से लेकर आबादी क्षेत्र में पेंट, इंवेटर बैट्री, रसोई गैस की कालाबाजारी करने के लिए गेस सिलेंडर के गोदाम बने हुए हैं।

गोदाम चलाने वालों के पास न तो सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम है। न ही ऐसे दुकानदार व बड़े व्यापारियों ने प्रशासन से लाइसेंस लिए हुए हैं। इंवेटर बैट्रियों के गोदामों और पेंट की दुकानों पर भी सुरक्षा के कोई प्रबंध नहीं हैं। पेंट के साथ-साथ दुकानदारों ने जलनशील तेल की कैनों के भंडार बनाए हुए हैं। जो पेंट के साथ-साथ बिकते हैं। इसी प्रकार से रसोई गैस पर कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों ने भी अपनी दुकान और दुकान के साथ बने मकानों में सिलेंडरों के गोदाम बनाए हुए हैं। जो छोटे सिलेंडरों में ग्राहकों को भरकर बेचते हैं। दुकानदार अपनी दुकान के अंदर या दुकान के सामने सरेआम छोटे सिलेंडरों में भरकर देते हैं। ऐसे में विस्फोट होने का पूरा-पूरा खतरा बना हुआ है। शहर की आबादी क्षेत्र के अंदर ही आतिशबाजी के गोदाम घरों में बनाए हुए हैं।

बीच बाजार में दुकानों पर सरेआम भरे जा रहे हैं बडों से छोटे एलपीजी सिलेंडर

जांच और शिंकजा कसने की मांग

शहरवासी ऐसे विस्फोटक गोदामों को आबादी के क्षेत्र से बाहर निकालने की मांग कर रहे है। पंकज का कहना है कि संबंधित विभाग के अधिकारी ऐसे गोदामों की पड़ताल करे और उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए मामले दर्ज कराएं। ऐसे दुकानदारों को लाइसेंस लेने के लिए बाधित किया जाए। विस्फोटक और जलनशील पदार्थो की दुकान व गोदाम आबादी क्षेत्र से बाहर ही बनाने की अनुमति प्रदान की जाए।

मई 2018 की घटना रौंगटे खड़े कर देती है

शहरवासी आज तक मई 2018 में शहर के अंदर घटित हुई आगजनी की घटना नहीं भूले हैं आज भी याद करते हैं तो यह घटना रौंगटे खड़े कर देती है। जिसमें घर के अंदर रखा पेंट और तारपिन के तेल में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। जिसमें मकान मालिक की पत्नी सहित घर में काम कर रहे कारपेंटर की आग में दम घुटने से मौत हो गई थी।

जल्द की जाएगी जांच

फुट सप्लाई इंस्पेक्टर उमेश सिंह ने बताया कि आबादी क्षेत्र में ऐसे विस्फोटक सामग्री लेकर बैठें दुकानदारों के पर शिंकजा कसा जाएगा। जिनके लाइसेंस की जांच करने के साथ-साथ दुकान व गोदामों में सुरक्षा के इंतजामों की जांच होगी। दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

महंगी शराब का लेबल लगा कर करते थे अवैध सप्लाई

अपराध शाखा मानेसर पुलिस ने दो आरोपियों को किया है गिरफ्तार

गुरुग्राम। सस्ती शराब पर महंगी शराब का लेबल लगाकर अवैध रूप से सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को अपराध शाखा मानेसर की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मंहगी शराब के फर्जी लेबल बनवाकर जिन पर फॉर सेल सीएसडी ओनली लिखावाकर अवैध रूप में गुरुग्राम में सप्लाई करते थे।

अपराध शाखा प्रभारी मानेसर उप-निरीक्षक अमित कुमार की पुलिस टीम को अपने गुप्त सुत्रों के माध्यम से अवैध सस्ती शराब पर महंगें लेबल लगाकर गुरुग्राम में अवैध रूप से सप्लाई होने के बारे में सूचना मिली। इस सूचना पर पुलिस टीम तैयार की और कानून की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए पुलिस की छापेमारी टीम सूचना में बताए गए स्थान एसएस वाटिका सूरत नगर फेस-2 गुरुग्राम में पहुंची। जहां पर एक गोदाम में शराब की पेटियां रखी हुई मिली। पुलिस टीम द्वारा वहां से दो युवकों को काबू करके उनसे वहां पर रखी शराब में बारे में वैध कागजात व परमिट मांगे तो वो पुलिस टीम को कोई भी कागजात पेश नहीं कर सके। दोनों आरोपी यूपी के रहने वाले हैं। दोनों के नाम अनिरुद्ध पुत्र सुरेन्द्र निवासी लक्ष्मीखेड़ा, जिला उन्नाव यूपी, प्रेम पुत्र श्रीपाल निवासी काजीपुर, जिला हरदोई, उत्तर-प्रदेश हैं। आरोपियों के कब्जा से अवैध शराब बरामद होने पर आरोपियों के खिलाफ थाना राजेन्द्रा पार्क गुरुग्राम में एक्साईज एक्ट की सम्बन्धित धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया। दोनों आरोपियों को अभियोग में नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में हुआ ये खुलासा: आरोपियों से पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि ये यहां गोदाम पर अधिक मुनाफा कमाने के लिए सस्ती शराब की बोतलों पर महंगी शराब के लेबल लगाकर गुरुग्राम में अवैध रूप से सप्लाई करते हैं।

एटीएम कार्ड से ठगी करने वाले गिरफ्तार

पलवल। पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव टीम ने तीन ऐसे शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर रुपयों की चपत लगा देते थे। प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने तीन वारदातों का खुलासा किया है। गहन पूछताछ के लिए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

डिटेक्टिव टीम इंचार्ज विश्व गौरव के अनुसार उनकी टीम जिसमें हैड कांस्टेबल अजीत, सिपाही अमित कुमार, संजय कुमार व सरकारी गाड़ी चालक लुकमान 27 सितंबर की रात को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर गश्त पर मौजूद थे। उसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर चपत लगाने वाले तीन आरोपी हाईवे पर केएमपी पुल के नीचे मौजूद हैं। दबिश देकर तीनों आरोपियों को काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम गौरखां निवासी मुढीबास थाना लुहिंगा पुन्हना, रहीश व जमशेद निवासी पिपरोली पुन्हाना बताया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस पर आरोपियों को हिरासत में लेकर छोड़ने का आरोप

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत गांव जोरासी में युवक की हत्या के मामले में पीड़ित परिजनों ने पुलिस पर मामले में शामिल आरोपियों को हिरासत में लेकर छोड़ने का आरोप लगाया है। सोमवार को गुस्साए परिजन बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ तावडू सदर थाने में पहुंचे और पुलिस के सामने रोष प्रकट कर आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। गांव जोरासी निवासी कृपाल सिंह, जगमाल सिंह, पूर्व सरपंच धर्मपाल, अनिल, करतार, खजान सिंह, प्रह्लाद, संतोष, माया देवी व कृष्णा ने बताया कि गत 23 सितंबर की रात को रोहित पुत्र बलवंत सिंह निवासी जौरासी की हुई हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। ग्रामीणों का आरोप है कि हत्या का मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया था। लेकिन पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर छोड़ दिया। सोमवार को मृतक युवक के परिजन ग्रामीणों के साथ मिलकर तावडू सदर थाना प्रभारी बलदेव और डीएसपी सुरेंद्र सिंह से मिलने पहुंचे। इस मामले में तावडू सदर थाना प्रभारी बलदेव सिंह ने पुलिस द्वारा आरोपियों को हिरासत में लेकर छोड़ने के आरोप को बेबुनियाद बताया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में गहनता से जांच कर रही है। बता दें कि गत 23 सितंबर की देर रात रोहित पुत्र बलवंत निवासी जौरासी के परिजनों को उस समय मौत की खबर मिली जब वह खेतों में काम करने गया था। जिसके बाद मृतक रोहित के पिता बलवंत की शिकायत पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

युवा संगठन ने मनाया शहीद भगत सिंह का जन्मोत्सव

तावडू। युवा संगठन द्वारा सोमवार को शहीद भगत सिंह की जयंती मनाई गई। इस दौरान युवाओं ने शहीद भगत सिंह अमर रहे, भारत माता की जय का गगनभेदी उद्घोष भी किया। युवा संगठन तावडू के अध्यक्ष भूपेश कुमार, सुशील सहरावत, मास्टर राजेश सहरावत, भोले सहरावत, सोमबीर, प्रमोद, मनीष, अक्षय, विजेंद्र जोनवाल, रंजीत, अनिल, सिद्धार्थ, गौरव, सौरभ, दिनेश के अलावा कई अन्य युवाओं ने राष्ट्रनायकों का उद्घोष कर उनका स्मरण किया तथा उनके पथ पर चलने का संकल्प लिया। युवाओं ने शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, वीर सावरकर, अशफाक उल्ला खां, खुदीराम बोस अमर रहे, वंदे मातरम् का गगनभेदी उद्घोष किया। इस दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष भूपेश कुमार ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जीवन राष्ट्रभक्ति का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रपुरूषों के जीवन को मूर्तरूप देना ही उन्हें नमन करना है। उन्होंने कहा कि शहीदों के स्मरण से भावी पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलती है। 23 वर्ष की आयु में शहीद भगत सिंह ने राष्ट्र रक्षार्थ अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। वहीं शहीद भगत सिंह स्कूल के संचालक मास्टर राजेश सहरावत ने शहीद भगत सिंह के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए।

कागजों में चल रहे कंटेनमेंट जोन, हकीकत में नहीं कोई प्रबंध

सोहना। सोहना में कागजों पर चल रहे हैं कंटेनमेंट जोन। जबकि कंटेनमेंट जोन में सुरक्षा की दृष्टि से न बैरिकेडिंग, न ही आइसोलेट कोरोना संक्रमितों के घरों से बाहर निकलने पर पाबंदी है। कोरोना संक्रमित बाजार से घरेलू सामान खरीदने से लेकर अपने जरूरत के कार्यों को करने में जुटे हैं। सोहना शहरी क्षेत्र में कोरोना के करीब 35 मामले हैं। जिनको लेकर प्रशासन की तरफ से शहर में पांच कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। जिसमें न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, डिफेंस कॉलोनी, ठाकुरवाड़ा, शिव कॉलोनी व बनियावाड़ा शामिल है, लेकिन कंटेनमेंट जोन शहर में मजाक बनकर रह गए हैं। जहां पर बैरिकेडिंग तो दूर कोरोना संक्रमितों को प्रशासनिक अधिकारी घरों के अंदर आइसोलेट तक नहीं करा पा रहे हैं। जबकि कंटेनमेंट जोन के आस-पास क्षेत्र को बफर जोन बनाने का नियम साथ-साथ लागू होता है। भूपेन्द्र का कहना है कि कंटेनमेंट जोन को हकीकत का रूप देना होगा। ताकि कोरोना संक्रमित अन्य लोगों तक न पहुंच सके। वह अपने घर में रहकर उक्त बीमारी से मुक्त हो सके। मुकेश का कहना है कि कोरोना संक्रमित अपने आप से भी सुरक्षा के नियम नहीं अपना रहे हैं। जो घर में बैठकर किराना की दुकान चला रहे हैं। दुकानदारी के दौरान कोरोना संक्रमित अन्य लोगों को भी यह बीमारी फ्री में बांट रहे हैं। इस संबंध में नाडॅल अधिकारी नगरपरिषद के एक्सईएन अजय पंगाल ने भी कोई जानकारी नहीं दी। जबकि नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि उन्होंने नगर परिषद के एक्सईएन व कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर कंटेनमेंट जोन में बैरिकेडिंग करने के लिए कह दिया गया है।

घाटी में हाइवा डंपर कार से भिड़ा, ऑटो पलटने से एक की मौत

सोहना। सोहना घाटी से उतरते समय बेकाबू हाइवा डंपर की टक्कर से एक के बाद एक तीन वाहन आपस में भिड़ने से एक की मौत हो और दो घायल हो गए। घायलों को नागरिक अस्पताल से गुरुग्राम के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। सोमवार सुबह ग्यारह बजे सोहना घाटी में उतरते समय हाइवा डंपर बेकाबू हो गया। डंपर ने सामने जा रही कार को टक्कर मार दी। कार सामने चल रहे सवारियों से भरे ऑटो से जा टकराई। ऑटो पलटने से एक युवक की मौत हो गई और दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। जिनकी पहचान जयदेव पुत्र राकेश उम्र 20 वर्ष निवासी तावडू जिला नूंह तथा मंजे कुमार पुत्र अयोग्य यादव निवासी बिहार उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। जब हाइसे में मरने वाला युवक की पहचान आशीश पुत्र शिव कुमार निवासी गांव पृथला जिला पलवल उम्र 20 के रूप में हुई है। जो अपनी बुआ के घर से दवाइया लेने के बाद घर आ रहा था। ऑटो में सवार चालक समेत अन्य यात्री सुरक्षित बच गए। एएसआई कश्मीर सिंह ने बतायास कि मृतक आशीष का शव पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पिता की शिकायत पर आरोपी हाइवा डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

जयंती पर युवाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया

पलवल। शहीद भगत सिंह जयंती के अवसर पर गांव किठवाड़ी में 1600 मीटर दौड़ व 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए 800 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता में गांव के युवकों ने दौड़ में काफी उत्साह दिखाया। 1600 मीटर की दौड़ में गांव के ही हेमराज दलाल ने सबको पीछे छोड़ दिया व प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि दूसरा स्थान गांव के ही कपिल ने हासिल किया। तीसरा स्थान बसंतगढ़ के राहुल ने हासिल किया। 800 मीटर की दौड़ में सबको पीछे छोड़ते हुए निशांत रावत ने पहला स्थान हासिल किया। दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन केशव रावत के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर गांव के बुजुर्ग चौधरी वीरसिंह दलाल, चौधरी जगबीर सिंह व केशव रावत ने मिलकर विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उनका परिचय लिया। गांव के युवा केशव रावत ने कहा कि युवाओं को शहीद-ए-आजम भगत सिंह के विचारों के बारे में पढ़ना चाहिए। इस मौके पर फते नंबरदार, जस्सी दलाल हेमराज दलाल, जगत सिंह दलाल, विपिन दलाल, दिनेश दलाल, इंद्रपाल दलाल, वीरसिंह, दीपक दलाल, नीरज दलाल, मणिकांत दलाल व युवा आगाज़ संगठन से दिनेश रावत मौजूद रहे।

पायनियर
हरियाणा, मंगलवार 29 सितंबर, 2020

दहेज पीड़िता को पति के घर में रखने और खर्चा दिलवाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

हरसाना की विवाहिता ने अपने पति पर मारपीट करके तीन बच्चों समेत घर से निकालने का आरोप लगाते हुए शिकायत हरियाणा राज्य महिला आयोग को दी है। इस मामले की सुनवाई करते हुए आयोग की सदस्य सोनिया अग्रवाल ने पीड़ित महिला को पति के घर में रहने व खर्चा दिलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दोनों पक्षों में आपसी सहमति स्थापित करने के लिए 8 अक्टूबर को मामले की अगली सुनवाई की तारीख भी दी है। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य सोनिया अग्रवाल ने बताया कि

दहेज मांगने और मारपीट कर बच्चों सहित घर से निकालने के मामले में आयोग सदस्य हुईं गंभीर

दो विवाहित महिलाओं ने आयोग को दहेज के लिए तंग करने व मारपीट कर घर से निकालने की शिकायत दी है। इन दोनों मामलों की आज पुलिस थाना खरखौदा में सुनवाई की गई। पहला मामला हरसाना की मूल निवासी का है। हरसाना की बेटी ने आयोग को दी शिकायत में बताया कि

थाने में शिकायतों पर कार्रवाई करतीं महिला आयोग की सदस्य सोनिया अग्रवाल।

उसका घर (ससुराल) सेक्टर-23 में है। जहां वह अपने तीन बच्चों व पति के साथ रह रही थी। उनका पति पहले तलाकशुदा है। पहली पत्नी से कोई संतान नहीं है। पति उन्हें दहेज के लिए परेशान करता है और मारपीट करता रहता है। कुछ समय पहले पति ने उन्हें तीनों बच्चों के साथ घर से निकाल दिया, जिसके चलते वे अपनी माता के घर में रह रही हैं। मामले की सुनवाई करते हुए आयोग की सदस्य ने दोनों पक्षों में आपसी सहमति से घर बसाने की पुरजोर कोशिश की। किंतु यह संभव नहीं हुआ। शिकायतकर्ता महिला अपने पति के घर में ही रहना चाहती है। इसलिए सुनवाईकर्ता ने संबंधित जांच अधिकारी एएसआई ऊषा को निर्देश दिए कि वे प्रोटेक्शन अधिकारी से मिलकर महिला को उनके पति के घर में रहने व खर्चा दिलवाने की व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने मामले के समाधान के लिए 8 अक्तूबर की अगली तारीख निर्धारित की। दूसरा मामला खरखौदा की बेटी का है। खरखौदा की रहने वाली युवती की शादी जींद में हो रखी है और उनकी तीन वर्ष की पुत्री भी है। शिकायतकर्ता महिला ने आयोग को दी शिकायत में पति पर दहेज के लिए परेशान करने व बुरी तरह से मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले में आरोपी व्यक्ति (पीड़िता का पति) पुलिस थाना में सुनवाई के लिए हाजिर नहीं हुआ। आयोग की सदस्य सोनिया अग्रवाल ने कहा कि आरोपी एक संस्थान में शिक्षक के रूप में कार्यरत है। इस मामले की जांच अधिकारी सुमन है, जिन्हें आयोग की सदस्य ने निर्देश दिए कि आरोपी व्यक्ति को आगामी दिवस (29 सितंबर) को ही पुलिस थाना खरखौदा में पेश किया जाए।

अभिभावकों का अब स्कूलों के खिलाफ हल्ला बोल आंदोलन

स्कूल से नाम काटने पर स्कूल संचालकों के घरों के बाहर होगा हल्ला बोल : विमल किशोर

ऑनलाइन पढ़ाई बंद करने पर भी प्राइवेट स्कूल संचालकों के घर होगा हल्ला बोल

रणवीर सिंह। सोनीपत

कोरोना काल के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे अभिभावकों द्वारा फीस जमा न कराने के कारण निजी स्कूलों द्वारा बच्चों के नाम काटने व कोरोना काल में फीस न भर पाने वाले अभिभावकों के बच्चों की फीस माफ करवाने, बिना फीस भरे एसएलसी दिलवाने या फिर बिना एसएलसी सरकारी स्कूल में दाखिला दिलवाने को लेकर छात्र अभिभावक संघ के दर्जनों सदस्यों ने छात्र अभिभावक संघ के संयोजक विमल किशोर तथा सोनीपत विकास मंच के चेयरमैन अनिल गुप्ता के नेतृत्व में डीसी की

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते अभिभावक संघ के पदाधिकारी।

अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से छात्र अभिभावक संघ के सदस्यों ने डीसी से कहा कि कोरोना काल के कारण काफी अभिभावकों का रोजगार समाप्त हो गया। छात्र अभिभावक संघ के संयोजक विमल किशोर ने चेतावनी देते हुए कहा कि निकाले गए बच्चों को शीघ्र वापस दाखिला देकर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू न कराई और भविष्य में किसी भी बच्चे का स्कूल से नाम काटा या उनकी ऑनलाइन पढ़ाई बंद की गई तो मजबूरी में छात्र अभिभावक संघ के सदस्य स्कूल संचालकों के घरों के बाहर हल्ला बोलेंगे। जिसकी जिम्मेवारी स्कूल संचालकों तथा प्रशासन की होगी।

इस मौके पर प्रवेश कुमारी, सुषमा, नेहा, चंद्रसेन, प्रेम गौतम, अमित, राजेश, आशीष गांधी, प्रतीक, महेंद्र कुमार, हरिओम शर्मा, वेद प्रकाश, अजय, पवन, सागर, रोशन लाल आदि दर्जनों अभिभावक मौजूद रहे।

सरकार ने भी पीछे खींच लिए एसएलसी दिलवाने से कदम

आर्थिक संकट के कारण अभिभावक अपने बच्चों की फीस जमा नहीं करवा पाए। जिसके बाद निजी स्कूल संचालकों ने उनके बच्चों के नाम काट दिए और ऑनलाइन पढ़ाई बंद कर दी। अब अभिभावक बहुत परेशान हैं, वह फीस भरने की स्थिति में नहीं हैं। एक तरफ निजी स्कूल संचालक उन्हें एसएलसी सर्टिफिकेट भी नहीं दे रहे। जिससे वह सरकारी स्कूल में अपने बच्चों का दाखिला करवा सकें। दूसरी तरफ पहले सरकार ने आदेश जारी किए थे कि जो अभिभावक प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को नहीं पढ़ा सकते वह बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला करवा सकते हैं, किंतु सरकार ने वह आदेश भी वापस ले लिए। अब बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला हो नहीं रहा।

बिना एसएलसी प्रशासन सरकारी स्कूलों में कराए दाखिला

प्राइवेट स्कूल वाले पिछले 7 महीने की फीस लिए बिना एसएलसी दे नहीं रहे। आखिर अभिभावक जाएं तो कहां जाएं। छात्र अभिभावक संघ ने ज्ञापन के माध्यम से डीसी से अपील की कि आर्थिक संकट से जूझ रहे अभिभावकों के बच्चों की फीस माफ करवाएं। अन्यथा बिना फीस लिए एसएलसी जारी करवाएं, प्रशासन ही बिना एसएलसी के सरकारी स्कूलों में दाखिला देने का प्रावधान करे।

गन्नौर की 53 ग्राम पंचायतों के सरपंच सीटों का तय हुआ आरक्षण

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित की गई 11 ग्राम पंचायतों में चार महिला सरपंच

सोनीपत। एसडीएम सुरेंद्रपाल ने गन्नौर खंड की 53 ग्राम पंचायतों के सरपंच पदों के लिए सीटों को आरक्षित किया है, जिसके तहत अनुसूचित जाति के लिए कुल 11 ग्राम पंचायतें आरक्षित की गई हैं। इनमें चार ग्राम पंचायतों के सरपंच पद अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए आरक्षित किये गये हैं। इसी प्रकार सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 14 ग्राम पंचायतें सुरक्षित रखी गई हैं।

हरियाणा पंचायती राज नियमावली 1994 की धारा 9 व धारा 6 (1) के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए एसडीएम सुरेंद्रपाल ने ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों की सीटें आरक्षित करने की कार्रवाई पूर्ण की है। अनुसूचित जाति के लिए सात ग्राम पंचायतों के सरपंच पद आरक्षित किये गये हैं, जिनमें दातौली, सिटावली, घसोली, आहुलाना, गढ़ी झंझारा तथा बली कुतुबपुर और टेहा को शामिल किया गया है। अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए चार ग्राम पंचायतें सरपंच पद के लिए आरक्षित की गई, जिनमें भोगीपुर, बेगा व उद्देशीपुर और कैलाना सम्मिलित हैं। सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 14 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद आरक्षित किये गये हैं। इनमें जफरपुर, डबरपुर, पुरखास धीरान, खेड़ी तगा, सरढ़ना, मोई, खेड़ी गुर्जर, भादी, पट्टी ब्राह्मणान, अगवानपुर, गढ़ी कलां, शाहपुर तगा व भोरा रसूलपुर और लल्हेड़ी को शामिल किया गया है। एसडीएम सुरेंद्रपाल ने कहा कि शेष 28 ग्राम पंचायतों के सरपंच पद अनारक्षित वर्ग के लिए रखे गए हैं। इनमें पुरखास राठी, दुभेटा, माजरी, समसपुर, तेवड़ी, नया बांस, पांची जाटान, रहमाणा, पीरगढ़ी, बांय, बिलंदपुर, चिरस्मी, गढ़ी गुलामा, खुबड़ू महमूदपुर माजरा, गुमड़, अटायल, बजाना कलां, बजाना खुर्द, बड़ी, भाखरपुर, भांवर, खिजरपुर अहिर, पुगथला, राजलूगढ़ी, सैयाखेड़ा तथा चटिया देवा और शेखपुरा सम्मिलित है।

पांच वार्ड किये गये अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित : एसडीएम सुरेंद्रपाल ने खंड कार्यालय में गन्नौर की जनता के समक्ष पंचायत समिति गन्नौर में सदस्यों के पद के लिए ड्रा ऑफ लॉट व अनुसूचित जाति व पिछड़ी जाति की जनसंख्या के अधिकतम प्रतिशत अनुसार वार्ड आरक्षित किये हैं। गन्नौर में कुल 29 वार्ड हैं, जिनमें से कुल पांच वार्ड अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किये गये हैं।

जिला में अब तक मिले सात हजार से ज्यादा मरीज करोना संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने बताया कि कोरोना महामारी से जिला करनाल में अब तक 7000 हजार से ज्यादा मरीज संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से बहुत से मरीज ऐसे हैं। जिनमें इस महामारी के बहुत कम या कोई भी लक्षण नहीं है।

ऐसे मरीजों को सरकार की हिदायतों अनुसार यदि पात्रता बनती है तो घर पर आईसोलेट किया जाता है। इसी श्रंखला में हरियाणा के स्वास्थ्य एवं ग्रहमंत्री अनिल विज द्वारा संशोधित होम आईसोलेट प्रोटोकाल वीसी के माध्यम से जारी किया गया। इस वीडियो कांफ्रैसिंग में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग राजीव अरोडा, अशोक मीना, मिशन निदेशक, एन.एच.एम., महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा तथा समस्त जिलों के सिविल सर्जनों ने भाग लिया।सिविल सर्जन ने बताया कि जिला में अब तक कोविड-19 के लगभग 4500 मरीज होम आईसोलेट किये जा चुके हैं। इन मरीजों में से लगभग 3800 मरीज पूर्णत: स्वस्थ होकर अपनी होम आईसोलेशन की अवधि समाप्त कर परिवार व समाज मे दोबारा शामिल हो चुके हैं।

जिला करनाल में होम आईसोलेटिड मरीजों को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से एक होम आईसोलेशन किट भी दी जाती है। उन्होंने बताया कि इन मरीजों को प्रतिदिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा दूरभाष द्वारा सम्पर्क करके इनके स्वास्थ्य की जानकारी ली जाती है व मरीज की किसी भी स्वास्थ्य संबधी समस्या का पता लगने पर संबधित प्रभारी से वो जानकारी सांझा की जाती है तथा उचित उपाय किया जाता है। जरूरत पडने पर ऐसे मरीजों को स्वास्थ्य संस्था में शिफ्ट भी किया जाता है।

विपक्षी दल किसानों को बरगला रहे : सुभाष बराला

कहा : किसान विधेयक 2020 से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं पड़ेगा कोई भी फर्क

पीएल वर्मा। कैथल

बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला व विधायक लीला राम ने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान की आय को दोगुणा करने की दिशा में निरंतर कार्य कर किया है। कृषक उत्पाद, व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 को पारित होने से देश के करोड़ों किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब किसान अपनी फसलों को मंडी, खेत और देश के किसी भी कोने में लाभकारी मूल्य पर बेच सकेंगे। इस विधेयक के पारित होने से न तो मंडिया खत्म होंगी और ना ही एमएसपी यानि न्यूनतम समर्थन मूल्य। बराला ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार ने हमेशा किसानों और व्यापारियों के हितों की रक्षा करने का काम किया है और आगे भी निरंतर व्यापारियों और किसानों को कोई भी समस्या नहीं आने दी जाएगी।

कैथल के विश्राम गृह में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए सुभाष बराला व अन्य।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच के चलते किसानों की आय में जबरदस्त इजाफा होगा, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कृषि बिलों से ना तो मंडी खत्म होगी और ना ही एमएसपी खत्म होगा।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और भविष्य में भी सरकार फसलों को एमएसपी पर ही खरीदने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 12 करोड़ किसानों के खाते में 1 लाख करोड़ रुपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जमा करवाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2014 के बाद बाजरा, कपास, मक्का, सुरजमुखी आदि फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम किया है। विपक्षी दल किसानों को बरगलाने का कार्य कर रहे हैं, जोकि किसी भी प्रकार से किसानों के हित में नहीं है। किसान क्रेडिट कार्ड से लेकर किसानों को फसलों के भाव देने की बात है तो सरकार द्वारा दूसरी सरकारों से ज्यादा दाम दिए गए हैं। प्राकृतिक आपदा से फसल खराब होने की एवज में भारतीय जनता पार्टी ने किसानों को सबसे ज्यादा मुआवजा देने का कार्य भी किया है। इस मौके पर फूल सिंह खेड़ी, अरूण सर्राफ, राजपाल तंवर, राव सुरेंद्र, कैलाश भगत, मनीष कठवाड़, रामकुमार नैन, हरपाल शर्मा, भाग सिंह खनौदा, राज रमन दीक्षित, कृष्ण शर्मा पिलनी आदि मौजूद रहे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

तड़पता अन्नदाता है, भगतसिंह याद आते हैं
कमेरा लुटता जाता है, भगतसिंह याद आते हैं
कभी जब भी कहीं 'रंग दे बसंती आज ये चोला'
कोई भी गुनगुनाता है, भगतसिंह याद आते हैं

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए भेजे गए सभी आवेदन स्वीकार

कैथल। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. कर्मचंद ने बताया कि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रंबधन योजना 2020-2021 के तहत कृषि यत्रों पर अनुदान के लिए 21 अगस्त 2020 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष जलाने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए व्यक्तिगत श्रेणी में कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए आवेदन करने वाले सभी आवेदकों के आवेदन स्वीकार करने का निर्णय लिया गया है, ताकि फसल अवशेषों मे आग लगाने वाली घटनाओं की दर को शून्य किया जा सके। उन्होंने बताया कि सीआरएम योजना 2020-21 के तहत जिला कैथल में व्यक्तिगत श्रेणी में विभिन्न कृषि यंत्रों जैसे सुपर स्ट्रा मैनेजमैंट सिस्टम, हैप्पी सीडर, हेरो आदि के लिए 1873 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन सभी आवेदकों के आवेदन विभाग द्वारा स्वीकार कर लिए गए हैं।

हृदय रोग रोकने को डायबिटीज और हाइपर टेंशन जैसी बीमारियों का प्रबंधन जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। गुड़गांव

आंकड़े बताते हैं कि हाइपर टेंशन हृदय रोगों के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। सभी स्ट्रोक के लगभग 54 प्रतिशत और दुनिया भर के सभी इस्केमिक हृदय रोगों के 47 प्रतिशत मामले हाइपर टेंशन की दीर्घकालिक जटिलता से पनपते हैं। विश्व हृदय दिवस पर, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के मद्देनजर अतिसंवेदनशील व्यक्तियों में इन स्वास्थ्य मापदंडों के प्रबंधन पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। गुड़गांव के कोलंबिया एशिया अस्पताल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अमित गुप्ता ने इस बारे में बात करते हुए कहा, हाइपर टेंशन और डायबिटीज हृदय रोगों के लिए प्रमुख जोखिम कारक हैं। जो लोग अस्वास्थ्यकर जीवन शैली जीते हैं, उनके परिवार में दिल की बीमारियों का पारिवारिक

समय पर निदान के लिए पता होना चाहिए हृदय रोग के लक्षणों के बारे में भी

इतिहास आदि है। उन्हें इससे अधिक सावधान रहना चाहिए। दोनों ही स्थितियां हृदय पर बहुत अधिक भार डालती हैं, जिसके कारण रक्त को पंप करने के लिए दोगुना परिश्रम करना पड़ता है। जिससे यह बड़ा और कमजोर हो जाता है। जब दिल को कम रक्त की आपूर्ति मिलती है, तो व्यक्ति एनजाइना, और इस्केमिक और कोरोनरी हृदय रोग का खतरा बढ जाता है। इसलिए, शरीर की नियमित जांच करवाना बेहद अनिवार्य है, खासकर यदि आप अतिसंवेदनशील हैं।

हाइपर टेंशन और डायबिटीज दोनों ही साइलेंट किलर्स हैं। हाइपर टेंशन की वास्तविक शुरुआत का कुछ साल बाद ही पता चलता है, अगर समय पर इसका प्रबंधन न किया जाए तो डायबिटीज अंगों को ख़राब कर सकता है। इन दोनों स्वास्थ्य स्थितियों में ना केवल हृदय पर दबाव पडता है, बल्कि एक व्यक्ति को कोविड-19 जैसे संक्रमणों के लिए अतिसंवेदनशील बना देता है।

डॉ. अमित गुप्ता ने आगे कहा, जीवनशैली में बदलाव हृदय रोगों को रोकने की आधारशिला है। ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित करके, जीवन की बेहतर गुणवत्ता और जटिलताओं को सुनिश्चित करना संभव है। यह वर्तमान महामारी के दौरान और भी अधिक अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि कोविड-19 वायरस कम प्रतिरक्षा या इससे जुड़ी बीमारियों से पीड़ित लोगों को प्रभावित करता है। उन लोगों के लिए दवाइयों की आवश्यकता हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू मरीजों की जान बचाने को ज्यादा रक्तदान करें युवा

भिवानी। कोरोना वायरस की इस विश्वव्यापी आपदा में हर व्यक्ति व सामाजिक संगठन किसी न किसी रूप में सामाजिक दायरे में अपना योगदान दे रहा है ऐसी ही एक मुहिम भिवानी के रक्तवीर राजेश डुडेजा व रक्तवीर मनीष वर्मा ने शुरू की हुई है। यें दोनों खुद भी रक्तदान करते हैं तथा अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करते रहते हैं। मनीष वर्मा ने बताया कि आज भिवानी में कई मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ी तो एक काल पर 20 लोग सामने आए और रक्तदान किया। आज प्लेटलेट्स डोनेट करने पहुंचे युवाओं के नाम आशीष कुमार देवनगर कॉलोनी से व अमित कुमार दिनोद गेट से व अंकित नाथूवास व विकास सोनी भिवानी से पहुंचे। आज के मरीजों को डेंगू की वजह से प्लेट्लेटस कम होने की शिकायत थी।

बाढडा विस क्षेत्र में होगी बर्बाद फसल की विशेष गिरदावरी

भिवानी। बाढडा विधानसभा क्षेत्र के दादरी व बाढडा तहसील के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में पिछले दिनों सफेद मक्खी व अन्य कारणों से बर्बाद हुई खरीब की फसल की विशेष गिरदावरी जल्द करवा कर किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। क्षेत्र के किसानों के साथ किसी भी तरह भेदभाव नहीं होने दिया जाएगा। ये बातें विधायक नैना सिंह चौटाला ने जारी विज्ञप्ति में कही। नैना सिंह चौटाला ने बाढडा हल्के के सभी गांवों में खराब फसल की विशेष गिरदावरी के लिए आदेश पहले ही जारी कर दिए गए हैं। उन्होने कहा कि किसान हितों को लेकर मौजूदा प्रदेश सरकार पूर्णतय: गम्भीर है। आगामी 1 अक्तूबर से सरकार एमएसपी पर बाजरे की खरीद शुरू करने जा रही है। एमएसपी पर बाजरा खरीद शुरू होने के साथ ही उन फर्जी किसान हितैषियों को भी करारा जवाब मिलेगा, जो पिछले कई दिनों से किसान को बहकाने का प्रयास कर रहे हैं। विरोधी राजनीतिक दल के लोग किसानों को गुमराह कर रहे हैं। परंतु तीनों अध्यादेशों आने के बाद सरकार द्वारा एमएसपी बढाना और फिर बढें हुए भाव पर सभी फसलों की खरीद होने से इन लोगों के किसान विरोधी चेहरे बेनकाब हो गए हैं।

भिवानी जिले में मिले आए चार नए कोरोना पॉजिटिव

भिवानी। भिवानी जिले में आज सोमवार को चार नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं। अब तक जिले में कुल 2681 कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं, जिसमें से 2402 ठीक हो चुके हैं। अब जिले में कोरोना के 245 एक्टिव केस हैं। खबर लिखे जाने तक सोमवार को जिले से 700 सैम्पल लिए जा चुके हैं। वहीं जिले में 34 कोरोना पॉजिटिव ठीक हुए है। सिविल सर्जन ने बताया कि भिवानी जिले में सोमवार को खबर लिखे जाने तक 4 नए कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैं।

किसान सभा ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

भिवानी। अखिल भारतीय किसान सभा, भिवानी के निणर्यानुसार विभिन्न कारणों किट, जल भराव, झुलसा व उगेला आदि से खराब हुई विभिन्न फसलों कपास, ग्वार व मुंग-मोठ के खराबे कि स्पेशल गिरदावरी कर किसानों के नुकसान की भरपाई कि मांग को लेकर आज से अनिश्चितकालीन धरना जिला उपायुक्त कार्यालय कि सामने शुरू किया। सोमवार के धरने की अध्यक्षता करण सिंह जैनावास व छोटू राम पुनियां ने की व मंच संचालन मा. रघुबीर भेरा व राजबीर बुडानियां ने किया। किसानों की मांगों-धरने का समर्थन एन.एस.यू.आई ने जलूस की शक्ल में धरने में शामिल होकर किसानों के खिलाफ तीन कानूनों का विरोध स्वरूप नारेबाजी के साथ किया। छात्र नेता राकेश शर्मा ने विचार रखे। धरने पर उपस्थित किसानों को सम्बोधित करते हुए किसान सभा जिला प्रधान करतार ग्रेवाल व राज्य उप प्रधान मास्टर शेर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार के पक्षपात पूर्ण रवैये कि कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए कहा की सरकार किसानों में फूट डालने का प्रयास कर रही है। हिसार जिले के तो विभिन्न कारणों से विभिन्न फसलों की स्पेशल गिरदावरी के आदेश जारी कर दिये हैं। किसान सभा की मांग हैं कि अविलम्ब सभी कारणों से सभी खराब फसलों की स्पेशल गिरदावरी कर किसानों के हुए नुकसान कि भरपाई हो। किसान विरोधी तीनों कृषि कानून व बिजली कानून 2020 वापस लिए जाए, इन कानूनों से देश के किसान व मेहनतकश कि कमर टूट जाऐगी। जब तक सरकार इन कानूनों को वापस नहीं लेगी किसानों का आन्दोलन जारी रहेगा।

छोटी काशी भिवानी में होगा भव्य हरियाणवीं फैशन शो

भिवानी। रैंप पर अपना जलवा बिखेरेगा हरियाणवीं घाघरा, धोती और कुर्ता। इतना ही नहीं पूरी लोक संस्कृति पंडाल में जगमग होगी। युवा पीढ़ी से वर्षों पहले दूर हो चुके चरखा, रई, चाखड़ा, बिलौने, कुल्हाड़ी और ऐतिहासिक विरासत की अनेकों निशानियां एक बार फिर अपनी शान दिखाएंगी। देसी रागनियां व लोक गीत जहां पुराने परिवेश से रुबरु करवाएंगे, वहीं आज की संस्कृति का कड़वा सच भी बताएंगे। कोरोना काल के तुरन्त बाद ये सब कुछ देखने को मिलेगा छोटी काशी में राह ग्रुप फाउंडेशन के 23वें हरियाणवी फैशन शो में। ये भिवानी शहर का पहला हरियाणवीं फैशन शो होगा। ऐसा कहना है कि राह क्लब भिवानी के नव नियुक्त अध्यक्ष डाक्टर हरेन्द्र पुनिया का। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए नव नियुक्त अध्यक्ष पुनिया ने बताया कि फाउंडेशन के प्रस्तावित इस 23वें हरियाणवीं फैशन शो में हरियाणा प्रदेश के नामी कलाकार नवीन नारु व नफे सिंह रोहिल्ला सहित आधा दर्जन कलाकार अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाएंगे। साथ ही कई कलाकार इस दौरान मुख्य कलाकारों के साथ प्रस्तुति देते हुए नजर आएंगे।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ नाम परिवर्तन ◆

I, Shyam Wati W/o Sh. Sibban R/o H.No. 1484/C 22 Feet Road Near Vakil ki kothi SGM Nagar Faridabad declare that Shyam Wati & Shanti Devi both name are one and same person.

◆ बेदखली सूचना ◆

मैं, मंगतराम पुत्र श्री बालेराम गांव टिखौला तह. व जिला सोनीपत बयान करता हूं कि मेरा सगा पुत्र सचित जो अविवाहित है मेरे कहने-सुनने से बाहर है जिसके चलते मैं अपने पुत्र सचिन को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य मे इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बेदखली सूचना

हम, अशोक कुमार पुत्र स्व. श्री ठाकुर दास व श्रीमति कमलेश कुमारी पत्नी श्री अशोक कुमार निवासी गण मकान न. 3ए/डब्लू.एच/125, फरीदाबाद हरियाणा बयान करते है कि हमारा पुत्र नितिन उर्फ नितिन डावरा हमारे व हमारे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाली-गलौच व लड़ाई झगड़ा करता है व गलत लोगों की संगत मे है। जिसके चलते हम अपने पुत्र नितिन उर्फ नितिन डावरा को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है भविष्य में नितिन उर्फ नितिन डावरा से लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारे व हमारे परिवार के सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client namely Smt. Sushma Singhal W/o Late Sh. Ramesh Singhal R/o H.No. 595, Sector-16, Faridabad has disowned, debarred his son namely Hemante Singhal & her daughter-in-law Smt. Pallavi Aggarwal from all their moveable & immovable properties because they are out of control of my client. My client has severed all relations with them. Anyone dealing with them may do so at his/her own risk, cost & consequences.

Deepak Paliwal, Advocate
Sec-12, Faridabad

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र में मोदी

महामारी प्रबंधन पर जोर

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा-यूएनजीए का सत्र अनेक प्रकार से महत्वपूर्ण है। महामारी की छाया में होने वाला यह पहला वर्चुअल सत्र है। यह पहला सत्र है जब वि-वैश्वीकरण के साथ संरक्षणवादी विमर्श लौटता दिख रहा है तथा दुनिया ध्रुवों में विभाजित दिख रही है। यह इस महान संस्था की 75वीं वर्षगांठ है, अत: यह समय पीछे देख कर सदस्य देशों द्वारा महामारी-पश्चात दुनिया में अपनी सहभागी भूमिका सुनिश्चित करने का भी समय है। इसका विषय-'हमारी इच्छा का भविष्य, हमारी इच्छा का संयुक्त राष्ट्र: बहुराष्ट्रीयता के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता तथा प्रभावी बहुपक्षीय कार्रवाई द्वारा कोविड-19 का मुकाबला', हमारे समय के उपयुक्त तथा संभावनाओं से भरा है। लेकिन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस अवसर की पवित्रता तथा भूराजनीति की पुन: परिभाषा को अनदेखा कर फिर कश्मीर मुद्दा उठाया तथा उसकी बदली स्थिति पर हमला बोलते हुए अपने पुराने भाषण के कुछ हिस्से दुहरा दिए। दुनिया ने वह संवैधानिक स्पेस स्वीकार किया है जिसके अंतर्गत भारत ने अनुच्छेद 370 समाप्त किया है तथा उसने पहले ही इमरान खान का विलाप अनदेखा कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद वे मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' का प्रयास कर रहे हैं। संरा. में भारत के स्थाई प्रथम सचिव मिजितो विन्टो ने इमरान खान का विलाप शुरू होने पर उनके भाषण का बहिष्कार किया तथा बाद में जवाब के अधिकार के अंतर्गत अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'दुनिया के दवाखाने' के रूप में भारत की भूमिका पर जोर दिया तथा कोविड-19 से मुकाबला करने में वैश्विक सहयोग में अपनी भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने दक्षिण-दक्षिण विकास भागीदारी में भी भारत की भूमिका परिभाषित की। कल्याण तथा नियम-आधारित कानूनों के सम्मान के प्रति भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता पर जोर देते

हुए उन्होंने भारत की बेहतर भूमिका के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार की आवश्यकता भी रेखांकित की। यह दुनिया के लक्ष्यों को देखते हुए भारत का महत्वपूर्ण कदम था और स्वयं मोदी ने पाकिस्तान के कदम को प्रतिक्रिया के योग्य भी नहीं माना। तुर्की को छोड़ कर किसी देश ने कश्मीर की बात न कर स्पष्ट कर दिया कि कोई पाकिस्तान द्वारा हमारे खिलाफ हमले पर ध्यान नहीं दे रहा है। अरब दुनिया ने भारत को स्वीकार कर लिया है और वह अमेरिका के समर्थन से इस्राइल के साथ कारगर संबंध विकसित कर रही है। ऐसे में तुर्की आधुनिक देशों में नव-इस्लामी एजेंडा परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। गठबंधनों व मित्रों से दूर हो रहा पाकिस्तान अमेरिका के भारत की ओर झुकाव से और परेशान है तथा अपने क्षेत्रीयता संबंधी दावों के लिए आक्रामक हो रहा है। वह भारत द्वारा अनुच्छेद 360 समाप्त करने के बाद कश्मीर पर उसके दावों को अवैध ठहराने पर तुला है। इसी कारण उसने 15 नवंबर को गिलगिट-बाल्टिस्तान में विधानसभा चुनाव की घोषणा की है। भारत ने सैनिक रूप से कब्जा किए इस क्षेत्र में जबरन परिवर्तन का विरोध किया है। यह चुनाव चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को वैधता प्रदान करने का प्रयास है जो गिलगिट-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। पाकिस्तान ने पहले मानचित्र में परिवर्तन कर कश्मीर के कुछ हिस्सों, लद्दाख व गुजरात के जूनागढ़ को अपना क्षेत्र बताया था। यह अतार्किक तथा ऐतिहासिक व विधिक वैधता से वंचित कदम है। इसके साथ ही पाकिस्तान नियंत्रण रेखा-एलओसी पर युद्धविराम उल्लंघन कर भारत में घुसपैठिये भेजने का प्रयास करता रहता है। चीन के कर्ज-जाल में फंसा पाकिस्तान इतनी एकांगी सोच का शिकार हो गया है कि इससे वह अपना होने वाला नुकसान नहीं समझ पा रहा है। नए मानचित्र से वह 1972 की शिमला संधि समेत सभी द्विपक्षीय संधियों को खारिज कर रहा है। उसकी कश्मीर रणनीति अब निष्प्रभावी हो गई है और वह घाटी में उग्रवाद पैदा नहीं कर सकता है। चीन ने उसे अपना मुहरा बना लिया है और इससे स्वयं पाकिस्तान का नुकसान हो रहा है।

किसानों के लिए लाभकारी कानून

कृषि क्षेत्र में सुधारों ने सब्सिडी-केन्द्रित दृष्टिकोण के बजाय बाजार-उन्मुख सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। इससे किसानों को कृषि-उद्यमी बनने की इच्छा पूरी होगी।

बिंदू डाल्मिया
(लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

वर्तमान समय दुनिया के सबसे मजबूत नेताओं की परीक्षा ले रहा है। देश इस समय अनेक विपरीत स्थितियों का सामना कर रहा है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार सरकार बनाने के बाद सुधार एजेंडे को गति दी है। यह स्वर्गीय अरुण जेटली के शब्दों में 'अकारण विरोध करने वाले' विपक्ष के भारी शोर-शराबे के बावजूद है। लाकडाउन के बाद से केन्द्र ने अनेक सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इनमें आत्मनिर्भर भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-एनईपी 2020 तथा तीन कृषि सुधार विधेयक हैं। इसके साथ ही पेश तीन नए विधेयकों का उद्देश्य प्रवासी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा मजबूत करना है जिसका प्रभाव अनौपचारिक क्षेत्र में काम कर रही 80 प्रतिशत जनसंख्या पर पड़ेगा। कोरोना महामारी के पश्चात विधायनों को एक ढांचागत सुधार के अंग की तरह देखा जाना चाहिए जिनका उद्देश्य किसानों के लिए अर्थव्यवस्था में सुधार तथा बिजनेस सुगमता है।

कोरोना-पश्चात बना 'न्यू नार्मल' आर्थिक वृद्धि तथा संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करने की चुनौती पेश करता है। अब तक कृषि सब्सिडी, खैरात व कल्याणवाद पर निर्भर रही है। इससे संसाधनों पर लगातार भारी दबाव पड़ा है और यह घाटे का सौदा बन गई है। कृषि क्षेत्र ने किसानों को केवल किसी तरह जीवित रखा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण-एनएसएसओ के अनुमानों से स्पष्ट है कि 1993 से 2013 के बीच ग्रामीण कर्जदारी में 12 प्रतिशत वृद्धि हुई। कृषि संकट दूर करने के लिए इसे केवल आजीविका के साधन के बजाय मूल्य-संवर्धित विनिर्माण की ओर ले जाना जरूरी है। हमारे कार्यबल का 58 प्रतिशत खेती पर निर्भर है, पर उसका भारत के सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी में योगदान केवल 17 प्रतिशत है। कृषि की वृद्धि दर केवल 3.4 प्रतिशत है, जबकि इसे ग्रामीण भारत को गरीबी से बाहर निकालने के लिए कम से कम 10 प्रतिशत होना चाहिए। कृषि, विनिर्माण, निर्यात व सेवाओं को मजबूत कर ही प्रति व्यक्ति आय बढ़ाई जा सकती है।

हमारे कार्यबल का 500 मिलियन खेती में लगा है, इसलिए कृषि क्षेत्र में सब्सिडी-केन्द्रित दृष्टिकोण के बजाय बाजार-उन्मुख दृष्टिकोण अपना कर ही किसानों को कृषि-उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील होने के बावजूद स्वतंत्रता के 73 वर्ष बाद हमें 'एक देश एक बाजार' बनाने के लिए इनकी आवश्यकता है। हालांकि, कृषि संबंधी तीनों विधेयकों का खास महत्व है, पर इस लेख में किसान सशक्तीकरण व संरक्षण तथा मूल्य आश्वासन समझौता व कृषि सेवा विधेयक 2020 पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इससे कम मुनाफे वाला कृषि क्षेत्र ठेका खेती के लिए खुलेगा।

भारत आज अतिरिक्त खाद्यान्न वाली अर्थव्यवस्था बन गया है, अत: उसे 'अतिरिक्त प्रबंधन' की आवश्यकता है। कोल्ड स्टोर सुविधायें तथा खाद्य प्रसंस्करण ढांचा मजबूत करने से विनिर्माण में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा। हर साल 92,000 करोड़ का कृषि उत्पाद बरबाद हो जाता है। इसलिए इस क्षेत्र को किसान से उपभोक्ता तक मजबूत सप्लाई श्रृंखला बनाना जरूरी है। गलत तरीके से आरोप लगाए जा रहे हैं कि यह विधायन कार्पोरेट के पक्ष में है, जबकि इसमें मौसमी फसलों के मूल्य निर्धारण में किसानों को लाभ की स्थिति में लाया गया है। वे कार्पोरेट के साथ पहले ही मूल्य तय कर अपनी आय सुनिश्चित कर सकेंगे। इससे एकफसली खेती के बजाय फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, तई तकनीकों का प्रयोग होगा तथा वित्तीय सहायता व आधुनिकीकरण में मदद मिलेगी। खेती के कार्पोरेटीकरण के सबसे अच्छे उदाहरण अमूल, ई-चौपाल व किसान समूहों को प्रोत्साहन देने वाला पातंजलि माडल हैं।

साझा पहलों में किसानों को शामिल करने से उनमें सहयोगी-स्वामित्व की भावना पैदा होती है जिसे अमूल सहकारी संगठन के सफल प्रयोग में देखा जा सकता है जिसने श्वेत क्रान्ति का नेतृत्व किया है। भारत आज सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है जिसमें अमूल सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक एफएमसीजी है जिसका टर्नओवर 52,000 करोड़ रुपये है। इसने डेरी किसान को उत्पाद के अधिक दाम देकर उसे अपना साथी बनाया है तथा वह उपभोक्ताओं को बहुत मामूली लाभ लेकर उत्पाद सप्लाई कर रहा है। हो सकता है कि चीन का उदाहरण देना राजनीतिक रूप से गलत हो, लेकिन भारत इससे लाभ उठा सकता है। 2016 में चीन की राज्य परिषद ने गरीबी-उन्मूलन नीति के रूप में ग्रामीण ई-कामर्स को आधिकारिक रूप से स्वीकार किया था। इससे पिछले 6 वर्ष में गरीबी 10.2 प्रतिशत से घट कर 1.7 प्रतिशत रह गई है। इसका एक तरीका किसानों को ताओबाओ गांव में अलीबाबा के ई-कामर्स प्लेटफार्मों से जोड़ना रहा है।

ठेका खेती पर विधेयक सप्लायरों व विक्रेताओं, दोनों के लिए लाभदायक है। इससे अनेक स्तर पर सामूहिकताओं का विकास होगा तथा फसल कटने के बाद प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, रिटेलिंग व व्यापक वितरण नेटवर्क तक पहुंच में सहायता मिलेगी। इससे पांच एकड़ से कम जमीन वाले छोटे किसानों को लाभ होगा। कृषि सामूहिकता बनाने से उनकी आमदनी बढ़ेगी तथा उनकी सामूहिक आर्थिक व लेनदेन की शक्ति मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 तक किसानों की आय दूनी करने का वादा किया है। यदि यह कृषि सुधार जमीनी कार्रवाई में न बदला तो उनकी आमदनी पहले जैसी बनी रहेगी। किसानों की आमदनी दूनी करने के साथ ही उपभोक्ता कीमतों में अनावश्यक वृद्धि रोकने की भी चुनौती है क्योंकि खेती में लागत लगातार बढ़ रही है। मुनाफा बढ़ाने के लिए किसानों को कार्पोरेट के पास उपलब्ध कौशल का प्रयोग करना होगा जिनकी लगातार बदलती उपभोक्ता आवश्यकताओं के बारे में बेहतर समझदारी और गहरी जानकारी है।

महामारी के पश्चात उपभोक्ताओं के व्यवहार में आए परिवर्तन का कारण उनकी घटी खरीद शक्ति है, इसके बावजूद वे बेहतर पोषण लाभ, बेहतर सफाई तथा अपने दरवाजे पर कांटैक्टलेस डिलीवरी चाहते हैं। इसके साथ ही मध्यवर्गीय परिवार भी फलों, सब्जियों व दूध पर खर्च बढ़ा कर अनाजों पर खर्च घटा रहे हैं। मूल्य संवर्धित प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ रही है। इसके साथ ही स्वास्थ्य व बेहतरी के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण अनाजों की अन्य किस्मों की मांग बढ़ी है। इसके लिए किसानों को मूलभूत परिवर्तन लाने होंगे जिनका विस्तार परंपरागत उत्पादों की बिक्री से लेकर उपभोक्ताओं की बदलती इच्छाओं तक है। किसानों को अपने उत्पाद बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने से लाभ होगा। यदि बाजार का समर्थन न मिले तो केवल फसल उत्पादकता बढ़ाने से किसानों की आय नहीं बढ़ेगी।

केन्द्र सरकार को किसानों की आशंकायें देखते हुए सहमति बनाने के प्रयास करने चाहिए। उनमें निहित स्वार्थी तत्व भ्रम पैदा कर रहे हैं। ऐसा न होने पर यह प्रगतिशील विधायन संकट में फंस सकता है जैसा कि भूमि अधिग्रहण विधेयक के मामले में हुआ था। हालांकि, कृषि समवर्ती सूची में न होने के कारण राज्यों का विषय है, पर नए कानूनों का संबंध अंतर-राज्य व्यापार से होने के कारण यह केन्द्रीय विषय बन जाता है। केन्द्र को ऐसे में कानून बनाने का अधिकार है और अतीत की तरह कोई राज्य इन्हें चुनौती नहीं दे सकता है।

इसके साथ ही एक बार खेती के आकर्षक उद्योग में बदल जाने के बाद इसमें करदाताओं का आधार विकसित करने की संभावना पैदा होगी और तब इसे केन्द्रीय सूची में हस्तांतरित किया जा सकेगा। वास्तव में केंद्र को किसानों पर टैक्स लगाने के बारे में पुन: विचार करना चाहिए जो अब तक इस दायरे से बाहर हैं। खासकर अमीर वर्ग के किसानों पर टैक्स लगाया जाना चाहिए जिनके पास 10 एकड़ से अधिक जमीन है। कर निर्धारण के लिए कुछ मानक तय किए जा सकते हैं जिनमें तीन साल की औसत उपज है क्योंकि मौसम परिवर्तन के जोखिम के कारण उत्पाद में वार्षिक अंतर आ सकता है।

भारत को क्षमताओं के अधिकतम प्रयोग से विशाल खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र बनने की संभावना पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही किसान को केवल आवश्यकतायें पूरी करने की सोच से आगे बढ़ते हुए कांग्रेस युग के नारे 'रोटी, कपड़ा और मकान' को छोड़ कर आधुनिक अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान करना चाहिए।

अस्पतालों के कचरे से संक्रमण का खतरा

> **जैव-चिकित्साजनित कचरे का प्रभावी निस्तारण उतना ही अहम है जितना कि कोरोना संकट से कुशलतापूर्वक निबटना। अन्यथा संक्रमण की दूरी लहर आ सकती है।**

कोटा श्रीराज
(लेखक पर्यावरण पत्रकार हैं)

कल्पना कीजिए कि प्रचंड रूप से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य महामारी के बारे में जो पर्यावरण के लिए खतरे को दोगुना करने वाली है और विनाशकारी कोविड-19 के बाद प्रभावी हो जाए। यह ऐसी संभावना है जो सच साबित हो सकती है यदि महामारी से लड़ने के दौर में अस्पतालों से निकलने वाले जैव-चिकित्सा जनित कचरे का भंडार बढ़ता जाता है और उसका प्रबंधन एवं निस्तारण उचित ढंग से नहीं किया जाता है।

अंतिम समाचार मिलने तक, कोविड-19 भारत में 90,000 लोगों की मौत का कारण बन चुका है और 5.6 मिलियन सक्रिय मामले विद्यमान हैं। यह स्थिति और भी बिगड़ सकती है यदि लापरवाही से फेंका जाने वाला जैव-चिकित्सा जनित कचरा देशभर में संक्रमणों की दूसरी लहर आने का कारण बन जाता है। अनगिनत अस्पताल परिसर, मुर्दाघर, श्मशान, एंबुलेंस पार्किंग सथल और आवासीय क्षेत्रों में फेंका गया कचरा लापरवाही से त्यागे गए दस्तानों, पीपीई किटो, व मॉस्कों से भरे पड़े हैं। ऐसा केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड के दिशा निर्देशों के बावजूद हो रहा है जिनमें स्पष्ट बताया गया है कि कोविड-19 संबंधी कचरे को दोहरे थैलों में करके उन पर लेबल लगाकार डाला जाए। हालांकि, चारों ओर पड़े कचरे को देखकर, यह स्पष्ट हो जाता है कि दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है और कहने की आवश्यकता नहीं कि इन वस्तुओं में वह वायरस होता है जो स्वस्थ लोगों में फैल सकता है, खासकर सफाइकर्मियों में तथा उन लोगों में जो कचरा भंडारों एवं कचरा इनसिनिरेटरों के पास कूड़ा बीनने जाते हैं। दिल्ली में जैव-चिकित्साजनित कचरा निस्तारण की दो सुविधाएं हैं जो प्रतिदिन 63 टन चिकित्सा कचरे का निस्तारण करने में सक्षम हैं। मगर टॉक्सिक लिंक्स द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया हे कि इस कचरे को नगरीय ठोस कचरे की तरह निस्तारित किया जा रहा है। स्थिति को और बिगाड़ते हुए, इस कचरे को पैदा करने वाली कई सुविधाएं दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पंजीकृत नहीं हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष यह भी बताते हैं कि 27.9 प्रतिशत अस्पतालों के पास अनिवार्य सुई कटर नहीं है जबकि 34 प्रतिशत चिकित्सा सुविधाओं में चिकित्सीय कचरे को ले जाने योग्य परिवहन सुविधा नहीं है। परिणामस्वरूप, उसे निस्तारण के लिए हाथों से उठाकर ले जाया जाता है। और भी बुरी दशा यह है कि लगभग 26.4 प्रतिशत चिकित्सा केंद्र तरल चिकित्सीय कचरे को सार्वजनिक सीवर व्यवस्था में बहाते पाए गए।

ऐसी परेशान कर देने वाली स्थितियों के साथ, भारत निश्चित रूप से रोगाणु द्वारा पैदा जैव चिकित्सा कचरे से निबटने की स्थिति में नहीं है। जैव चिकित्सा कचरा सृजन एवं उसके निस्तारण की गंभीरता का आंकलन इस तथ्य से किया जा सकता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को हाल ही में राज्यसभा में इससे संबंधित सवालों का जवाब देना पड़ा। साइंस डायरेक्ट में छपे एक लेख के अनुसार, भारत, जो वर्तमान समय में लगभग प्रति बिस्तर दो किलोग्राम कचरा पैदा करता है, जिसमें विभिन्न प्रकार के खतरनाक कचरे शामिल हैं, लेकिन महामारी के कारण इसकी मात्रा कई गुना बढ़ने वाली है। संक्रमण के प्रसार का प्रभाव बहुत अधिक होने से पहले, दिल्ली में औसतन 25 टन चिकित्सीय कचरा पैदा होता था लेकिन उसका निर्गत जुलाई में बढ़कर 349 टन हो गया। इसी प्रकार, मुंबई का प्रतिदिन कचरा उत्पादन जून में 12,200 टन से बढ़कर अगस्त में 24,889 टन पहुंच गया। कचरे के इस भंडार ने पहले से ही जीर्ण-शीर्ण कचरा प्रबंधन ढांचे को अपनी सीमाओं तक पहुंचा दिया। इससे पहले की महानगर जैच चिकित्सीय कचरे से भर जाएं, इस मुद्दे को संबोधित करने की आवश्यकता है तथा इस पर सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

नियमों के अनुसार, कचरे को पुन: चक्रीय एवं गैर पुन: चक्रीय डब्बों में पृथक किए जाने की आवश्यकता होती है और फिर उसे 72 घंटे तक छोड़ दिया जाता है जिससे कि संक्रमण की तीव्रता क्षीण हो जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा संस्थानों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाना होगा कि उनके पास जैव चिकित्सा कचरे के निस्तारण के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, तरल चिकित्सीय कचरे को आवश्यक शोधन के लिए अधिकृत कचरा संग्रहण कम्पनियों द्वारा भेजा जाना चाहिए तथा सीवर में बहाया नहीं जाना चाहिए।

पश्चिमी देश कारोना वायरस कचरा प्रबंधन के लिए उच्च मानक निर्धारित कर रहे हैं और उन पर दृष्टि डालने से पता चलता है कि क्यों ये देश जैव चिकित्सा कचरा प्रबंधन के मामले में अपने कदमों पर तेजी से वापस लौट रहे हैं। फ्रांस व जर्मनी में श्रेष्ठ परिपाटियों का पालन किया जा रहा है जिनमें प्रत्येक चिकित्सा सुविधा केंद्र द्वारा सृजित कचरे का रिकार्ड रखा जाता है तथा सुनिश्चित किया जाता है कि उस मात्रा को उचित ढंग से नष्ट किया जाए। अपनाए जा रहे अन्य उच्चीकृत उपायों में शामिल है चिकित्सा संस्थानों के कचरे के डब्बों को नियमित रूप से सोडियम हाइड्रोक्लोराइड विलयन के द्वारा साफ किया जाना।

फ्रांस ने एक कदम और आगे बढ़ाकर उन परिवारों पर भी ध्यान केंद्रित किया है जहां एकांतवासी मरीज मौजूद होते हैं। कचरे को प्रधिकारियों द्वारा स्थानों पर एकत्र किया जा रहा है जिससे कि अनावश्यक संक्रमण न होने पाए। एकांतवास में रह चुके निवासी उचित कागज दिखाकर फार्मेसियों से कचरे के डिब्बे खरीदने में सक्षम हैं, जिनका इस्तेमाल वे प्रधिकारियों को कचरा नष्ट करने हेतु सौंपने के लिए कर सकते हैं। दूसरी ओर जर्मनी ने बवारिया में एक विशेषीकृत कचरा नष्ट करने वाली सुविधा स्थापित की है। इन उपायों ने इन जैव चिकित्सीय कचरे से पुन: संक्रमण होने व उसके हानिकारक प्रभावों से बचाने में इन देशों की मदद की है। दक्षतापूर्ण जैव चिकित्सीय कचरा सृजन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि इस संकट से कुशलतापूर्वक निबटना। केवल इसी तरह संक्रमण की दूसरी लहर को आने से रोका जा सकता है।

आप की बात

संयुक्त राष्ट्र पर पीएम का कटाक्ष

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75 वे सत्र में पीएम मोदी का ऑनलाइन वक्तव्य प्रभावशाली लगा। अपने दो टूक उद्बोधन में उन्होंने जिस साफगोई के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यप्रणाली और नीतियों पर सशक्त रूप से कटाक्ष किया है, वह काबिले तारीफ है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने पहली बार इतनी दृढ़ता पूर्वक अपना पक्ष प्रस्तुत किया है। दुनिया के आज के चाल चलन के हिसाब से संयुक्त राष्ट्र संघ में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। भारत का दृष्टिकोण सदैव से ही विश्व शांति के मूल मंत्र पर आधारित रहा है, किंतु वैश्विक युद्ध, आतंकवाद, साम्राज्यवाद और पाकिस्तान तथा चीन की दोगली चालों पर संरा प्रभावी नियंत्रण नहीं कर सका है। संरा संघ के निर्णय लेने वाले ढांचे से भारत को अलग रखना और उचित प्रतिनिधित्व प्रदान नहीं करना भी अखरने वाला है। भारत में हुए परिवर्तन का असर दुनिया के बड़े हिस्से पर पड़ता है, इसके बावजूद विश्व के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की अनदेखी करना एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। संरा संघ में भारतीय प्रतिनिधि मिजितो विनितो ने भी आतंक और अल्पसंख्यकों के सवाल पर पाक की कड़ी घेराबंदी करते हुए, उसे बिल्कुल सही आईना दिखाया है।

– **ललित महालकरी**, इंदौर

एनजीओ में पारदर्शिता

हाल ही में संसद में विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 2010 में कुछ संशोधन पारित किए हैं। केंद्र सरकार के अनुसार इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य एनजीओ के कार्यों में पारदर्शिता को लाना है। बहरहाल इन नए नियमों ने सभी एनजीओ, शैक्षिक संस्थानों के लिए प्रतिकूल स्थितियां पैदा करी है, जिनके पास विदेशी संस्थानों के साथ वित्तीय भागीदारी है। अब बात यह है कि कोरोनावायरस महामारी के इस काल में हमने देखा कि सरकार के साथ-साथ गई एनजीओस में भी मदद करी थी परंतु अब इस सरकार के फैसले से वह संशोधन पर सवाल उठा रहे हैं। बताते चलें कि भारत में लगभग 3 मिलियन गैर सरकारी संगठन है, भारत जैसे विकासशील देश में भूमिका और जिम्मेदारियां बहुत अधिक होती हैं जिनमें एनजीओ ने बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। एन जी ओ यानी गैर सरकारी संगठन सरकार के कार्यक्रमों में खामियों को दूर करने का प्रयास करते हैं। हालांकि पिछले कई सालों से यह देखा गया कि कई लोगों को एनजीओ में विश्वसनीयता की कमी मिलने को दिखी। विश्वसनीयता के साथ-साथ अब तो पारदर्शिता की कमी के कारण संसद में उसके लिए एक विधेयक भी पारित हो गया।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

बॉलीवुड में नशेड़ी, माफिया

उदीयमान और अति प्रतिभाशाली अभिनेता स्वर्गीय सुशांत सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत बॉलीवुड में आकंठ व्याप्त भाई-भतीजावाद, खानदानी रुतबा जमाए कथित स्टार मॉफियाओं, देशहित की जगह वर्तमान सत्तारूढ़ सरकारों की चाटुकारिता करनेवाले, अंडरवर्ल्ड दाउद इब्राहीम जो सैकड़ों लोगों का हत्यारा है, के काले पैसे से फिल्म निर्माण,कॉस्टिंग काउच में महिलाओं के अंतहीन शारीरिक शोषण,नशे की हालत में गरीबों को रौंदने वाले आदि वहशी लोगों के कुकृत्य परत-दर-परत उघड़ रहे हैं। स्वर्गीय गुरुदत्त,विमल राय,महबूब खान और सत्यजीत राय आदि जैसे कालजयी महापुरुषों की बनाई सोद्देश्य व देशकाल को बदलनेवाली फिल्मों की जगह अब बिल्कुल नग्न,अश्लीलता को परोसती, उद्देश्यविहीन फिल्म बनाने वाले वर्तमान फिल्मकारों की एक बुराई हो तो उल्लेखित भी किया जाय। स्वर्गीय सुशांत सिंह के हत्यारों, नशेड़ियों, मॉफियाओं, भ्रष्टाचारियों को कठोरतम् दण्ड मिलनी ही चाहिए।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

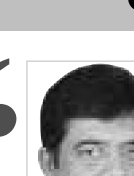

गोवा में अड़सठ भाजपा कार्यकर्ता महामारी के दौरान कोविड संक्रमित पाए गए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे जनता की सेवा में बाहर निकलकर काम कर रहे थे।

– **सदानंद शेत तनवाड़े**
गोवा भाजपा अध्यक्ष

हम देख रहे हैं कि व्यक्तिगत रूप से देश वर्तमान परिस्थिति का इस्तेमाल अवांछनीय सरकारों अथवा प्रतिस्पर्धियों से मुद्दे हल करने में कर रहे हैं।

– **सर्गेई लावरोव**
रूसी विदेश मंत्री

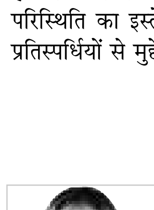

परिषद के उन सदस्यों को शर्म आनी चाहिए जो इस अवसर का इस्तेमाल मुद्दों के बजाए अपनी राजनीतिक नाराजगियों पर केंद्रित करने के लिए कर रहे हैं।

– **केली क्राफ्ट**
अमेरिकी राजदूत

सीएम सिटी में आज दहाड़ेंगी आशा वर्कर्स

कैथल। आशा वर्करों की मांगों का समाधान अगर सोमवार को सरकार के साथ होने वाली बैठक में नहीं हुआ तो 29 तारीख को सीएम सिटी करनाल में आशा वर्करों का राज्य स्तरीय प्रदर्शन होगा।

ये चेतावनी सोमवार को लघु सचिवालय में आशा वर्कर के चल रहे धरने को संबोधित करते हुए राजौंद खंड की आशा वर्कर यूनियन की प्रधान रोशनी खुरड़ा ने दी। इससे पूर्व धरने पर राजौंद खंड की वर्कर पहुंचीं। इस अवसर पर मंच का संचालन ऊषा देवी ने किया तो सीटू के जिला प्रधान नरेश रोहेडा ने मजदूरों व कर्मचारियों का आह्वान किया कि आज भगत सिंह की जयंती पर हमें अन्याय, भेदभाव, असमानता से मुक्ति पाने के लिए भगत सिंह के विचारों को अपनाना होगा।

धान खरीद न होने पर किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालय घेरा

नारेबाजी के बीच मार्केट कमेटी के अधिकारी पोर्टल न चलने का देते रहे हवाला

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

धान की सरकारी खरीद तीसरे दिन सोमवार को भी न होने पर गुस्साएं किसानों ने मार्केट कमेटी थानेसर कार्यालय का घेराव किया। सरकार के खिलाफनारेबाजी की। प्रदर्शन में आढ़ती भी शामिल रहे। मार्केट कमेटी के अधिकारी पोर्टल न चलने का हवाला देते रहे। किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालय में कार्य कर रहे कर्मचारियों को चेतावनी दी कि जब पोर्टल नहीं चल रहा और मंडी में खरीद कार्य नहीं हो सकता, तो वे अपने-अपने कार्यालय से बाहर निकल जाए, अन्यथा उन्हें पकड़ कर बाहर निकाला जाएगा।

इस पर कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों से बाहर आ गए। इसके बाद मार्केट कमेटी सचिव कार्यालय को बंद कर दिया गया। किसानों ने मार्केट कमेटी कार्यालय पर लगे मुख्यमंत्री के पोस्टर को फाड़कर उसे आग के हवाले कर दिया। किसान नेता राम दिया व संजीव ने कहा कि किसानों की परेशानी जानने के लिए सरकार का कोई नुमाइंदा और प्रशासन की तरफ से कोई अधिकारी मंडी में नहीं पहुंचा। इसे लेकर किसानों में सरकार के प्रति भारी रोष है। किसान कई दिनों से खुले आसमान के नीचे अपनी फसलों को बेचने के लिए अपना घर छोड़कर डेरा डाले हुए हैं, लेकिन उनकी फरियाद सुनने वाला सरकार में कोई नहीं है। किसानों का कहना है कि मंडी में कुछ चुनिंदा आढ़तियों की दुकान पर ही खरीद कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि यदि खरीद कार्य करना है तो सभी दुकानों पर किया जाए, नहीं तो बंद किया जाए। किसानों का कहना है कि खरीद किए जाने का पत्र जारी होने के बाद वे मंडी में धान लेकर तो आ गए, लेकिन मंडी में भी फसल की बेकद्री हो रही है यहां उनकी फसल का कोई खरीदार नहीं है।

किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। उधर मार्किट कमेटी थानेसर के सचिव हरजीत सिंह ने बताया कि पोर्टल नहीं चलने के कारण खरीद कार्य नहीं हो पा रहा है। इस बारे उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को पोर्टल चलने पर खरीद कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

श्याम परिवार ने लगाया कड़ी चावल का लंगर

इन्द्री। श्याम परिवार इन्द्री की ओर से सोमवार को मेन बाजार में कड़ी चावल का लंगर लगाया गया। इस मौके पर काफी संख्या में श्याम परिवार के सेवकों ने लंगर प्रसाद बांटा। इस बारे में जानकारी देते हुए श्याम परिवार के नमन अग्रवाल ने बताया कि सप्तम मास के उपलक्ष में श्याम परिवार की ओर से द्वादशी के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति लंगर प्रशाद लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार के लंगर प्रसाद खाटू श्याम में भी लगाए जाते हैं। नमन ने बताया कि श्याम परिवार की ओर से समय-समय पर सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहते है जिसमें संस्था के सभी सदस्य बढ़चढ़ कर श्रद्धापूर्वक तरीके से भाग लेते है। श्याम परिवार की ओर से बाबा का गुणगान व मासिक कीर्तन होता है जिससे आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

उप मुख्यमंत्री आज चीका में करेंगे विकास कार्यों का उद्घाटन

कैथल। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 29 सितंबर को सुबह 11 बजे चीका में नवनिर्मित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे तथा जनसमस्याएं सुनेंगे। इसके उपरांत 12 बजकर 30 मिनट पर गुहला-चीका फोर लेन का भी उद्घाटन करेंगे व एक बजे स्कूल बाउंड्री के नजदीक लगने वाली डॉ. भीम राव अंबेडकर मूर्ति का शिलान्यास करेंगे।

सच्चे देशभक्त थे शहीद भगत सिंह : स्वीटी रंगा

कुरुक्षेत्र। गांव कलसाना गुरुद्वारा साहिब में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिन पर अरदास की गई और पुष्प अर्पित किए। उनकी याद में महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा विकास ट्रस्ट की महिला प्रदेश अध्यक्ष स्वीटी रंगा के नेतृत्व में एक गमला और पौधा लगाया गया। स्वीटी रंगा ने कहा कि शहीद भगत सिंह सच्चे देशभक्त थे, जिन्होंने अपने देश के मान सम्मान के लिए अपना बलिदान दिया। आज हम सब को संकल्प लेना चाहिए कि शहीद भगत सिंह के पद चिन्हों पर चल कर अपने देश और समाज की सेवा करनी चाहिए। गरीब और दिव्यांग परिवारों की लड़कियों की शिक्षा के लिए हमें आगे आना चाहिए, ताकि कोई भी शिक्षा से वंचित ना रहे। गुरुद्वारा साहिब के प्रमुख सेवादार भाई जोगा सिंह कलसानी व जोगिंदर सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा विकास ट्रस्ट का यह कार्य बहुत ही सराहनीय है, जिन्होंने आज भगत सिंह के जन्मदिन पर गुरुद्वारा साहिब में उनकी याद में गमला भेंट कर पौधा लगाया। इस अवसर पर जसपिंदर सिंह, जसविंदर सिंह, संस्था के चेयरमैन मिहा सिंह रंगा, सुनील रंगा, सुषमा देवी, नेंसी रंगा, महक रंगा, सुभम रंगा मौजूद रहे।

हमें बच्चों को शहीदों के बारे में बताना चाहिए : नितेश

निगदू। निर्माणधीन शहीद स्मारक एवं पुस्तकालय में सोमवार को शहीद भगत सिंह युवा शक्ति निगदू के सदस्यों ने शहीद भगत सिंह की जयंती मनाई। समिति के सदस्यों ने भगत सिंह की मूर्ति पर मालार्पण कर और मूर्ति के समक्ष पुष्पार्पित कर उन्हें याद किया। समिति के सचिव नितेश बठला ने कहा कि शहीद भगत सिंह युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि वीर क्रांतिकारियों ने देश को आजाद करवाने में अपना जीवन बलिदान कर दिया। हमें उनके बलिदानों को नहीं भूलना चाहिए। बल्कि हमें बच्चों को उनके जीवन के बारे में बताना चाहिए। ये भी बताना चाहिए कि हमारा देश किन महापुरुषों, क्रांतिकारियों व शहीदों की बदौलत आजाद हुआ। किन की वजह से आज हम आरामदायक जीवन यापन कर रहे हैं। इस मौके पर समिति के सदस्य राम अनेजा, प्रवीण शर्मा, बब्लू आदि मौजूद रहे।

शहीद भगत सिंह को श्रद्धासुमन किए अर्पित

कुरुक्षेत्र। शहीद-ए-आजम भगत सिंह के 114वें जन्मदिवस पर शहीद भगत सिंह दिशा ट्रस्ट व जन संघर्ष मंच हरियाणा के पदाधिकारियों व चुनिंदा कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के उपरांत शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान में जनसभा की गई। जनसभा के बाद शहीद भगत सिंह दिशा संस्थान से पुराने बस अड्डे तक मार्च निकाला गया और शहीद भगत सिंह के इन्कलाबी रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। जनसभा की अध्यक्षता मंच के राज्य प्रधान कामरेड फूल सिंह और मंच संचालन कामरेड सुरेश कुमार ने किया। मुख्य वक्ता शहीद भगत सिंह दिशा ट्रस्ट के अध्यक्ष कामरेड शयाम सुंदर रहे । मुख्य वक्ता ने कहा कि 28 सितंबर 1907 को हमारे देश के आजादी आंदोलन में मेहनतकश जनता के प्रतिनिधि शहीद भगत सिंह का जन्म गांव बंगा जिला लायलपुर (अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। भगत सिंह ने आजादी आंदोलन के दौरान सवाल उठाया था कि अंग्रेजों के चले जाने के बाद राज किसके हाथ में जाए। भगत सिंह ने समाज को बदलने वाले मार्क्स द्वारा खोजे गए वैज्ञानिक नियमों को आत्मसात कर लिया था, हम देखते हैं कि 15 अगस्त 1947 को देश की सत्ता पूंजीपति वर्ग ने हथिया ली। जिसका परिणाम हम अब भुगत रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के ढांचे को बर्बाद करने वाली नई शिक्षा नीति का भी विरोध किया था। मनरेगा मजदूर यूनियन के प्रधान कामरेड पाल सिंह ने कहा कि आज सारे पूंजीवादी देश आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और बेरोजगारी बढ़ रही है। कोरोना महामारी के समय में भी संकट का सारा बोझ मेहनतकश जनता के कंधों पर डाला जा रहा है। मंच की महासचिव कामरेड सुदेश कुमारी ने पिपली में किसानों पर और चरखी दादरी में पीटीआई शिक्षकों पर किए गए लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि कारपोरेट पूंजी के हित में किसान विरोधी कानून पास किए गए हैं।

जिला प्रेस प्रवक्ता और मुख्याध्यापक सतबीर गोयत को

विधायक और शिक्षामंत्री के खिलाफ भारी पड़ी नारेबाजी

मुख्याध्यापक के पक्ष में अभिभावकों ने सीएम विंडो में झूठी सिफारिश की शिकायत की

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रेस प्रवक्ता व मुख्याध्यापक सतबीर गोयत को अपने साथियों की मांगों का समर्थन करना इतना मंहगा पड़ेगा। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। सतबीर गोयत ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए बताया कि, उन्होंने पिछले दिनों स्थानीय विधायक, शिक्षा मंत्री व सरकार के खिलाफ अपने साथियों की आवाज को बुलंद करने के लिए सरकार विरोधी नारेबाजी की थी। जिसके परिणाम स्वरूप स्थानीय विधायक ने कथित रूप से इस बात से खिन्न होकर गांव मलिकपुर की पंचायत पर कथित तौर पर दबाव बनाकर झूठा रेजुलेशन डलवाकर शिक्षा मंत्री व उच्च अधिकारियों को भेजा है ताकि मुख्याध्यापक सतबीर गोयत का यहां से तबादला किया जाए।

वहीं दूसरी तरफ आज गांव मलिकपुर के सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी और जिला उपायुक्त व सीएम विंडो में अपनी मांगों बारे मांग पत्र देते हुए कहा कि कुछ ऐसे व्यक्तियों द्वारा जिनका सरकारी स्कूल से कोई लेना-देना नहीं है और न ही उनके बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं मुख्याध्यापक सतवीर सिंह गोयत का तबादला करवाने बारे पंचायत पर दबाव बनाकर रेजुलेशन डलवाकर शिक्षा मंत्री और उच्च अधिकारियों को भेजा गया है, जोकि गलत है। गांव वालों का कहना है कि जिन लोगों के बच्चे ही प्राइवेट स्कूलों में पढते है, वह किसी अध्यापक की कार्यप्रणाली पर कैसे सवाल उठा सकते हैं। सतवीर गोयत मुख्य अध्यापक के साथ-साथ अपने विषय के भी बहुत अच्छे अध्यापक हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले सभी बच्चे उनके व्यवहार और कार्यप्रणाली से पूरी तरह संतुष्ट हैं। मुख्याध्यापक प्राइवेट विद्यालयों से बच्चों को सरकारी विद्यालय में दाखिल करवाने के लिए घर-घर जाकर संपर्क करते हैं। गांव में मोहल्ला अनुसार बैठके लेते हैं ताकि गांव के मिडिल विद्यालय को सीनियर सेकंडरी विद्यालय बनाया जा सके। कुछ लोग जो अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ाते हैं। वो नहीं चाहते कि गांव का विद्यालय सीनियर सेकेंडरी बने और गरीब लोगों के बच्चे भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें। इसलिए गांव वासियों ने मुख्यमंत्री से इस मांग पत्र के माध्यम से मांग कि है कि किसी भी कीमत पर मुख्य अध्यापक का तबादला न होने पाए और यदि फिर भी मुख्य अध्यापक का तबादला होता है तो हम उसी दिन से विद्यालय को ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जिसकी सारी जिम्मेवारी उच्च अधिकारियों की होगी।

गांव वालों द्वारा सीएम विंडों में मुख्याध्यापक का तबादला रोकने के लिए भेजी गई अपील की प्रति।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर गगनदीप, राजेश कुमार, सतीश कुमार, शिंदा सिंह, गगन कुमार,रमेश कुमार, महेंद्र सिंह, लालू सिंह, रामभज कुमार, गुरमीत सिंह, ईश्वर सिंह,लाली कुमार, कृपाल सिंह, शिंदा, राजेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

क्या कहते हैं विधायक

जब इस संदर्भ में विधायक लीला राम से बार बार संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाईल आऊट ऑफ कवरेज एरिया जा रहा था। कई बार संपर्क करने का प्रयास करने के बावजूद भी उनसे संपर्क नहीं हो सका।

रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य कार्य : जितेंद्र चोपड़ा

रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और तुलसी का पौधा देकर किया प्रोत्साहित

पायनियर समाचार सेवा। असन्ध

सामाजिक संस्था नेशनल इंटेग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स असंध शाखा ने निफा की स्थापना के 20 वर्ष, असंध शाखा के 5 वर्ष पूरे होने तथा शहीद भगत सिंह के जन्मदिन पर गुरुद्वारा डेहरा साहिब मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे मुख्य अतिथि के तौर पर हल्का विधायक शमशेर सिंह गोगी के प्रतिनिधि के रूप में समाज सेवी जितेंद्र चोपड़ा ने शिरकत की।

शिविर मे विशेष रुप से निफा के संरक्षक डॉक्टर लाजपत राय चौधरी व राष्ट्रीय चेयरमैन प्रीतपाल सिंह पन्नू ने भाग लिया। मुख्य अतिथि का जिला प्रधान रणजीत सिंह ग्रेटा, शिविर के मुख्य परियोजना निदेशक अमरीक सिंह, ब्लाक प्रधान आलमजीत पन्नू व शाखा के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का आगाज शहीद ए आजम भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप शिखा जलाकर किया गया। शिविर मे निस्वार्थ सेवा सोसायटी, पंजाबी सभा, श्री महाकाली मंदिर सेवा समिति व शिव आराधना सेवा मंडल के सदस्यों ने भी भाग लिया। शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व प्रशस्ति पत्र के साथ साथ तुलसी का एक-एक पौधा देकर देकर उनका हौसला बढाया गया। गुरु नानक देव जी के स्थानों की मिट्टी व जल भी दिया गया।

मुख्य अतिथि विधायक असंध के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे समाज सेवी जितेंद्र चोपडा ने कहा कि रक्तदान करना मानव जीवन का सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। निफा के संरक्षक डॉक्टर लाजपत राय चौधरी ने निफा द्वारा लगातार लगाए जा रहे शिविरों को मानवता के लिए पुण्य का काम बताया ओर इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निफा चेयरमैन प्रीतपाल पन्नू ने कहा कि रक्तदान एक महादान है। शिविर के परियोजना निदेशक व निफा असंध के कार्यकारी प्रधान अमरीक सिंह ने बताया कि सोमवार को कुल 57 लोगों ने रक्तदान किया।

ई-ग्राम स्वराज: गांवों में मिलेगी हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा : बराड़

डीसी ने वीसी के माध्यम से थानेसर के 99 गांवों में किया शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने कहा कि कुरूक्षेत्र के 388 गांवों में हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा देने की योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के तहत सभी गांवों के सरपंच, सीएससी सेंटर के वीएलई, सीएचसी-पीएचसी प्राईमरी और सैंकेडरी स्कूल के प्रिंसीपल, राशन डिपू धारक, पशुपालन विभाग के चिकित्सक को प्रथम चरण में एक वर्ष के लिए नि:शुल्क इंटरनेट कनेक्शन दिया जाएगा।

अहम पहलू यह है कि ई-ग्राम स्वराज के तहत अब गांव में भी लोगों को सीएससी वाई-फाई चौपाल हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ सोमवार को उपायुक्त कार्यालय में सीएससी के अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त शरणदीप कौर बराड, अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा ने वीसी के माध्मय से थानेसर के 99 गांवों में सीएससी के माध्यम से उपलब्ध करवाए गए वाईफाई चौपाल हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा का विधिवत रुप से शुभारम्भ किया।

उपायुक्त ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में बीबीएनएल भारत ब्रॉडबैंड निगम लिमिटेड द्वारा ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। इसके लिए पंचायत स्तर पर कॉमन सर्विस सेंटर को जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे जिला की सभी पंचायतों में डिजिटल इंडिया के तहत वाईफाई ग्राम का सपना जल्द साकार हो जाएगा। वाईफाई ग्राम चौपाल से दूर-देहातों में रहने वाले लोगों को वैज्ञानिक खोजों, किसानों को कृषि संबंधी जानकारी, छात्रों को एजुकेशन एवं देश-विदेश में हो रही गतिविधियां संबंधी जानकारी मिल सकेगी। अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा ने कहा कि डिजिटल इंडिया के तहत अब लगभग हर तरह की सेवाएं ऑनलाइन हो गई है। छात्रों को नौकरी का फार्म भरना हो, ग्रामीणों को राशन कार्ड बनवाना हो, रसोई गैस बुक करवाना हो या अन्य सेवाएं लोग अपने मोबाईल या लैपटॉप से कर सकते है, चूंकि इस दौर में हर युवा के हाथ में मोबाईल पहुंच गया है। इसलिए भारत सरकार अब गांव-गांव वाई-फाई की सुविधा देने जा रही है। इसके लिए पंचायतों में हॉट-स्पॉट बनाया जाएगा। इसके लिए जिला की सभी पंचायतों में ओएफसी केबल बिछ चुकी है।

दूसरे चरण में हर ग्राम पंचायत भवन में वाईफाई के लिए यंत्र लगाए जा रहे है, इसमें इलैक्ट्रिक सप्लाई के लिए बिजली कनैक्शन और सोलर पैनल भी लगाएं जाएंगे, जो ऑटोमैटिक चलता रहेगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी सीएससी के चिन्हित वीएलई करेंगे।

अल्ट्रासाउंड की मशीन स्वास्थ्य विभाग ने की सील

घरौंडा में भगवती चन्द्र मेमोरियल अस्पताल पर हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई को रोकने के लिए जिला प्रशासन सजगता के साथ कार्य कर रहा है। पीएनडीटी एक्ट को सख्ती से लागू किया जा रहा है। उपायुक्त निशांत कुमार यादव के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला में अल्ट्रासाउंड केन्द्रों की निरंतर चेकिंग की जाती है। इसी कड़ी में पिछले दिनों स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भगवती चन्द्र मेमोरियल अस्पताल एवं अल्ट्रासाउंड केन्द्र घरौंडा का औचक निरीक्षण किया। रिकॉर्ड में कमियां पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड मशीन को सील कर दिया गया।

ये जानकारी सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि करनाल जिला के विभिन्न ब्लॉकों में स्थित अल्ट्रासाउंड केन्द्रों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा, कहीं पर भी कमियां नजर आई तो अल्ट्रसाउंड केन्द्र के संचालक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उसकी मशीन को सील किया जाएगा। उन्होंने सेन्टर संचालकों से अपील की कि वे एक्ट के तहत सरकार द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशानुसार ही कार्य करें। ताकि जिला में पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट की दृढ़ता से पालना हो सके।उन्होंने बताया कि उपायुक्त निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में पिछले दिनों बैठक हुई थी। जिसमें जिला करनाल के विभिन्न ब्लॉकों में स्थित अल्ट्रासाउंड केन्द्रों का निरीक्षण करने बारे दिए गए आदेश दिए गए थे। गठित टीम में उप सिविल सर्जन व नोडल अधिकारी पीएनडीटी डा. नरेश करडवाल, एसएमओ सीएचसी घरौंडा डा. मुनीष गोयल के अतिरिक्त गीता रानी, सुलेख कुमार तथा सुभाष सागवाल भी मौजूद रहे।

कार में करते थे लिंग परीक्षण, पुलिस ने जाल बिछाकर किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर बीती शाम लिंग जांच करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था, जिसमें एक नकली ग्राहक बनाकर लिंग करने वालों के पास भेजा था। आरोपियों के कब्जे से लिंग जांच करने की पोर्टेबल मशीन, किट व ३६ हजार रुपये की राशि बरामद की है। सभी के खिलाफ पीएनडीएक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गौरतलब है कि सरकार ने जन्म से पहले भ्रूण जांच को अपराध घोषित किया हुआ है। इसीलिए इस पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया हुआ है। पूर्व में जिला प्रशासन लिंग जांच करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में ला चुकी है। जानकारी के अनुसार बीती शाम पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मूवेबल वैन में लिंग जांच करने वाले एक ग्रुप के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला यूं हुआ कि पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग लिंग जांच का काम करते हैं। सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम गठित की। कर दी है।

कुरुक्षेत्र में एक दिन में 322 पॉजिटिव ठीक हुए

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र से 322 मरीजों को एक ही दिन में ठीक होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ कुरुक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 162 नए केस सामने आए हैं। एक कोरोना पाजीटिव मरीज की मृत्यु हो गई है। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक 4355 मरीज ठीक होकर घर लौट गए है। अहम पहलू यह है कि अभी तक लिए गए 78092 में से 72199 सैम्पलों की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने सोमवार देर सायं जारी एक हेल्थ बुलेटिन में कहा कि कुरुक्षेत्र में अलग-अलग जगहों से कोरोना वायरस से संक्रमित 162 नए केस सामने आएं है और कुरुक्षेत्र में अलग-अलग जगहों से 322 मरीजों की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

तुम सरकार तो हो मगर असरदार नहीं,
जनता के दुख-दर्द से कोई सरोकार नहीं,
तुम्हारी बातों में बनावट कुछ ज्यादा ही है,
इसलिए तुम्हारी बातों पर हमें कोई ऐतबार नहीं।

शो 'इमैजिन दैट' ने लांच के बाद मिली सफलता का शानदार जश्न मनाया

डिज्नी चैनल के नए शो के होस्ट हैं रॉब और उन्हें देशभर से मिल रहा है प्यार

देखिये 'इमैजिन दैट', हर रविवार सुबह 9:30 बजे, केवल डिज्नी चैनल पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिज्नी चैनल इंडिया हाल ही में शुरू किए गए अपने शो इमैजिन दैट की हाई रेटिंग का जश्न मना रहा है। इस शो को 6 सितंबर, 2020 को लॉन्च किया गया था। आर्ट गुरू रॉब की मेजबानी में इस शो ने बहुत कम समय में अपने दर्शकों का ध्यान खींचा है और इसे देशभर से बहुत सारा प्यार और सफलता मिली है। यह शो अपने अभिनव और अनदेखे प्रोजेक्ट्स के साथ बच्चों के बीच डू इट योरसेल्फ (डीआइवाइ) का अनोखा और मजेदार तरीका पेश करता है।

डिज्नी चैनल का इमैजिन दैट बच्चों को रोजाना अपने आस-पास दिखने वाली वस्तुओं की रिपर्पोजिंग और अपसाइकलिंग के थीम के साथ रचनात्मक तरीकों पर केन्द्रित है। इस शो का बेहद कूल दिखने वाला सेट और ट्रैशिनेटर तथा पिंगर जैसी खोजपरक, फंकी और विचित्र चीजें और रॉब के मजेदार और मनोरंजक स्टाइल ने बच्चों को इस शो के माहौल के प्यार में डुबो दिया है। डिज्नी चैनल के इमैजिन दैट शो के साथ चहेते कलाकार हारून रॉबर्ट ऊर्फ रॉब ने टेलीविजन में फिर वापसी की है।

कूल दिखने वाले लैजर जैपर्स से लेकर सुपरहीरो गॉगल्स तक, एलियंस के ईयरफोन बडीज से लेकर बॉक्स के कुछ बेहतरीन मैगाटास्टिक आर्ट तक, रॉब ने दर्शकों को कुछ असाधारण और अनोखे डू इट योरसेल्फ से जोडा है; और यह सभी चीजें हमारे घरों में मिलने वाली रोजमर्रा की चीजों से बनी हैं!

रॉब ने कहा, "इस शो को मेरे सभी फैन्स ने जो प्यार और सराहना दी है, उसके लिये मैं रोमांचित और आभारी हूं। इमैजिन दैट से हम डू इट योरसेल्फ के सदाबहार लोकप्रिय फॉर्मेट के माध्यम से अपसाइकलिंग को मजेदार और भागीदारीपूर्ण बनाना चाहते थे और मुझे खुशी है कि यह उन्हें पसंद आया है। आने वाले एपिसोड बहुत मजेदार होंगे और मुझे उम्मीद है कि वे बच्चों और उनके परिवारों को कल्पना और निर्माण करने के लिये प्रेरित करते रहेंगे।" इस शो के आगामी एपिसोड्स में बच्चों के लिये कुछ शानदार और पहले कभी न देखे गये डू इट योरसेल्फ प्रोजेक्ट होंगे। अब तक की सफल व्यूअरशिप के साथ इमैजिन दैट अपने दर्शकों को ज्यादा

सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट ने दिव्यांग समुदाय पर कोविड-19 के प्रभाव का मुद्दा उठाया

हाल ही में एक वर्चुअल इवेंट में दिव्यांगों के हित में तत्काल कदम उठाने की जरूरत पर दिया गया बल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 से पूरी दुनिया प्रभावित हुई है। ऐसे में इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि दिव्यांगजनों को किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा होगा। दिव्यांगजनों की समस्याओं पर विमर्श करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय हस्तियों का ध्यान इस ओर आकर्षित करने के लिए सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट और नेशनल एबिलिंपिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने दृष्टिकोण : दिव्यांगों के सशक्तीकरण के लिए रणनीति में बदलाव के नाम से वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार का आयोजन दिव्यांगों पर कोविड-19 के कारण पड़े असर से निपटने के प्रभावी तरीकों पर विमर्श के लक्ष्य के साथ किया। लॉकडाउन के दौरान सार्थक ने ऐसे 350 से ज्यादा बच्चों के लिए ऑनलाइन थेरेपी सेशन, 2500 से ज्यादा दिव्यांगों के कौशल विकास एवं 800 से ज्यादा दिव्यांगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया था। इससे दिल्ली, गुरुग्राम, लुधियाना, चंडीगढ़, कोलकाता, लखनऊ, भोपाल,

जयपुर, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई और विशाखापत्तनम के दिव्यांगजन लाभान्वित हुए थे।

दिनभर चले वेबिनार में दुनियाभर से कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया, इनमें क्रेडिट सुइस के वीपी कॉरपोरेट सिटीजनशिप शरमीन कुटकी, यूरोपियन सोशल नेटवर्क के सीईओ अल्फोंसो लारा मोंटेरो, कॉग्निजेंट फाउंडेशन के सीईओ राजश्री नटराजन जैसी हस्तियां शामिल रहीं। एक्सिस बैंक, एंबिट कैपिटल, लेमन ट्री ग्रुप और पीडब्ल्यूसी इंडिया जैसे कॉरपोरेट से भी वक्ताओं ने हिस्सा लिया।

सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट के फाउंडर सीईओ डॉ. जीतेंद्र अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजन राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बेहतर योगदान दे सकते हैं यदि उन्हें सही संसाधन एवं पर्याप्त अवसर दिया जाए। कोविड-19 के कारण लगी पाबंदियों में छोटी-छोटी दुकान चलाने एवं असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे बहुत से दिव्यांगों की आजीविका पर दुष्प्रभाव पड़ा।

ट्रंप ने आयकर के तौर पर 750 डॉलर का भुगतान किया : न्यूयॉर्क टाइम्स

भारत में 2017 के दौरान कर के रूप में 1,45,40 अमेरिकी डॉलर की रकम चुकाई

वाशिंगटन। मीडिया में आई एक खबर के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस वर्ष राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हुए और उसके बाद व्हाइट हाउस में अपने पहले वर्ष के दौरान उन्होंने संघीय आयकर के तौर पर महज 750 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया। खबर में यह भी दावा किया गया कि उन्होंने और उनकी कंपनियों ने भारत में 2017 के दौरान 1,45,400 अमेरिकी डॉलर की रकम कर के रूप में चुकाई।

ट्रंप 2016 में राष्ट्रपति पद की दौड़ में रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर शामिल हुए थे और उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन पर चौंकाने वाली जीत हासिल की थी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रविवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक, डोनाल्ड जे ट्रंप ने जिस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव जीता उस वर्ष 750 अमेरिकी डॉलर संघीय आयकर के तौर पर अदा किए। व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल के पहले वर्ष के दौरान उन्होंने 750 अमेरिकी डॉलर और आयकर के तौर पर चुकाए। अखबार ने उनके बीते 20 सालों के कर भुगतान के आंकड़ों के विश्लेषण के बाद यह जानकारी दी। यह खुलासा उस अहम मौके से ठीक पहले हुआ है जब मंगलवार को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच बहस (प्रेसीडेंशियल डिबेट) होनी है और कुछ हफ्तों बाद ही तीन नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक जो बाइडेन के साथ उनका निर्णायक मुकाबला होना है।

खबर में कहा गया कि ट्रंप ने पिछले 15 वर्षों में से 10 वर्षों तक कोई आयकर अदा नहीं किया क्योंकि ट्रंप ने दिखाया कि इस दौरान कमाई से कहीं ज्यादा उन्हें नुकसान हुआ था। व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने इस खबर को फेक न्यूज (गलत खबर) बताकर खारिज किया था। कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को अपनी व्यक्तिगत आय का विवरण जारी करने की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन रिचर्ड निक्सन के बाद से सभी ने इसे सार्वजनिक किया है। अपने आयकर भुगतान को बेहद गोपनीय रखने वाले ट्रंप आधुनिक समय में एकमात्र राष्ट्रपति हैं जो इन्हें सार्वजनिक नहीं करते।

ट्रंप ने वास्तव में उनके आयकर रिटर्न की जानकारी चाहने वालों को अदालत में चुनौती दी थी, इनमें अमेरिकी सदन भी शामिल है जो संसदीय निगरानी के हिस्से के तौर पर ट्रंप के आयकर रिटर्न से जुड़ी जानकारी चाहता था। न्यूयॉर्क टाइम्स की अन्वेषणात्मक खबर के मुताबिक ट्रंप ने कर संबंधी विवरण को गोपनीय रखने के लिए काफी लंबी लड़ाई लड़ी है जो उनके पूर्व में अमेरिकी जनता के समक्ष दिए उस बयान से मूल रूप से अलग है जिसमें उन्होंने विवरण देने की बात कही थी।

खबर के मुताबिक, आईआरएस (आंतरिक राजस्व सेवा) को दी जाने वाली उनकी रिपोर्ट उन्हें एक कारोबारी के तौर पर दिखाती है जो प्रतिवर्ष लाखों डॉलर लेता है और भारी नुकसान की बात करता है जिससे वह कर देने से खुद को बचा सके। अब बढ़ती वित्तीय चुनौतियों के साथ आंकड़े दिखाते हैं कि उन कारोबार से अधिक से अधिक धन कमाने पर निर्भर हैं जो उन्हें ज्यादा संभावना से भरे नजर आते हैं हालांकि इससे अक्सर राष्ट्रपति के तौर पर उनके हितों का प्रत्यक्ष टकराव होता दिखता है।

खबर में खुलासा किया गया है कि व्हाइट हाउस में अपने पहले दो सालों के दौरान ट्रंप को विदेशों से कुल 7.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ जिनमें से अधिकतर स्कॉटलैंड और आयरलैंड में उनकी गोल्फ संपत्तियों से हुई आय है। फिलीपींस, भारत और तुर्की में लाइसेंसी देने संबंधी सौदों से भी उन्हें क्रमशः 30 लाख, 23 लाख और 10 लाख अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिला।

खबर के मुताबिक, उन्होंने अपने कई विदेशी उपक्रमों के बदले भी कर का भुगतान किया। वर्ष 2017 में राष्ट्रपति ने अमेरिकी सरकार को महज 750 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जबकि इसी दौरान उन्होंने या उनकी कंपनियों ने पनामा में 15,598 अमेरिकी डॉलर भारत में 1,45,400 अमेरिकी डॉलर और फिलीपींस में 1,56,824 अमेरिकी डॉलर कर के तौर पर चुकाए। इस बीच व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने रविवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर को बिल्कुल गलत खबर करार देते हुए दावा किया कि मीडिया घराने ने पहले भी यही चीज करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, यह गलत खबर है। यह पूरी तरह गलत खबर है। बनाई हुई है। हम ऐसी ही खबरें पहले भी देख चुके हैं।

आप चार साल पहले भी मुझसे यही सवाल पूछ सकते थे। मुझे इस पर मुकदमा करना चाहिए था और इस बारे में बात करनी चाहिए थी। ट्रंप ने कहा, मैंने कर अदा किया है, आप मेरा टैक्स रिटर्न आते ही इसे देखेंगे- फिलहाल इसका अभी आकलन चल रहा है। वे बीते कुछ समय से आकलन हो रहा है। एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कर के तौर पर काफी रकम का भुगतान किया है।

दक्षिण चीन सागर में धौंस जमाने के लिए

अपनी सैन्य चौकियों का इस्तेमाल कर रहा है चीन : अमेरिका

मलेशिया, फिलिपीन, ताईवान और वियतनाम के भी दावे वाले दीपों पर कर रहा सैन्य निर्माण

चीन बोला, संसाधन समृद्ध इस समुद्री क्षेत्र पर सैकड़ों वर्षों से उसका मालिकाना हक

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर में चीन अपनी चौकियों का इस्तेमाल धौंस जमाने तथा उस जल क्षेत्र में अपना कब्जा जमाने के लिए कर रहा है जिस पर उसका कानूनन हक नहीं है। अमेरिका ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से कहा कि वह समुद्री क्षेत्र में अपने इन निर्माणों का किसी अन्य देश को प्रभावित करने या हमला करने के लिए इस्तेमाल नहीं करने के अपने वादे का सम्मान करें।

बीजिंग 13 लाख वर्गमील में फैले लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा जताता है। चीन क्षेत्र में उन कृत्रिम द्वीपों पर सैन्य ठिकानों का निर्माण कर रहा है जिन पर ब्रुनेई, मलेशिया, फिलिपीन, ताईवान तथा वियतनाम भी अपना दावा जताते हैं। बीजिंग ने हाल के वर्षों में पड़ोसी राष्ट्रों द्वारा इलाके में मछली पकड़ने तथा खनिज उत्खनन जैसी गतिविधियों को अवरूद्ध किया है। कहा है कि संसाधन समृद्ध इस समुद्री क्षेत्र पर सैकड़ों वर्षों से उसका मालिकाना हक है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टगस ने रविवार को कहा कि पांच साल पहले 25 सितंबर, 2015 को चीन के राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में वादा किया था कि चीन का द्वीपों का सैन्ईकरण करने का इरादा नहीं है और चीन की चौकियां किसी को निशाना नहीं बनाएंगी या किसी देश को प्रभावित नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि लेकिन इसके बजाए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) समर्थित चीन की सरकार ने इन विवादित चौकियों का अंधाधुंध तरीके से सैन्यीकरण करना शुरू कर दिया, यहां पोत भेदी क्रूज मिसाइलों की तैनाती की, लड़ाकू विमानों के लिए कई दर्जन हैंगर तथा रनवे बनाए। ऑर्टगस ने कहा, सीसीपी ने इन सैन्यीकृत चौकियों का इस्तेमाल धमकाने तथा उस जलक्षेत्र पर कब्जा जमाने के लिए किया जिन पर उसका कानूनन कोई अधिकार नहीं है। अनुरोध करते हैं कि वे इस खतरनाक एवं अस्वीकार्य व्यवहार के खिलाफ आवाज बुलंद करें और सीसीपी को यह साफ कर दें कि उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। दक्षिण चीन सागर में चीन के प्रतिरोधी प्रयासों के खिलाफ अमेरिका दक्षिण-पूर्वी एशियाई सहयोगियों और साझेदारों के साथ खड़ा है।

विवादों के बीच चीन ने दक्षिण चीन सागर में अभ्यास किया

बीजिंग। चीन अपने दक्षिणपूर्वी एशियाई पड़ोसी देशों तथा अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच दक्षिण चीन सागर में सैन्य अभ्यास कर रहा है। समुद्री सुरक्षा प्रशासन ने रविवार से शुरू होकर सोमवार तक चलने वाले सैन्य अभ्यास के बारे में जानकारी दी और अभ्यास स्थल के इर्दगिर्द के समुद्री इलाकों को बंद करने की घोषणा की। चीन यहां नियमित तौर पर अभ्यास करता रहा है। इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में चीन के जंगी विमान दक्षिण चीन सागर के उत्तरी हिस्से में ताईवान के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए थे।

आईटीआई कुछ महीनों में बना लेगा 4जी, 5जी उपकरण : टेक महिंद्रा

नई दिल्ली। आईटी कंपनी टेक महिंद्रा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई लिमिटेड के साथ प्रौद्योगिकी साझा करने के अग्रिम चरण में है और महिंद्रा समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आईटीआई अगले कुछ महीनों में 4जी और 5जी उपकरण बनाने में सक्षम होगी। टेक महिंद्रा नेटवर्क सेवा के सीईओ मनीष व्यास ने कहा कि चीन के साथ भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच देश में बड़े पैमाने पर स्वदेशी तकनीक पर आधारित सॉफ्टवेयर तैयार करने के लिए शानदार अवसर हैं।

कंपनी ने जून में 4जी और 5जी प्रौद्योगिकी के विकास के लिए आईटीआई लिमिटेड के साथ समझौता किया था। व्यास ने कहा, हम डिजाइन के आदान-प्रदान के चरण में हैं, योजना पर काम कर रहे हैं और विनिर्माण तकनीक पर आधारित प्रायोगिक परीक्षण भी किए जा रहे हैं। हम अत्यंत अग्रणी चरण में हैं। इसमें सालों नहीं, बल्कि कुछ महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आईटीआई इस क्षेत्र में कितनी जल्दी कारोबार शुरू करती है। उन्होंने कहा कि आईटीआई के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण साझेदारी सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी को फिर से पटरी पर लाने की सरकार की इच्छा के अनुरूप है। सरकारी नियमों के तहत आईटीआई को सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल के नेटवर्क स्थापना के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की आपूर्ति में कोटा हासिल है। इसके अलावा आईटीआई के पास रक्षा क्षेत्र के लिए संचार नेटवर्क बनाने के लिए 7,796 करोड़ रुपए का ठेका भी है। व्यास ने कहा कि आईटीआई की उच्च-स्तरीय विनिर्माण में वापसी उसके और अन्य भारतीय विनिर्माताओं के लिए एक शानदार अवसर होगा।

टेक महिंद्रा पहले से ही 5जी तकनीक के विकास पर जापान के राकुटेन मोबाइल के साथ काम कर रही है। व्यास ने कहा कि कंपनी सीधे दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण में नहीं उतरेगी, बल्कि नेटवर्क गियर विकसित करने में दुनिया भर की कंपनियों की मदद करेगी।

अब ऐसे दोबारा उपयोग हो सकेगा मास्क एन-95

मास्क को ऊष्मा और नमी के संयोजन से संक्रमणमुक्त करने का तरीका ढूंढा

ह्यूस्टन। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के बावजूद एन-95 मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों की कमी की वजह से इनका दोबारा इस्तेमाल करने को मजबूर स्वास्थ्य कर्मियों की इस समस्या का वैज्ञानिकों ने समाधान ढूंढ लिया है। शोधकर्ताओं ने एन-95 मास्क को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए ऊष्मा और नमी का संयोजन करके उसे संक्रमण-मुक्त करने का एक नया तरीका खोजा है।

हालांकि, ऊर्जा विभाग के एसएलएसी नेशनल एक्सीलिरेटर लेबोरेटरी, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास की चिकित्सकीय शाखा के शोधकर्ताओं ने पाया कि उच्च सापेक्ष आर्द्रता में धीरे-धीरे एन-95 मास्क को गर्म करने से उनकी गुणवत्ता में गिरावट के बिना मास्क के भीतर फंसे सार्स-कोव-2 वायरस को निष्क्रिय किया जा सकता है। इस शोध-पत्र के वरिष्ठ लेखक स्टैनफोर्ड के भौतिक विज्ञानी स्टीवन चू ने कहा, यह वास्तव में एक समस्या है, इसलिए यदि आप कुछ दर्जन बार मास्क को रीसाइकल करने का तरीका ढूंढ सकते हैं, तो यह समस्या दूर हो जाती है।

चू ने कहा, आप प्रत्येक डॉक्टर या नर्स की कल्पना कर सकते हैं कि उनके पास एक दर्जन से अधिक मास्क का अपना निजी संग्रह होने जा रहा है। कॉफी ब्रेक के दौरान वे अपने मास्क को संक्रमण-मुक्त कर सकेंगे।

कर्नाटक की पर्यटन नीति में 2025 तक 5,000 करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने रविवार को अपनी नई पर्यटन नीति जारी की, जिसका मकसद 10 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार तैयार करना और 2025 तक 5,000 करोड़ रुपये का निवेश जुटाना है। नई नीति के साथ ही सरकार ने 2025 तक जीएसडीपी में पर्यटन की हिस्सेदारी को 14.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया है। इस नीति को मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा और पर्यटन मंत्री सीटी रवि ने जारी किया। सरकार ने एक बयान में कहा कि पर्यटन नीति में कृषि पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन पर खासतौर से फोकस किया गया है, ताकि लोग स्थानीय खानपान, संस्कृति, परंपरा और कला जैसे कर्नाटक के ग्रामीण जीवन के विभिन्न पहलुओं से रूबरू हो सकें।

सेंसेक्स में 300 अंकों से अधिक का उछाल, निफ्टी 11,150 के करीब

मुंबई। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 300 अंकों से ज्यादा का उछाल देखने को मिला। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बढ़त देखने को मिली।

शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 326.57 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 37,715.23 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 96.05 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 11,146.30 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक तीन प्रतिशत की तेजी बजाज फाइनेंस में हुई। इसके अलावा ओएनजीसी, एनटीपीसी, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक में भी बढ़त के साथ कारोबार हो रहा था। दूसरी ओर इंफोसिस, टीसीएस, भारती एयरटेल और एचयूएल में गिरावट देखने को मिली।

पिछले सत्र में सेंसेक्स 835.06 अंक या 2.28 प्रतिशत बढ़कर 37,388.66 अंक पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 244.70 अंक या 2.26 प्रतिशत बढ़कर 11,050.25 पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को सकल आधार पर 2,080.21 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची। कारोबारियों के मुताबिक ज्यादातर एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुझान के चलते घरेलू बाजार में भी तेजी के साथ शुरुआत हुई। हांगकांग, टोक्यो और सियोल के शेयर बाजार दोपहर के सौदों के दौरान बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे, जबकि शंघाई लाल रंग में था।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा के मुताबिक एक अप्रैल को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की समीक्षा बैठक के नतीजों पर बाजार की कड़ी नजर होगी। इसके अलावा कारोबारियों की नजर ऑटो बिक्री के आंकड़ों पर भी होगी।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र ने लॉकडाउन ब्याज पर जल्द निर्णय का वादा किया

केंद्र ने न्यायालय में कहा, टाली किस्तों पर बैंकों केब्याज लेने पर फैसला होगा 2-3 दिन में

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर ऋण की किस्त टालने की अवधि के दौरान बैंकों द्वारा ब्याज वसूलने पर 2-3 दिन में फैसला होने की संभावना है। शीर्ष अदालत ने टाली गई किस्तों पर ब्याज लेने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र से निर्णय को रिकॉर्ड में लाने और संबंधित पक्षकारों को हलफनामा देने को कहा।

केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया कि इस मामले में बहुत गंभीरता के साथ विचार किया गया है और निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद उन्नत स्तर पर है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह विभिन्न उद्योगों, व्यापार संघों और व्यक्तियों द्वारा दायर याचिका की सुनवाई पांच अक्टूबर को करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायामूर्ति एम आर शाह भी शामिल हैं। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बयान को दर्ज किया। मेहता ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार सक्रियता के साथ विचार कर रही है और इस पर दो-तीन दिनों के भीतर फैसला होने की संभावना है। पीठ ने कहा कि मेहता गुरुवार तक संबंधित पक्षों को हलफनामा देने का प्रयास करें, ताकि इस मामले की सुनवाई पांच अक्टूबर को हो।

पीठ ने कहा, सरकार द्वारा लिए गए फैसले को हलफनामे के साथ रिकॉर्ड में लाया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और निर्णय लेने के बाद हलफनामा दाखिल किया जा सकता है। इसके बाद पीठ ने कहा, उन्होंने (मेहता) ने कहा है कि वह मामले में उपस्थित वकीलों को एक अक्टूबर तक ईमेल के जरिए हलफनामा भेज देंगे। मामले की सुनवाई पांच अक्टूबर 2020 को होगी। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार कई आर्थिक पहलुओं पर विचार कर रही है। पीठ ने कहा, हम सोमवार (पांच अक्टूबर) को मामले की सुनवाई करेंगे। आपकी जो भी नीति है, जो भी आप चाहते हैं, उसे बताइए।

हम इस मामले को सोमवार को सुनेंगे। हम आगे कोई स्थगन नहीं चाहते हैं। मुख्य याचिकाकर्ता गजेंद्र शर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव दत्ता ने कहा कि यह एक बेहद महत्वपूर्ण मामला है और बैंक ऐसे काम कर रहे हैं, मानो यह एक बहुत ही सामान्य मुद्दा है। मेहता ने उनसे 2-3 दिन इंतजार करने का अनुरोध किया, ताकि सरकार अंतिम फैसला ले सके। मेहता ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह विचाराधीन है और यह बहुत ही उन्नत चरण में है।

यात्रियों का भरोसा बहाल करने को सशक्त सरकारी नीतियों की जरूरत : विशेषज्ञ

घर के आसपास घूमने का बढ़ेगा रुझान

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित यात्रा और पर्यटन क्षेत्र को सशक्त सरकारी नीतियों की जरूरत है, ताकि नई परिस्थितियों में संभावनाओं को साकार किया जा सके। उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने रविवार को ये बात कही।

विशेषज्ञों से सुझाव दिया कि कोविड-19 के बाद छोटी अवधि की छुट्टियों और घर के आसपास घूमने-फिरने का रुझान बढ़ेगा। उन्होंने घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में एक समान प्रोटोकॉल का आह्वान किया। महाराष्ट्र की प्रधान सचिव (पर्यटन, उत्पाद शुल्क और नागर विमानन) वल्सा नायर सिंह ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन वार्ता में कहा कि इस समय ऐसी नीतियों पर खासतौर से ध्यान देने की जरूरत है, जिनसे कोविड-19 के बाद पर्यटन को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि नई सामान्य परिस्थितियों के लिए नीतियां बनानी होंगी।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन के निदेशक (तकनीकी सहयोग और सिल्क रोड विकास) सुमन बिल्ला ने कहा कि यूएनडब्ल्यूटीओ का अनुमान है कि इस साल अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में कमी होगी। उन्होंने कहा कि जो लोग देश से बाहर जाने वाले थे, उन्हें स्थानीय पर्यटन के लिए प्रेरित कर, हालात को बेहतर बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप अभियान के पूर्व प्रबंधक पार्स्कल अस्पताल में भर्ती

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अभियान के पूर्व प्रबंधक ब्रैड पार्स्कल को रविवार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उनकी पत्नी ने पुलिस को फोन कर बताया था कि पार्स्कल के पास कई हथियार हैं और वह खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे रहे हैं। फ्लोरिडा पुलिस और अभियान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सार्जेंट डेआना ग्रीनलॉ ने कहा कि पार्स्कल को बेकर कानून के तहत अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बेकर कानून खुद को या दूसरों को नुकसान पहुंचा सकने वाले किसी भी व्यक्ति को 72 घंटे की हिरासत में लेने तथा उसके मनोवैज्ञानिक आकलन की इजाजत देता है। ट्रंप अभियान के संचार निदेशक टिम मुर्टॉ ने कहा, ब्रैड पार्स्कल हमारे परिवार के सदस्य हैं, हम उन्हें प्रेम करते हैं। हम उन्हें तथा उनके परिवार की हर संभव मदद करने को तैयार हैं। पार्स्कल को जुलाई में पदावनति करके अभियान के प्रबंधक के पद से हटा दिया गया था हालांकि वह अभियान के सदस्यों में शामिल थे। उनकी जगह बिल स्टेपियन को अभियान का प्रबंधक बना दिया गया था।

आर्मेनिया और अजरबैजान में फिर शुरू हुई लड़ाई, 18 की मौत

एरेवान (आर्मेनिया)। आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवादित अलगाववादी क्षेत्र नागोरनो-काराबाख को लेकर फिर से लड़ाई शुरू हो गई है। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अब तक 16 सैनिक और दो आम नागरिक मारे गए हैं और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलिएव ने इस बीच कहा कि उनकी तरफ भी सैन्य नुकसान हुआ है हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। आर्मेनिया ने यह दावा भी किया कि अजरबैजान के चार हेलिकॉप्टरों को मार गिराया गया और 33 टैंकों तथा लड़ाकू वाहनों को भी निशाना बनाया गया। अजरबैजान ने पूर्व में किए गए उस दावे को खारिज किया था कि उसके दो हेलीकॉप्टरों को मार गिराया गया है। जिस इलाके में आज सुबह लड़ाई शुरू हुई है, वह अजरबैजान के तहत आता है लेकिन यहां पर 1994 से ही आर्मेनिया द्वारा समर्थित बलों का कब्जा है। लड़ाई शुरू होने की वजह का पता नहीं चल सका है लेकिन इससे पहले जुलाई में झड़पें हुई थीं जिनमें दोनों तरफ के मिलाकर कुल 16 लोगों की मौत हुई थी। अजरबैजान के कुछ क्षेत्रों में मार्शल लॉ लगाया गया है तथा कुछ प्रमुख शहरों में कर्फ्यू के आदेश भी दिए गए हैं।

मेक्सिको के बार में गोलीबारी, 11 की मौत

मेक्सिको सिटी। गुआनाजुआटो के एक बार में रविवार को एक बंदूकधारी ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में चार महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत हो गई। सरकारी अभियोजकों ने कहा कि जराल डेल प्रोग्रेसो शहर के निकट स्थित बार में गोलियों से छलनी शव मिले। यह इलाका मिकोआकैन राज्य की सीमा के निकट है और यही जालिस्को गिरोह के लिए घुसपैठ का स्थल है जो गुआनाजुआटो में आना चाहता है। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मृतकों में जो चार महिलाएं हैं वो संभवतः बार में काम करती थीं। इस हमले के पीछे का कारण पता नहीं चल पाया है हालांकि इसे अंजाम देने के पीछे मादक पदार्थ से जुड़े गिरोहों का हाथ होने के संकेत मिले हैं।

सेबी ने साइप्रेस मनी के निवेशकों से रिफंड के दावे आमंत्रित

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने साइप्रेस मनी इंवेस्टमेंट एडवाइजर के ग्राहकों से धन वापसी (रिफंड) के दावे आंमंत्रित करने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू कर दी। साइप्रेस मनी ने गैर-पंजीकृत निवेश परामर्श इकाई के जरिए शुल्क और शोध विश्लेषक सेवाओं से धन जुटाए हैं। बाजार नियामक सेबी ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि लोग रिफंड के अपने दावे 30 नवंबर तक जमा करा सकते हैं। सेबी के मुताबिक साइप्रेस मनी और उसके सहयोगी अनुभव कांडपाल, सौम्या काला और सुमन काला अक्टूबर 2015 से जून 2017 के बीच लोगों को निवेश परामर्श सेवाएं उपलब्ध करा रहे थे। साथ ही शोध विश्लेषक सेवाओं के तौर पर शेयरों में निवेश करने के सुझाव भी दे रहे थे। इस तरह की सेवाओं के लिए शुल्क रूप में इन्होंने 90 शहरों से 14.7 लाख रुपए जुटाए। ये सभी सेबी के साथ पंजीकरण कराए बिना निवेश परामर्शक और शोध विश्लेषक की सेवाएं उपलब्ध करा रहे थे। सेबी ने मई 2018 में साइप्रेस मनी और उसके सहयोगियों पर प्रतिभूति बाजार में काम करने पर कम से कम तीन साल की रोक लगा दी थी और उन्हें ग्राहकों का पैसा वापस करने के निर्देश दिए थे। साइप्रेस मनी और उसके सहयोगी ग्राहकों का पैसा वापस करने में असफल रहे। इसके बाद सेबी ने फरवरी 2019 में उनसे वसूली प्रक्रिया शुरू की।

जी-20 देशों के नेताओं का वीडियो कॉफ्रेंस से होगा सम्मेलन

दुबई। इस साल जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता कर रहे सऊदी अरब ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते वैश्विक नेताओं की आगामी नवंबर में होने वाली बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित की जाएगी। सऊदी अरब ने महामारी से पहले जी-20 शिखर सम्मेलन के तहत रियाद में वैश्विक नेताओं की मेजबानी करने की योजना बनाई थी। यदि यह योजना साकार होती हो सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मंच साझा करने का मौका मिलता। सऊदी अरब ने कहा कि 21-22 नवंबर को वर्चुअल शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता किंग सलमान करेंगे। इस संबंध में जारी एक बयान के मुताबिक बैठक के दौरान महामारी के दौरान उजागर हुईं कमजोरियों को दूर करने और बेहतर भविष्य की नींव रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बयान के मुताबिक जी-20 देशों ने कोविड-19 वैक्सीन के उत्पादन और चिकित्सीय मदद के लिए 21 अरब डॉलर से अधिक का योगदान किया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए 11,000 अरब डॉलर लगाए हैं। जी-20 मंच दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

सरकार ने वैकल्पिक ईंधन के मानदंडों को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने विभिन्न वैकल्पिक ईंधन के लिए नियमों को अधिसूचित किया है। सड़क परिवहन, राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री ने एक ट्वीट में कहा, ऑटोमोटिव में उत्सर्जन घटाने के लिए सीएनजी की तुलना में एच-सीएनजी (हाइड्रोजन का 18 प्रतिशत मिश्रण) के इस्तेमाल का परीक्षण करने के बाद, भारतीय मानक ब्यूरो ने हाइड्रोजन युक्त संपीड़ित प्राकृतिक गैस (एच-सीएनजी) के निर्देशों को तैयार किया है। ऑटोमोटिव ईंधन के रूप में एच-सीएनजी के इस्तेमाल के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में संशोधन की अधिसूचना प्रकाशित की गई है। उन्होंने कहा कि यह परिवहन क्षेत्र में वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन की दिशा में एक कदम है।

जेल से रिहा होने के बाद वेटिकन लौटेंगे कार्डिनल पेल

कैनबरा। पोप फ्रांसिस के पूर्व वित्त मंत्री एवं कार्डिनल जॉर्ज पेल ऑस्ट्रेलिया में बाल उत्पीड़न के मामले में बरी होने के बाद पहली बार वेटिकन पहुंचेंगे। हेराल्ड सन अखबार के मुताबिक पेल मंगलवार को हवाई मार्ग से रोम आएंगे। पिछले हफ्ते पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल के एक प्रमुख शक्तिशाली विरोधी कार्डिनल एंजेलो बेसियू को वित्तीय गड़बड़ी के आरोप के बाद हटा दिया था। पेल वेटिकन में वरीयता क्रम में तीसरे शीर्ष अधिकारी माने जाते हैं। वह वेटिकन में वित्तीय अव्यवस्थाओं को ठीक करने के प्रयास कर रहे थे। उसी दौरान, 2017 में वह अपने मूल स्थान ऑस्ट्रेलिया लौटे ताकि बाल यौन उत्पीड़न के दशकों पुराने आरोपों का सामना कर सकें। उन्हें इन आरोपों का दोषी माना गया। वह 13 महीने जेल में रहे। पेल को अप्रैल में ऑस्ट्रेलियाई हाईकोर्ट ने 1990 के दशक के इन बाल यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया।

मानव तस्करी में यूनान पुलिस ने तीन किए गिरफ्तार

थेसालोनिकी (यूनान)। यूनान पुलिस ने रविवार को पाकिस्तानी मूल के तीन लोगों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से एक अफगान परिवार के चार सदस्यों समेत सात लोगों को मुक्त कराया। गिरफ्तार आरोपियों ने इन लोगों को यूनान की सीमा में घुसने में मदद की थी और उन्हें बंधक बना लिया और रिहाई के लिए धन की मांग कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उसने शुक्रवार को उत्तरी शहर थेसालोनिकी के बाहर दो स्थानों पर छापेमारी की और बंधकों को मुक्त कराने के साथ ही मानव तस्करों को गिरफ्तार किया। अफगान परिवार में 66 वर्षीय पिता, 42 वर्षीय मां, 14 साल का लड़का और 16 साल की लड़की शामिल हैं। इन लोगों ने करीब एक हफ्ते पहले तुर्की से यूनान की सीमा में प्रवेश किया था। पुलिस ने कहा कि तस्करों ने उन्हें बंधक बनाकर रखा था और बच्चों को माता-पिता से अलग कर दिया था।

देशभर के धरोहर प्रेमियों ने सरकार से पटना कलेक्ट्रेट को ध्वस्त नहीं करने की अपील की

गंगा नदी के किनारे स्थित प्रतिष्ठित परिसर को ध्वस्त नहीं करने की अपील की है

नई दिल्ली/पटना

देशभर के कई धरोहर प्रेमियों ने सरकार से सदियों पुराने पटना कलेक्ट्रेट को ध्वस्त न करने की अपील करते हुए कहा कि इस पर अधिक ध्यान देने से सरकार को राजस्व हासिल करने में मदद मिल सकती है। इसके अधिकतर हिस्सों का निर्माण डच युग में किया गया था। बिहार की राजधानी में बने इस ऐतिहासिक स्थल का भाग्य फिलहाल अधर में लटका है। पटना से वडोदरा और दिल्ली से कोलकाता तक के विशेषज्ञों तथा आम लोगों ने सरकार से एक बार फिर गंगा नदी के किनारे स्थित प्रतिष्ठित परिसर को ध्वस्त नहीं करने की अपील की है। विश्व पर्यटन दिवस यानी रविवार को इन लोगों ने सरकार से यह अपील की। विरासत पर काम करने वाले संगठन इनटैक की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने 18 सितम्बर को पटना कलेक्ट्रेट को ध्वस्त करने के आदेश पर रोक लगा दी थी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके नए परिसर की आधारशिला रखी थी और राज्य के चुनाव से पहले अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास किया था लेकिन उसके दो दिन बाद शीर्ष अदालत ने इसे ध्वस्त करने के आदेश पर रोक लगा दी। कोलकाता के संरक्षण वास्तुकार मनीष चक्रवर्ती ने कहा कि पर्यटन का उपयोग शिक्षा और विरासत के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने दोनों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में, एक नया रुझान शुरू हो रहा है, जिसमें लोग अब एक शहर की वास्तविक जीवित विरासत का अनुभव करना चाहते हैं, जिसपर लोग रोजाना बात करते हैं। वे शहर के ऐतिहासिक तत्वों के बारे में कम बात करना चाहते हैं, जो केवल प्रसिद्ध या प्रसिद्ध लोगों के बारे में हों और पटना के लिए, कलक्ट्रेट ऐसा ही एक ऐतिहासिक स्थल है।

पुनर्विचार करे बिहार सरकार : चक्रवर्ती

पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में यूनेस्को की पुरस्कृत योजना के लिए काम कर चुके चक्रवर्ती ने बिहार सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने और इस शहर की इस अमूल्य धरोहर को दूर ना रने की अपील की। बिहार सरकार ने 2016 में इसे ध्वस्त करने को एक प्रस्ताव रख, एक नए परिसर के निर्माण के लिए रास्ता बनाया था, जिसका भारत और विदेशों में विभिन्न स्तरों पर विरोध किया गया था। तत्कालीन डच राजदूत अल्फोंस स्टोइलिंग ने 2016 में बिहार के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पटना कलेक्ट्रेट को भारत और नीदरलैंड की साझा विरासत के रूप में संरक्षित करने की अपील भी की थी। पटना की बीना मिश्रा (67) ने कहा कि दुनिया भर में लोग अपनी पुरानी इमारतों को संरक्षित कर रहे हैं, लेकिन हमारी सरकार उसके विरासत मूल्य और पर्यटन की संभावनाओं का इस्तेमाल करने के बजाय, इसे ध्वस्त करने पर तुली हुई है। दिल्ली के ब्रांड रणनीतिकार रमेश ताहिलियानी ने विध्वंस के आदेश को लापरवाही भरा और एक खतरनाक कदम करार देते हुए कहा कि यह अतीत के गौरव के शहर को बर्बाद कर सकता है।

शिवसेना एवं शिअद के निकलने के बाद राजग में अब क्या बचा : सामना

कृषि विधेयकों के विरोध में अकाली दल ने राजग से नाता तोड़ लिया

महाराष्ट्र में राकांपा एवं कांग्रेस के साथ सरकार अच्छा काम कर रही है : शिवसेना

मुंबई। कृषि विधेयकों के विरोध में केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से शिरोमणि अकाली दल के निकलने के बाद शिवसेना ने सोमवार को आश्चर्य जताया कि क्या राजग का अब भी वास्तव में कोई वजूद है। उसने साथ ही सवाल किया कि अब इसमें और कौन बाकी हैं।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है कि यह अजीब है कि राजग के अंतिम स्तंभ अकाली दल को गठबंधन से हटने से नहीं रोका गया। संपादकीय में कहा गया है, जब बादल (राजग से) हटे तो उन्हें रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई। इससे पहले शिवसेना भी राजग से हटी। इन दोनों हटने के बाद राजग में अब बचा क्या है? जो अब भी गठबंधन में हैं उनका क्या हिंदुत्व से क्या कोई लेना देना है? संपादकीय में कहा गया है, पंजाब और महाराष्ट्र वीरता का प्रतिनिधित्व करते हैं और शिवसेना एवं शिअद इस वीरता एवं बहादुरी का चेहरा हैं।

संपादकीय में कहा गया है, अब जब कुछ ने इस गठबंधन को रामराम (अलविदा) कह दिया है और इसलिए, राजग में अब राम नहीं बचे हैं जिसने अपने दो शेर (शिवसेना एवं शिअद) खो दिए हैं। संसद में कृषि विधेयकों के पारित किए जाने के विरोध में अकाली दल ने शनिवार को राजग से नाता तोड़ लिया। शिवसेना एवं तेलुगु देशम पार्टी के बाद हाल के समय में राजग से गठबंधन तोड़ने वाला अकाली दल तीसरा बड़ा घटक है।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के पद को लेकर विवाद के बाद शिवसेना ने पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद राजग को अलविदा कह दिया। संपादकीय में कहा गया है, पहले शिवसेना को राजग से अलग होना पड़ा। अब अकाली दल ने छोड़ा। दो मुख्य स्तंभों के बाहर निकलने के बाद क्या वास्तव में राजग अब भी बचा हुआ है? संपादकीय के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के खिलाफ मजबूत गठबंधन बनाने के लिए राजग का गठन किया गया था। पिछले कुछ साल में इस गठबंधन ने बड़े उतार चढ़ाव देखे हैं और कई अन्य दल भी गठबंधन छोड़ चुके हैं।

शिवसेना ने कहा कि महाराष्ट्र में राकांपा एवं कांग्रेस के साथ सरकार अच्छा काम कर रही है और मौजूदा गठबंधन सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

ट्रैक्टर जलाने की घटना पर भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया

किसानों को गुमराह करने के लिए जो नाटक किया उससे देश शर्मिंदा हुआ है

नई दिल्ली। इंडिया गेट पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं द्वारा ट्रैक्टर में कथित तौर पर आग लगाने की घटना पर भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए सोमवार को कहा कि उसने प्रचार पाने और किसानों को गुमराह करने के लिए जो नाटक किया उससे देश शर्मिंदा हुआ है।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि जिस तरह से प्रदर्शन हुआ, ट्रैक्टर को ट्रक के जरिए पहले यहां लाया गया और फिर उसे आग लगाई गई, यह निंदनीय है। उन्होंने घटना के बारे में संवाददाताओं से कहा, आज कांग्रेस ने देश को शर्मिंदा किया। पहले ट्रैक्टर को ट्रक में लादकर इंडिया गेट पर लाया गया और फिर इसमें आग लगाई गई, कांग्रेस के इस नाटक की हम निंदा करते हैं। पार्टी किसानों के नाम पर राजनीति करने की कोशिश कर रही है और उसके चेहरे से नकाब हट गया है। उसने ए नाटक प्रचार के लिए किया।

पुलिस ने बताया कि करीब 15-20 लोगों ने सोमवार की सुबह इंडिया गेट पर एक ट्रैक्टर में आग लगा दी थी। ये लोग पंजाब युवा कांग्रेस के बताए जा रहे हैं और इन्हें हिरासत में लिया गया है। संसद में पिछले सप्ताह पारित हुए कृषि विधेयकों के विरोध में किसानों और विपक्षी दलों द्वारा देशभर में जारी प्रदर्शन के बीच यह घटना हुई है। जावड़ेकर ने कहा, कांग्रेस किसानों से अलग तरह की बात करके उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के घोषणा-पत्र में वही करने का वादा किया गया था जो मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र के संशोधित विधेयकों के जरिए किया।

गोवा के डीजीपी कोरोना से संक्रमित पाए गए

पणजी। गोवा के पुलिस महानिदेशक मुकेश कुमार मीणा सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मीणा को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी ने कहा, उनकी जांच रिपोर्ट सोमवार सुबह आई जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उनमें संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। रविवार तक, गोवा में कोविड-19 के 31,958 मामले सामने आ चुके हैं जिनमें से 401 लोगों की मौत हो चुकी है।

किसानों की आवाज संसद और बाहर दोनों जगह दबाई गई : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि संबंधी कानूनों को लेकर सोमवार को सरकार पर फिर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किसानों की आवाज संसद और बाहर दोनों जगह दबाई गई।

उन्होंने राज्यसभा में इन विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान हुए हंगामे से जुड़ी एक खबर शेयर करते हुए ट्वीट किया, कृषि संबंधी कानून हमारे किसानों के लिए मौत का फरमान हैं। उनकी आवाज संसद और बाहर दोनों जगह दबाई गई। यहां इस बात का सबूत है कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया है। कांग्रेस नेता ने जिस खबर का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है कि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा था कि सदन में कृषि संबंधी विधेयकों पर मतदान की मांग करते समय विपक्षी सदस्य अपनी सीट पर नहीं थे, लेकिन राज्यसभा टीवी की फुटेज से इसकी उलट बात साबित होती है।

हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में संसद ने कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को मंजूरी दी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को इन विधेयकों को मंजूरी प्रदान कर दी जिसके बाद ये कानून बन गए।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख समेत 100 लोगों को हिरासत में लिया

अहमदाबाद। कृषि से जुड़े नए कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान सोमवार को गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा सहित लगभग 100 कार्यकर्ताओं को गांधीनगर में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सोमवार सुबह चावड़ा, विपक्ष के नेता परेश धनानी, कांग्रेस विधायक बलदेवजी ठाकोर, सीजे चावड़ा और अन्य पार्टी कार्यकर्ता विधानसभा परिसर के पास अंबेडकर प्रतिमा पर एकत्र हुए और केंद्र और गुजरात में भाजपा की अगुवाई वाली सरकारों के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में संसद द्वारा पारित कृषि विधेयक किसान विरोधी हैं और एपीएमसी को नष्ट कर देंगे। पुलिस ने राज्य कांग्रेस प्रमुख, धनानी, विधायक ठाकोर, सी जे चावड़ा और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधीक्षक एम के राणा ने कहा कि लगभग 100 प्रदर्शनकारियों को राजभवन की ओर जाते समय हिरासत में लिया गया। पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा ने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी, इसलिए हमने उन्हें हिरासत में लिया। हम बाद में उनकी रिहाई के बारे में फैसला करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बच्ची और तीन अन्य लोग बाइक समेत नदी में गिरे, दो की मौत

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में एक मोटरसाइकिल रविवार शाम पुल से क्षिप्रा नदी में जा गिरी, जिससे इस पर सवार चार में से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इस गाड़ी पर सवार चार लोगों में शामिल तीन वर्षीय बच्ची समेत दो व्यक्तियों को बचा लिया गया, जबकि दो अन्य लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। खुड़ैल पुलिस थाने के प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि सेमल्याचाऊ गांव के पास बिना रेलिंग वाले एक पुराने पुल पर हुए मोटरसाइकिल हादसे के दौरान क्षिप्रा नदी में गिरी तीन वर्षीय बच्ची और एक पुरुष को ग्रामीणों ने रविवार शाम को ही सुरक्षित बचा लिया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अन्य दो लोगों की खोज के लिए गोताखोरों की मदद से रविवार देर शाम अभियान शुरू किया। हालांकि, इन दोनों की नदी में डूबकर पहले ही मौत हो चुकी थी। उनके शव सोमवार को क्षिप्रा नदी में मिले। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे से मारे गए लोगों की पहचान कालू और जगदीश के रूप में हुई है। उनकी उम्र 45 से 50 वर्ष के बीच थी।

वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एचके पाटिल कोरोना से संक्रमित

बेंगलुरु। कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एच के पाटिल ने सोमवार को खुद के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी दी।उन्होंने सोमवार सुबह ट्वीट किया, मैं, कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं। मुझमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं, लेकिन मैंने 10 दिनों के लिए खुद को पृथक कर लिया है। जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होने की आशा करते हुए पाटिल ने अपने संपर्क में आने वाले सभी लोगों से एहतियात बरतने और जांच कराने का अनुरोध किया है। पाटिल कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले तीसरे विधायक हैं जो हाल ही समाप्त हुए कर्नाटक विधानसभा के सत्र में शामिल हुए थे।

अलपन बंदोपाध्याय पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव नियुक्त

कोलकाता। अलपन बंदोपाध्याय पश्चिम बंगाल के नए मुख्य सचिव होंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि बंदोपाध्याय अभी राज्य के गृह सचिव हैं। वह एक अक्टूबर से नया पदभार संभालेंगे। वह राजीव सिन्हा की जगह लेंगे, जो 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। बंदोपाध्याय पश्चिम बंगाल कैडर के 1987-बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा वित्त सचिव एचके द्विवेदी अब गृह सचिव का कार्यभार संभालेंगे। मनोज पंत नए वित्त सचिव होंगे। वह अभी भूमि एवं भूमि सुधार तथा शरणार्थी राहत और पुनर्वास विभाग के प्रमुख सचिव हैं।बनर्जी ने कहा कि सिन्हा को पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि उन्हें तीन साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है। बनर्जी ने ट्वीट कहा, मैं पश्चिम बंगाल सरकार की अथक सेवा के लिए उनका धन्यवाद करती हूं। उन्होंने कहा, पूरी टीम को शुभकामनाएं।

कोलकाता के फोर्ट विलियम में आग लगी

कोलकाता। सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय फोर्ट विलियम के तलघर में स्थित एक कार्यालय में सोमवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग के बारे में सुबह 7.35 बजे पता चला, जिस पर पूर्वाह्न 11.15 बजे काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि किसी के घायल होने या फंसने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि चार दमकल वाहनों ने कोलकाता के बीचोंबीच स्थित फोर्ट विलियम में लगी आग को बुझाया। अधिकारी ने कहा कि आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है।

विस्फोट में घायल नागरिक की इलाज के दौरान मौत

श्रीनगर। पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मुठभेड़ स्थल पर विस्फोट में घायल एक नागरिक की सोमवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बृहस्पतिवार को सिरहामा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक घर के मलबे में पड़े विस्फोटक में धमाके से यासीन राठर और तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया था। अधिकारी ने कहा कि राठर ने एसएमएचएस अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

असम में 25 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के कार्बी आंगलोंग जिले से 25 करोड़ रुपये की पांच किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की गई और इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। डीजीपी भास्कर ज्योति महंता ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई राज्य में मादक पदार्थ तस्करी गतिविधियों के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा थी। पुलिस महानिदेशक ने कहा, कार्बी आंगलोंग पुलिस ने कल रात असम नगालैंड सीमा पर पांच किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की। उन्होंने कहा कि आरोपी इस्माइल अली को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि बरामद की गई 5.05 किलोग्राम हेरोइन का बाजार मूल्य 25 करोड़ रुपये है।

भाजपा नेता ने कहा, कोरोना संक्रमित हुआ तो ममता बनर्जी को गले लगाऊंगा

बरूईपुरासिलिगुरी। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव अनुपम हाजरा ने कहा है कि यदि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हुए तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को गले लगाएंगे ताकि वह कोविड-19 मरीजों के परिवारों का दर्द समझ सकें। दक्षिण 24 परगना के बरूईपुर में रविवार शाम में भाजपा के एक कार्यक्रम में हाजरा द्वारा की गई टिप्पणी के लिए सिलिगुड़ी में तृणमूल कांग्रेस की ओर से पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई गई। हाजरा ने कहा, हमारे कार्यकर्ता कोरोना वायरस से भी बड़े दुश्मन से लड़ रहे हैं। वे ममता बनर्जी से लड़ रहे हैं। जब वे (भाजपा कार्यकर्ता) बिना मास्क के ममता बनर्जी का मुकाबला कर सकते हैं तो वे सोचते हैं कि वे मास्क लगाए बिना कोविड-19 से भी लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, मैंने निर्णय किया है कि यदि मैं कोरोना वायरस से संक्रमित होता हूं तो मैं जाकर ममता बनर्जी को गले लगाऊंगा। हाजरा तृणमूल कांग्रेस के एक पूर्व सांसद हैं जो पिछले वर्ष भाजपा में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि राज्य में जिस तरह से कोविड-19 मरीजों के शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है वह दुखद है। उन्होंने कहा, उन्होंने (बनर्जी) बीमारी के पीड़ितों से सही तरीके से व्यवहार नहीं किया। उनके शवों को केरोसिन से जलाया जा रहा है। कोविड-19 से जान गंवाने वालों के पुत्रों को उनके चेहरे नहीं देखने दिए जा रहे हैं। हम इस तरह का व्यवहार तो मेरे हुए बिल्ली और कुत्तों से भी नहीं करते।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने टिप्पणी की निंदा की और कहा कि ऐसी टिप्पणी भाजपा की मानसिकता प्रतिबिंबित करती है।

सईदा बानो के जीवन पर अक्टूबर में आएगी किताब

नई दिल्ली। भारत की पहली महिला रेडियो समाचार वाचक सईदा बानो के जीवन को अब एक किताब में बयां किया जाएगा। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि मूल रूप से पहले उर्दू में लिखे गए संस्मरण को अब किताब का रूप दिया जा रहा है। प्रकाशक कम्पनी ने कहा, इसमें विभाजन और एक नए स्वतंत्र भारत की राजधानी के एक व्यक्ति के निजी अनुभव को साझा किया जाएगा। उसने कहा कि यह एक आकर्षक महिला की आशा की एक कहानी है जो सामाजिक दबाव में जीने और प्यार करने के लिए, क्या करना चाहिए, इसको बयां करेगी। जुबान पब्लिशर्स इसके सह-प्रकाशक होंगे।

भारत में 50 लाख से अधिक लोगों ने दी कोरोना को शिकस्त

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण को मात देने वाले लोगों की संख्या सोमवार को 50 लाख के आंकड़े को पार कर गई। इस तरह महामारी को शिकस्त देने वालों की संख्या उपचाराधीन मामलों के मुकाबले पांच गुना से भी अधिक हो गई है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक जून तक देश में केवल एक लाख लोग संक्रमणमुक्त हुए थे जिसमें अब काफी वृद्धि हुई है और आखिरी 10 लाख लोग केवल 11 दिन में ठीक हुए हैं। मंत्रालय ने कहा, भारत में महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या आज 50 (50,16,520) लाख का आंकड़ा पार कर गई। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों के ठीक होने का सिलसिला जारी है। इसने कहा, देश में संक्रमणमुक्त हुए लोगों की संख्या उपचाराधीन मामलों के मुकाबले पांच गुना से भी अधिक है। मरीजों के ठीक होने में आई तेजी के साथ, एक महीने में मरीजों के ठीक होने में करीब 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा कि 15 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में मरीजों के ठीक होने की दर राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों के ठीक होने की दर से अधिक है। ठीक हुए मामलों में से 78 प्रतिशत मामले 10 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से हैं, जिनमें सबसे अधिक लोग महाराष्ट्र से हैं और फिर उसके बाद आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में सर्वाधिक लोग ठीक हुए हैं। इसने कहा कि पिछले 24 घंटे में जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से 84 प्रतिशत लोग 10 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से हैं। रविवार को सामने आए मौत के मामलों में से 36 प्रतिशत लोग महाराष्ट्र के थे जहां 380 लोगों की जान गई। इसके बाद तमिलनाडु में 80 और कर्नाटक में 73 लोगों की मौत हुई।मंत्रालय ने भौतिक दूरी के नियम का सख्ती से पालन करने, हाथों की स्वच्छता, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क/फेस कवर पहनने की अपनी अपील एक बार फिर दोहराई। मंत्रालय के अनुसार भारत में कोविड-19 के 82,170 नए मामले सामने आने से सोमवार को संक्रमित लोगों की कुल संख्या 60 लाख के आंकड़े को पार कर गई, जबकि 74,893 लोगों के संक्रमणमुक्त होने से देश में अब तक ठीक हुए लोगों की संख्या बढ़कर लगभग 50.17 लाख हो गई है।

लखनऊ, कानपुर नगर व मेरठ में कोविड-19 से निपटने के लिए विशेष रणनीति बनाएं : सीएम

जब तक कोरोना का कोई टीका नहीं आ जाता तब तक सतर्कता व बचाव ही एक मात्र उपाय है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ, कानपुर नगर व मेरठ में कोविड-19 के सम्बन्ध में विशेष रणनीति बनाकर कार्यवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कोरोना का कोई टीका नहीं आ जाता तब तक सतर्कता व बचाव ही एक मात्र उपाय है।

उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए कोविड-19 के संबंध में पूरी सतर्कता व बचाव के उपायों के साथ काम का संचालन किया जाए। सरकारी बुलेटिन के मुताबिक रविवार को कोविड-19 के लखनऊ में 548, मेरठ में 191 व कानपुर नगर में 179 नए मामले सामने आए हैं। सरकार की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। पिछले एक सप्ताह में सक्रिय कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या में काफी कमी आई है, यह एक अच्छा संकेत है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार की कोविड-19 के प्रति अपनाई गई रणनीति कारगर रही है। कोविड-19 नियंत्रण सम्बन्धी कार्य सक्रियता के साथ निरन्तर जारी रखे जाएं।

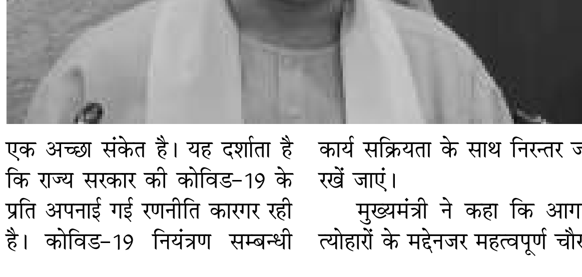

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर महत्वपूर्ण चौराहों व स्थानों पर लाउडस्पीकर के माध्यम से कोविड-19 के सम्बन्ध में जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य प्रभावी रूप से किया जाए। निगरानी समितियों को सक्रिय रखा जाए। योगी आदित्यनाथ ने कहा, कोविड हेल्प डेस्क सभी अस्पतालों, औद्योगिक इकाइयों, सरकारी कार्यालयों में निरन्तर कार्यशील रहें।

विज्ञप्ति के मुताबिक, उन्होंने कहा, अनलॉक व्यवस्था के तहत औद्योगिक विकास और गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। इन्वेस्टर्स समिट के दौरान और उसके बाद प्रदेश में निवेश के इच्छुक उद्यमियों और निवेशकों से निरन्तर संवाद रखा जाए। उनकी समस्याओं का निस्तारण शीघ्रता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अक्टूबर, 2020 से धान खरीद की कार्यवाही की जाएगी। इस सम्बन्ध में सारी व्यवस्थाएं समय रहते कर ली जाएं, जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य हर दशा में मिले। उन्होंने गो आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि वहां चारे की पर्याप्त व्यवस्था हो। गोवंश का टीकाकरण भी कराया जाए।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में नक्सली मारा गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पेड़ापालपीड़िया गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना के बाद बीजापुर और पड़ोसी दंतेवाड़ा जिले से शनिवार को डीआरजी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और एसटीएफ के संयुक्त दल को गश्त में रवाना किया गया था।

उन्होंने बताया कि जब आज सुरक्षा बल के जवान पेड़ापालपीड़िया गांव के जंगल में थे तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए तब सुरक्षा बलों ने घटनास्थल की तलाशी ली। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक नक्सली का शव बरामद किया है।

‘आजकल लोग संगीत देखते हैं, सुनते नहीं!’

टॉक टाइम राहुल राम

लोकप्रिय गिटारिस्ट हैं और हाल ही में उन्होंने एचसीएल साउंडस्केप्स में अपने बैंड के साथ प्रस्तुति दी थी। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक विशेष बातचीत में उन्होंने इस वर्चुअल कंसर्ट में प्रस्तुति देने का कारण और अपने प्रशंसकों की रुचियों में आ रहे बदलावों सहित अन्य बातों के बारे में भी विस्तार से बताया। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

n इस आभासी (वर्चुअल) कंसर्ट में आने की सहमति के पीछे आपके लिए मुख्य आकर्षण क्या था ?

यदि सच कहूं तो महामारी के चक्कर में बहुत दिनों से किसी परफॉर्मेंस में भाग ही नहीं ले पाया हूं और ऐसे में जब हमें साथ आने का एक अवसर हाथ आया तो बहुत अच्छा लगा। मुझे प्रसन्नता है कि हमें इसके लिए परफॉर्म करने का अवसर मिला।

● इसके लिए पूरी व्यवस्था करना कितना कठिन या सरल था ?

हम थोड़े अपरिष्कृत होते जा रहे थे। यही कारण था कि इस प्रस्तुति से पहले हमें पर्याप्त अभ्यास चाहिये था क्योंकि पिछले छह महीनों से हमने कहीं भी परफॉर्म नहीं किया था। कठिन बात तो यही थी कि हमारे समक्ष कोई दर्शक नहीं थे और हमें केवल कल्पना के आधार पर बजाते रहना था। ये सही है कि गुब्बारे और हृदय के प्रतीकों के माध्यम से फीडबैक मिल रहा था लेकिन जीवंद दर्शकों की ऊर्जा वहां नहीं पता चली जिसका कोई विकल्प नहीं हो सकता। लेकिन अब तो वर्चुअल कंसर्ट का ही समय आ गया है। परिस्थितियों के सामान्य होने के बाद भी इस प्रकार की कंसर्ट्स का आयोजन होता रहेगा।

n आप संगीत परिदृश्य पर पिछले तीन दशकों से दृष्टि बनाए हुए हैं क्या आपने किसी प्रकार का परिवर्तन देखा ?

परिवर्तन देखे भी हैं और आने वाले समय में और भी ऐसे परिवर्तन दिखाई देंगे। जब हमने काम प्रारंभ किया था तब उपलब्ध स्थानों की संख्या काफी कम थी और हम अधिकांशतया कॉलेज महोत्सवों में ही संगीत प्रस्तुत किया करते थे। आज ऐसे स्थानों की संख्या बढ़ी है और हमारे लिए अधिक लोगों तक पहुंचना सरल हो गया है। इसके अलावा संगीत में बदलाव एक लहर जैसे आते हैं। पहले पंजाबी लहर थी इसके बाद रिमिक्स का समय आया फिर इंडी पॉप का भी एक समय था। समय बदलता रहता है। अब इलेक्ट्रॉनिका और डीजे का दौर है।

● क्या आभासी प्रस्तुति देते समय आपके बैंड के ऊर्जा स्तर पर कोई प्रभाव पड़ा था ?

देखिये, ऐसा तो था नहीं कि हमें प्रात: 4 बजे उठकर उड़ान पकड़कर आयोजन स्थल पर जाकर अपनी व्यवस्था बनानी थी। हम बिलकुल थके तो थे नहीं अत: ऊर्जा का स्तर ऊंचा था। लेकिन हमें लाइव परफॉर्मेंस में जैसे दर्शकों के चिल्लाने और चीखने की ध्वनि आती थी वो अनुभव नहीं हुआ।

आज हम घर में बैठ कर संगीत बना सकते हैं। इंटरनेट के कारण हर कोई निशुल्क संगीत चाहता है। आजकल लोग संगीत देखते हैं। यदि आपका संगीत बिकता नहीं है तो आपको किसी प्रकार की रॉयल्टी भी नहीं मिलती। आपको यदि 10 सेंट एक डाउनलोड के मिलें तो आपकी क्या आय होगी। ये नगण्य होगी।

इसके अलावा जब हम लाइव स्टेज पर होते हैं तो दर्शकों की प्रतिक्रिया पर ही हमारा संवाद स्थापित होता है। यहां पर इस पहलू को देखें तो बहुत अंतर था।

● क्या आपके प्रशंसकों के प्रोफाइल में किसी प्रकार का परिवर्तन दिखाई दिया ?

दर्शकों में विविध आयुवर्ग के लोग होते हैं ऐसे भी दर्शक थे जो हमारे संगीत को देखते हुए बड़े हुए हैं। इसके अलावा 30-40 के आयुवर्ग के दर्शक भी होते हैं। बड़े महोत्सवों में युवा प्रोफेशनल्स की संख्या भी काफी होती है क्योंकि छात्र तो कंसर्ट के टिकट का व्यय वहन नहीं कर सकते। अब तो कई दर्शक अपने बच्चों को भी लाने लगे हैं। मैंने तो गोआ में बाइकर्स के लिए भी संगीत प्रस्तुत किया है।

● क्या आपके अनुसार किसी बैंड का हिस्सा होने की अवधारणा स्थापित हो गई है ?

हमारे समय में कॉलेज उत्सवों के लिए बैंड हुआ करते थे। जब मैं स्कूल में था तो आईआईटी दिल्ली में जाकर वहां देश भर से आए हुए बैंड्स को सुना करता था। उसमें बैंड का हिस्सा छात्र भी हुआ करते थे। प्रोफेशन नाइट के लिए तो बाहर से बैंड और आर्टिस्ट आया करते थे। इंडियन ओशन पहला बैंड नहीं था और ये अंतिम भी नहीं होगा। अब बैंड्स की संख्या में वृद्धि हुई है और संगीत का भारतीयकरण भी हुआ है।

● क्या आपके अनुसार तकनीक ने संगीत के प्रचार प्रसार में किसी प्रकार की सहायक भूमिका निभाई है ?

इसका उत्तर है हां और नहीं भी। हां इसलिये कि आज हमारे पास अनेक उपकरण हैं। हमें किसी स्टूडियो जाकर पैसे देकर बजाने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी रिकॉर्ड कंपनी के दबाव में नहीं आते। आज हम घर में बैठ कर संगीत बना सकते हैं। इंटरनेट के कारण हर कोई निशुल्क संगीत चाहता है। आजकल लोग संगीत देखते हैं। यदि आपका संगीत बिकता नहीं है तो आपको किसी प्रकार की रॉयल्टी भी नहीं मिलती। आपको यदि 10 सेंट एक डाउनलोड के मिलें तो आपकी क्या आय होगी। ये नगण्य होगी। उदाहरण के लिए हमारा पूरा संगीत आईट्यून्स पर है और साल भर में हमें 100 डॉलर की आय मिल जाती है। ये ग्लोबल स्तर पर स्थापित सत्य है।

● समय के बीतने के साथ कई सदस्यों ने बैंड छोड़ा और नए लोग सदस्य बने भी होंगे। क्या इससे बैंड की गतिशीलता पर किसी प्रकार का विपरीत प्रभाव पड़ा ?

प्रारंभ में 1994 से 2009 तक हम चार लोग थे। इसके बाद अशीम चक्रवर्ती की मृत्यु हो गई और तब लगता था कि स्टेज का बायां हिस्सा खाली है। उनके स्थान पर हमें दो लोग लेने पड़े क्योंकि वो टेबल को को गा और बजा दोनों काम कर लेते थे। इसके बाद हमारा गिटारमैन चला गया फिर उसके स्थान पर एक व्यक्ति को लाए। अब हर नया व्यक्ति अपने साथ कुछ नया ही लेकर आया क्योंकि हम पुराने व्यक्ति को क्लोन तो चाहते नहीं हैं।

● भविष्य को लेकर क्या योजनाएं हैं ?

अभी हमारे पास कुछ रिकॉर्डेड संगीत है जो रिलीज़ होने ही वाला है। आजकल लोग संगीत को देखते है सुनते नहीं तो हम भी एक अच्छा वीडियो बनाना चाहते थे। लेकिन उसे स्थगित कर दिया गया। लेकिन अब तो नगर से बाहर जाना होगा ही नहीं तो हम अब किसी नए काम पर ध्यान देने की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रेंड बाजार

मारिया कैरे को अपने अस्तित्व पर था संशय

हॉलिवुड गायिका मारिया कैरे ने उस समय को याद किया है जब उन्हें अस्तित्व में बने रहने योग्य नहीं लगता था। ओपरा विन्फ्रे के शो ‘द ओपरा कनवरसेशन’ पर वो अतिथि के तौर पर भाग ले रही थीं। एपिसोड के एक लघु वीडियो में कैरे और विन्फ्रे ने उन सभी विषयों पर बात की जिनमें वो समय भी था जब उन्हें पुलिस की कार की पिछली सीट पर रोक कर रखा गया, से लेकर उस समय तक जब उन्हें अपने अस्तित्व पर ही संशय होने लगा था।

उन्होंने इस क्लिप में बताया, ‘मैं यहां आई ही नहीं होती यदि मुझे एटीएम मशीन की तरह उपयोग न किया गया होता जिसपर एक विग लगा हो।’ ये पता नहीं लगा कि कैरे किसका संदर्भ दे रही थीं। लेकिन विन्फ्रे ने अपने उत्तर में बताया, ‘ये परदे के पीछे का अकेलापन और उदासी हो सकते हैं और अब ये मेरी समझ में आ गया हैं।’

इंडस्ट्री को दोषी बताना उचित नहीं: करन कुंद्रा

करन कुंद्रा का कहना है कि ‘मेरे अनुसार ये अनुचित है। वे मादक पदार्थों के उपभोग की तो बात कर रहे हैं लेकिन ये तो किसी व्यक्ति के चयन पर निर्भर करता है न कि इंडस्ट्री पर। अत: आप इंडस्ट्री को इसका दोषी न बनाएं। चाहे वो राजनीति, फैशन, या कॉरपोरेट विश्व ही क्यों न हो, ऐसे लोग हर स्थान पर हैं जो ड्रग्स लेते हैं। हमें किसी परिस्थिति का सामान्यीकरण नहीं करना चाहिये।’

कोरोना काल में श्वेता को लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा का मानना है कि अनलॉक प्रक्रिया पूरे देश में चल रही है और ऐसे में हमें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुल कर बात करना चाहिये।

श्वेता ने बताया, ‘अनलॉक चरण में हमें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श करने पर ध्यान देना होगा। लोग कोविड-19 के डर के बीच घरों से निकल कर कार्यस्थलों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं और ऐसे में हमें लोगों को व्यवस्थित ढंग से सत्रवार परामर्श देना होगा।’ ‘लॉकडाउन के दौरान हर व्यक्ति के अनुभव अलग अलग रहे हैं लेकिन इस चरण में लोगों को अस्तित्व पर ही संकट लगने लगा था’, उन्होंने कहा।

मोदी, उद्धव, पवार सहित कई नेताओं ने लता मंगेशकर को 91वें जन्मदिवस पर दीं शुभकामनाएं

आठ दशक का सुरीला और सुहाना सफर

नई दिल्ली। आज के दिन का इतिहास के साथ बड़ा सुरीला रिश्ता है। अपनी मधुर आवाज से पिछले कई दशक से संगीत के खजाने में हर दिन नए मोती भरने वाली लता मंगेशकर 28 सितंबर 1929 को इंदौर में मशहूर संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर के यहां पैदा हुई थीं। लता ने अपनी आवाज और अपनी सुर साधना से बहुत छोटी उम्र में ही गायन में महारत हासिल की और विभिन्न भाषाओं में गीत गाए। पिछली पीढ़ी ने जहां लता की शोख और रोमानी आवाज का लुत्फ उठाया, मौजूदा पीढ़ी उनकी समन्दर की तरह ठहरी हुई परिपक्व गायकी को सुनते हुए बड़ी हुई है। अपनी बेहतरीन आवाज के दम पर वह पिछले आठ दशक से देश में गायकी का पर्याय हैं और अपने गीतों के मोतियों से संगीत के खजाने को समृद्ध बना रही हैं। हालांकि वे एक लंबे समय से बढ़ती उम्र के चलते गायन से दूर हैं लेकिन सार्वजनिक जीवन में लगातार सक्रिय हैं। क्रिकेट को अत्यधिक पसंद करने वाली लता समय-समय पर सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के सामने आती रहती हैं। अपनी श्रेष्ठ गायन कला के चलते वे पूरे फिल्म जगत के सबसे सम्मानीय लोगों में शामिल हैं। उन्हें राज्यसभा में भी मनोनीत किया गया लेकिन राजनीति उनकी कभी पसंद नहीं रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर से फोन पर बात कर उन्हें 91वें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। मोदी ने ट्वीट किया, आदरणीय लता दीदी से बात की और उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। लता दीदी पूरे देश में घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम है। हमेशा ही उनका दुलार और आर्शीवाद मिला जिससे मैं स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस करता हूं। मंगेशकर ने पांच दशक से भी अधिक समय तक फिल्मों में पार्श्वगायन की दुनिया पर राज किया है। उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में गीत गाए हैं। उन्हें भारत रत्न समेत अनेक सम्मान एवं पुरस्कारों से नवाजा गया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राकांपा अध्यक्ष शरद पवार सहित राज्य के कई नेताओं ने भी सोमवार को सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को उनके जन्मदिन की बधाई दी। भारत रत्न से सम्मानित पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सोमवार को 91 साल की हो गईं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के कार्यालय ने ट्वीट किया, अपनी मधुर आवाज़ से दुनियाभर में लोगों के दिलों पर राज करने वाली लता मंगेशकर को जन्मदिन की बधाई। आपके स्वस्थ और लंबे जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता पवार ने भी सोशल मीडिया पर गायिका को बधाई दी। उन्होंने लिखा, आपकी आवाज लोगों का जीवन रोशन करती रहे। भगवान आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु दे। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री अनिल देशमुख, एकनाथ शिंदे, नवाब मलिक और नितिन राउत सहित राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने भी गायिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

उषा को बड़ी बहन के जन्म दिन पर मिला सम्मान

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को वरिष्ठ गायिका उषा मंगेशकर को वर्ष 2020-21 का लता मंगेशकर पुरस्कार देने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि सोमवार को ही उषा की बड़ी बहन लता मंगेशकर का जन्मदिन है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार उषा मंगेशकर का चयन राज्य के संस्कृति मंत्री अमित देशमुख की अध्यक्षता वाली समिति ने सर्वसम्मति से किया। विज्ञप्ति के अनुसार इस पुरस्कार में पांच लाख रुपए नकद और एक प्रशस्ति पत्र दिए जाते हैं।विज्ञप्ति के अनुसार 1992 से राज्य सरकार यह पुरस्कार प्रदान कर रही है और अब तक यह सम्मान लता मंगेशकर की बहन आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर, संगीतकार राम-लक्ष्मण, उत्तम सिंह और उषा खन्ना को दिया गया है।

मेरे साई में नजर आएंगी अवॉर्ड विजेता अभिनेत्री छाया कदम

मुंबई। यदि आज मेरे पिता जिंदा होते तो मुझे मेरे साई का हिस्सा बनते देखकर बहुत गर्व करते।ष् यह कहना है भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री छाया कदम का। छाया कदम ने सैराटए न्यूड्स और अंधाधुन जैसी आलोचकों द्वारा बेहद सराही गई फिल्मों में अलग.अलग भूमिकाएं निभाई हैंए और अब वो मेरे साई में एक खास रोल में नजर आएंगी। श्मेरे साई . श्रद्धा और सबुरीश् ने अपनी शुरुआत से ही दर्शकों के बीच खास पहचान बना ली है और इसे लोग बड़ी श्रद्धा से देखते हैं। इस शो का अगला ट्रैक साई चरित्र का एक प्रमुख अध्याय है। इसमें घर में बड़े बुजुर्गों की अहमियत के बारे में बताया गया है। इस शो का हिस्सा बनने पर उत्साहित छाया कदम ने कहाएष्मैं इस शो का हिस्सा बनने पर खुद को वाकई खुशकिस्मत और आभारी मानती हूं क्योंकि मेरे पैरेंट्स का साई बाबा से बड़ा मजबूत नाता है। मेरे पिता शिर्डी के ट्रस्टीज़ में से एक हैं। मेरा मानना है कि मेरे साई में काम करने का मौका मिलना स्वयं ईश्वर का एक इशारा है। इस शो के आगामी ट्रैक में एक विधवा औरत सरस्वती की बड़ी संवेदनशील और दर्द भरी कहानी हैए जिन्हें अपने घर से बाहर निकाल दिया जाता है और फिर वो रहने के लिए जगह ढूंढती हैं। उनकी मुलाकात साई से होती हैए जो उनकी समस्याएं हल करने में उनकी मदद करते हैं और उन्हें जीवन की दिशा दिखाते हैं। यह एक तिरस्कृत विधवा औरत की खूबसूरत कहानी हैए जिसे साई के चमत्कार से अपना घर मिलता है।

पंकज त्रिपाठी को अच्छी कॉमेडी फिल्में करने पर गर्व

अभिनेता पंकज त्रिपाठी को उनकी अभिनय की बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाना जाता है। उनका कहना है कि वो सौभाग्यशाली हैं कि बॉलिवुड में उन्हें कुछ अच्छी कॉमेडी वाले चरित्र निभाने का अवसर मिला। त्रिपाठी को स्त्री, फुकरे, बरेली की बरफी, लुका छिपी तथा अंग्रेजी मीडियम जैसी फिल्मों में अभिनय को लोगों ने काफी सराहा था। उनका कहना है, ‘हर काम किसी न किसी उद्देश्य से होता है। कला का यही सारांश है। ये सही है कि 90 के दशक की कॉमेडी कुछ अलग होती थी लेकिन नई फिल्मों में हमें कॉमेडी करते समय इसकी सार्थकता का ध्यान रखना पड़ता है। इसके माध्यम से हम कुछ प्रभावी बात भी कहना चाहते हैं। ऐसे परिदृश्य में हमें कॉमेडी फिल्मों को केवल हास्य और मस्ती का माध्यम भर नहीं समझना चाहिये।’

नेटफ्लिक्स ने लॉन्च किया माइटी लिटिल भीम का नया सीजन

मुम्बई। नेटफ्लिक्स ने बच्चों की लोकप्रिय सीरीज माइटी लिटल भीम का नया और तीसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। माइटी लिटिल भीम के प्यारे और मजेदार रोमांचक कारनामों ने हर जगह बच्चों और उनके पैरेंट्स के दिल में अपनी खास जगह बनाई है। इंडियन एनिमेशन के अविश्सवनीय वादे को पूरा करते हुए यह सीरीज सबसे ज्यादा देखी जाने वाली प्री स्कूल सीरीज बन गई है। यह दुनिया भर में नेटफ्लिक्स पर बच्चों की दूसरी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज भी बन गई है। 2019 में रिलीज के बाद माइटी लिटिल भीम् को दुनिया भर में 2 करोड़ 70 लाख से ज्यादा घरों में देखागयाहै, जिसमें लैटिन अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के परिवार शामिल हैं। यह हैरंतअंगेज सीरीज यह संदेश देती है कि अच्छी कहानियां दुनिया में हर जगह पसंद की जाती हैं।इस तरह की कहानियां कहीं से भी आ सकती हैं और इन्हें सभी का प्यार भी मिलता है। रंग, देश और भाषा की सीमाओं या बंदिशों से ऊपर उठकर दुनिया में सभी लोगइन्हें बेहद पसंद करते हैं। माइटी लिटिल भीम असल में पूरी तरह प्रामाणिक भारतीय कहानी है। इसमें हमारी संस्कृति, परंपरा और त्योहारों का जश्न मनाया गया है। इससे दुनिया भर के दर्शकों को भारत के बारे में और जानने में मदद मिलती है। नेटफ्लिक्स यह समझताचुका है कि हर परिवार अलग-अलग होता है, इसलिए दुनिया भर में बच्चों की तरह-तरह की लोकप्रिय फिल्में पारिवारिक फिल्मों और टीवी सीरीज दर्शकों तक पहुंचाने के लिए नेटफ्लिक्स काफी निवेश कर रहा है।

भारत में नेटफ्लिक्स प्रॉडक्शन्स की ओर से बनाए जा रहे बच्चों के कार्यक्रमों में अलग-अलग तरह की विविधितापूर्ण कहानियां देखी जा सकती हैं। चाहे आपकी पसंद, मूड और भाषा कुछ भी हो, चाहे आप इस शो को अकेले देख रहे हों या पूरे परिवार के साथ, नेटफ्लिक्स चाहता है कि इन कार्यक्रमों में कुछ न कुछ आपके लिए सही हो जो आपको बेहद पसंद आए।

राजस्थान रॉयल्स से हार के बाद भी ड्रेसिंग रूम में सकारात्मक माहौल : मयंक

शारजाह। किंग्स इलेवन पंजाब के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती तीन मैचों में से दो में मिली करीबी हार के बाद भी टीम में सकारात्मक माहौल है और ऐसी चीजें (करीबी हार) लंबे समय तक नहीं चलेगी।

टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले अग्रवाल के लिए आईपीएल का यह सत्र अब तब अच्छा रहा है जिसमें रविवार को उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतकीय पारी खेली। सत्र के अपने पहले मैच में सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शिकस्त झेलने के बाद टीम को करीबी मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स से भी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में दस

हमारे पास अभी 11 मैच हैं और हम बहुत सारी चीजों में सही कर रहे हैं

चौके और सात छक्कों की मदद से 50 गेंदों पर 106 रन बनाने वाल अग्रवाल ने कहा कि हार के बाद भी टीम में सकारात्कम माहौल है।

कर्नाटक के इस बल्लेबाज ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईमानदारी से कहूं तो ड्रेसिंग रूम में बहुत सकारात्मक माहौल है। हमारे पास अभी 11 मैच है, हम बहुत सारी चीजों में सही कर रहे है। हां, करीबी मुकाबलों को अपने पक्ष में करने में नाकाम रहे है, लेकिन हमारा ध्यान नतीजों पर नहीं है। उन्होंने कहा, हम

जिस तरह की क्रिकेट खेल रहे है, उससे खुश है। विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल को अतिम 11 से बाहर रखना हमेशा मुश्किल फैसला होता है लेकिन अग्रवाल को इस बात की खशी है कि वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ टीम को शानदार शुरूआत दिला रहे हैं।

सैमसन ने की तेवतिया की तारीफ

मैन ऑफ द मैच सैमसन ने तेवतिया का तारीफ करते हुए कहा, यह तेवतिया की बहुत बहादुर पारी थी। उसने कभी हार नहीं मानी। मैं देख सकता था कि वह (उनकी साझेदारी के दौरान) गेंद से संपर्क नहीं कर पा रहा था, लेकिन उसने हार नहीं मानी और उसके पास एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की ओवर में 30 रन बनाने की क्षमता है। वह टूर्नामेंट में हमारे लिए काफी अहम होगा। इस लेग स्पिनर को बल्लेबाजी करने के लिए पहले भेजना चौकाने वाला फैसला था। सैमसन ने कहा कि यह कोच और टीम के निदेशक की सोच का नतीजा था।

उन्होंने कहा, आईपीएल शुरु होने से पहले टीम प्रबंधन ने इस बारे में काफी सोच विचार किया है। हम जिस तरह से खेल रहे है और हमें जैसी शुरुआत मिल रही है उससे हम खुश है। यह कोच और कप्तान पर है कि वह क्या फैसला करते हैं। इस मैच में किंग्स इलेवन ने मयंक अग्रवाल (106) के शतक से दो विकेट पर 223 रन बनाए लेकिन रॉयल्स ने छह विकेट पर 226 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड बना दिया। उसकी जीत के नायक संजू सैमसन (85) और राहुल तेवतिया (53) रहे। तेवतिया ने शेल्डन कोटरेल के एक ओवर में पांच छक्के लगाकर मैच का पासा पलटा।

संक्षिप्त समाचार

सीरि ए : युवेंटस ने रोमा से ड्रॉ खेला

रोम। नौ बार की गत चैम्पियन युवेंटस ने सीरि ए फुटबॉल मुकाबले में रोमा से 2-2 से ड्रॉ खेला। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने युवेंटस के लिए दो गोल दागे जिसमें दूसरे हाफ में हेडर पर किया गया बराबरी का गोल शामिल है। युवेंटा को दूसरे हाफ में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। रोमा के लिए जोर्डन वेरेटाउट ने दो गोल किए। एक अन्य मैच में नपोली ने जिनोआ को 6-0 से हराया। वहीं एसी मिलान ने क्रोटोन को 2-0 से मात दी। मिलान के स्टार फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच कोरोना पॉजिटिव होने के कारण नहीं खेल रहे हैं।

वार्नर ने बल्लेबाजों के मध्य ओवरों में प्रदर्शन की आलोचना की

अबुधाबी। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी हार के बाद अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन की आलोचना की और कहा कि मध्य ओवरों में खराब बल्लेबाजी ने फिर टीम को निराश किया। वार्नर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था, जिसके बाद मनीष पांडे (38 गेंद में 51 रन) और ऋद्धिमान साहा (31 गेंद में 30 रन) कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मध्य ओवरों में अनुशासित गेंदबाजी का सामना नहीं कर सके और टीम महज 143 रन का लक्ष्य ही दे पाई। चोटिल विजय शंकर की जगह उतरे बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज साहा ने धीमी शुरुआत की और रन आउट होने से पहले काफी गेंद गंवाई। वार्नर ने शनिवार को मिली सात विकेट की हार के बाद कहा, हम गेंदबाजों पर और दबाव बना सकते थे और मध्य ओवरों में और बाउंड्री जमा सकते थे। उन्होंने कहा कि मैं डॉट गेंदों के बारे में ज्यादा निराश हूं क्योंकि मध्य के ओवरों में करीब 35 से 36 गेंद डॉट रहीं, जो टी-20 क्रिकेट में स्वीकार्य नहीं है। मुझे लगता है कि हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत है। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ने कहा कि टीम अच्छा स्कोर बनाने से 20-30 रन से पीछे रही गई। उन्होंने कहा कि हम कुछ जोखिम उठाकर शॉट जमा सकते थे। हम बेंच पर बल्लेबाजों को बैठे हुए नहीं देखना चाहते और सिर्फ दो बल्लेबाज 20 ओवर तक बल्लेबाजी करें। मेरे आउट होने के बाद हमने चार-पांच ओवर खेले और 20 रन बनाए।

लाहिड़ी पुंटा काना गोल्फ में छठे स्थान पर

पुंटा काना (डोमिनिक गणराज्य)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी पुंटा काना गोल्फ के आखिरी दिन दो अंडर 70 के स्कोर के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे। लाहिड़ी ने कुल 13 अंडर का स्कोर किया। नवंबर 2018 में मायाकोबा गोल्फ क्लासिक के बाद पहली बार वह किसी टूर्नामेंट में शीर्ष दस में रहे हैं। वह अगस्त में डब्ल्यूजीसी ब्रिजस्टोन में संयुक्त छठे स्थान पर थे। हडन स्वाफोर्ड ने 18 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।

कोरोना मामलों के बावजूद ब्राजील में नहीं रुकेगा फुटबॉल

साओ पाउलो। एक शीर्ष जज ने खिलाड़ियों में कोरोना वायरस संक्रमण के जोखिम के बावजूद ब्राजील के शीर्ष श्रेणी के फुटबॉल मैच कराने को मंजूरी दे दी। ब्रासीलिया के श्रम न्यायाधीश लुई फिलीप विएइरा डि मेलो फिल्हो ने यहां पालमेइरास और गत चैम्पियन फ्लामेंगो के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराने की अनुमति दी। मैच 1-1 से ड्रा रहा। फ्लामेंगो ने कई युवा खिलाड़ियों को उतारा क्योंकि उसकी टीम के 20 सदस्य पिछले सप्ताह कोरोना संक्रमित पाए गए। क्लब ने ब्राजीली फुटबाल परिसंघ से मैच स्थगित कराने की मांग की थी जो उसने ठुकरा दी। ब्राजील में कोरोना महामारी से 140000 से अधिक मौतें हो चुकी है।

पीएसजी ने रेम्स को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की

पेरिस। स्ट्राइकर माउरो इकार्डी की दो गोल की मदद से मौजूदा चैम्पियन पेरिस-सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने लीग-वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मुकाबले में रेम्स को 2-0 से हराया। चैम्पियंस लीग के फाइनल में बायर्न म्यूनिख से ।-0 से हारने के बाद यह टीम की लगातार तीसरी जीत है। इकार्डी ने मैच के नौवें मिनट में कायलन एमबाप्पे की मदद से टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने मैच के 62वें मिनट में दूसरा गोल किया। एक अन्य मुकाबले में मोनाको ने स्ट्रासबर्ग को 3-2 से हराया।

सनराइजर्स के खिलाफ दिल्ली की नजरें लय बरकरार रखने पर

सनराइजर्स हैदराबाद टूर्नामेंट की इकलौती टीम है जिसे पहली जीत का है इंतजार

अबुधाबी। लगातार दो जीत से आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

डेविड वार्नर की अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद टूर्नामेंट की इकलौती टीम है जिसे पहली जीत का इंतजार है। दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती दोनों मैचों में शानदार जज्बा दिखाया और हौसला बढ़ाने वाली जीत दर्ज की है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने किंग्स इलेवन पंजाब को सुपर ओवर तक चले मैच में हराने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को आसानी मात दी। टीम तालिका में शीर्ष पर है। सनराइजर्स की कोशिश इस मैच से टूर्नामेंट में वापसी करने की होगी। सत्र की शुरुआती मुकाबले में जॉनी बेयरस्टॉ (61) और मनीष पांडे (34) की पारी से बेहतर स्थिति में होने के बाद भी टीम 164 रन के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही।

कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ दूसरे मैच में भी टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। इस मुकाबले में रिधिमान साहा की धीमी बल्लेबाजी की आलोचना हुई। उनसे उम्मीद होगी की वह प्रारूप के मुताबिक बल्लेबाजी करेंगे। दिल्ली के लिए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों की जोड़ी कैगिसो रबाडा और एनरिक नार्जे ने नई गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन

टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद

डेविड वार्नर (कप्तान), जॉनी बेयरस्टॉ (विकेटकीपर), केन विलियमसन, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, विराट सिंह, प्रियम गर्ग, रिधिमान साहा (विकेटकीपर), अब्दुल समद, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, अभिषेक शर्मा, बी संदीप, संजय यादव, फेबियन एलेन, भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, सिद्धार्थ कौल, बिली स्टानलेक, टी नटराजन और बासिल थम्पी।

दिल्ली कैपिटल्स

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, पृथ्वी साव, शिमरोन हेटमायर, कगिसो रबाडा, अजिंक्य रहाणे, अमित मिश्रा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), इशांत शर्मा, अक्षर पटेल, संदीप लामिचाने, कीमो पॉल, डैनियल सैम्स, मोहित शर्मा, एनरिच नोर्जे, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), अवेश खान, तुषार देशपांडे, हर्षल पटेल, मार्कस स्टोइनिस और ललित यादव। मैच भारतीय समय के अनुसार शाम साढ़े सात बजे से होगा।

किया है जबकि स्पिनरों में अक्षर पटेल और अमित मिश्रा ने रविचंद्रन अश्विन की अनुपस्थिति में भी शानदार खेल दिखाया।

अश्विन पहले मैच में चोटिल हो गए थे और सनराइजर्स के खिलाफ उनके खेलने की संभावना कम है। लेग स्पिनर मिश्रा ने मैच से पूर्व होने वाले संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह गंभीर चोट नहीं है, उन्होंने कल नेट्स पर गेंदबाजी की, वह जल्दी वापसी करेंगे। वह फिजियो की निगरानी में है और आज फिर से नेट्स पर गेंदबाजी करेंगे। वह एक और मैच से बाहर रह सकते है। बल्लेबाजी में एक बार फिर अनुभवी शिखर धवन और युवा पृथ्वी साव पर अच्छी शुरुआत दिलाने का दारोमदार होगा। ऋषभ पंत और अय्यर ने चेन्नई के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी कर लय में होने के संकेत दिए।

ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिया है जबकि टीम को वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सनराइजर्स के लिए मध्यक्रम कमजोर कड़ी है।

टीम को अगर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करनी है तो वार्नर और बेयरस्टॉ के अलावा दूसरे बल्लेबाजों को भी योगदान करना होगा। आईपीएल का खिताब 2016 में जीतने वाली टीम ने चोटिल मिशेल मार्श की जगह अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मोहम्मद नबी को मैदान में उतारा था। नबी ने गेंद और बल्ले से अच्छा योगदान दिया था। टीम हालांकि इस मैच में मध्यक्रम को मजबूत करने के लिए नबी की जगह केन विलियमसन को अंतिम 11 में शामिल कर सकती है।

सनराइजर्स के लिए राशिद खान ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें दूसरे गेंदबाजों से वैसा समर्थन नहीं मिला।

फिंच, पडिक्कल और डिविलियर्स के पचासे, आरसीबी का बड़ा स्कोर

एजेंसी। दुबई

आरोन फिंच, देवदत्त पडिक्कल और एबी डिविलियर्स के अर्धशतकों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सोमवार को यहां तीन विकेट पर 201 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

फिंच (35 गेंदों पर 52 रन, सात चौके एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (40 गेंदों पर 54 रन, पांच चौके, दो छक्के) ने पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़कर आरसीबी को सकारात्मक शुरुआत दी। इसके बाद डिविलियर्स ने 24 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन की लाजवाब पारी खेली। शिवम दुबे ने भी तीन छक्कों की मदद से दस गेंदों पर नाबाद 27 रन का अमूल्य योगदान दिया। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 24 रन देकर दो विकेट लिए लेकिन जेम्स पैटिनसन और जसप्रीत बुमराह अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

पहले बल्लेबाजी का न्योता पाने वाले आरसीबी की तरफ से फिंच ने शुरू में रन बनाने का जिम्मा उठाया। टीम ने पहले छह ओवरों में जो 59 रन बनाए उनमें से 40 रन इस आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के बल्ले से निकले थे। इस बीच रोहित ने फिंच का मुश्किल कैच छोड़ा, जिसका जश्न इस बल्लेबाज ने बोल्ट की अगली गेंद पर दर्शनीय छक्का लगाकर मनाया और फिर लेग स्पिनर राहुल चाहर के पहले ओवर में लगातार तीन चौके जमाए। वह चाहर के अगले ओवर में

चौका जड़कर 32 गेंदों पर अर्धशतक तक पहुंचे, लेकिन बोल्ट की धीमी गेंद पर वह सही टाइमिंग से शॉट नहीं लगा पाए और आसान कैच दे बैठे।

कप्तान विराट कोहली लगातार तीसरे मैच में नाकाम रहे। उन्होंने 11 गेंदों तक संघर्ष किया और केवल तीन रन बनाकर चाहर की गेंद पर कवर पर खड़े रोहित शर्मा को कैच का अभ्यास कराया। कोहली ने तीन मैचों में केवल 18 रन बनाए हैं। कोहली जब क्रीज पर रहे तो रन गति भी धीमी पड़ी। पडिक्कल ने ऐसे में पैटिनसन पर लगातार दो छक्के लगाए और फिर कीरोन पोलार्ड पर चौका जड़कर टूर्नामेंट का अपना दूसरा पचासा पूरा किया। बोल्ट की धीमी गेंद पर पोलार्ड ने सीमा रेखा पर पडिक्क्ल का शानदार कैच लिया लेकिन इस बीच डिविलियर्स अपने रंग में आ चुके थे।

डिविलियर्स ने बुमराह के एक ओवर में दो छक्कों और चौके की मदद से 18 रन बटोरे। उन्होंने बोल्ट की गेंद भी गगनदाई छक्के के लिए भेजी और फिर बुमराह के अगले ओवर में 90 मीटर दूर गए छक्के से अर्धशतक पूरा किया। दुबे ने पैटिनसन के पारी के आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाकर स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। डिविलियर्स ने पडिक्कल के साथ 62 रन जोड़े और दुबे के साथ 47 रन की अटूट साझेदारी की।

फ्रेंच ओपन: वावरिंका ने पहले दौर में मे को हराया, ज्वेरेव भी जीते

पेरिस। आम तौर पर ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में दो ग्रैंडस्लैम चैम्पियनों का सामना नहीं होता लेकिन फ्रेंच ओपन के शुरूआती दौर में यह देखने को मिला जिसमें स्टान वावरिंका ने एंडी में को शिकस्त दी जबकि अमेरिकी ओपन उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी दूसरे दौर में पहुंच गए।

कोरोना वायरस महामारी के कारण फ्रेंच ओपन मई की बजाय सितंबर में हो रहा है। फ्रांस में कोरोना वायरस के बढते मामलों के चलते 1000 दर्शकों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई। वावरिंका ने रविवार को खेले गए मुकाबले में 97 मिनट में मे को 6-1, 6-3, 6-2 से हराया। मे पूरे मैच में छह गेम ही जीत सके जो उनके 237 ग्रैंडस्लैम मैचों के कैरियर

का सबसे खराब प्रदर्शन है। वह 2014 में भी रोलां गैरो पर 12 बार के चैम्पियन रफेल नडाल से हारे थे। इससे पहले दो ग्रैंडस्लैम चैम्पियन की टक्कर पहले दौर में 2012 विम्लबडन में हुई थी जब नोवाक जोकोविच के सामने जुआन कार्लोस फरेरो थे। फ्रेंच ओपन में 199 में माइकल चांग और एवजेनी काफेलनिकोव पहले दौर में एक दूसरे से खेले थे।

छठी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने 91वीं रैंकिंग वाले डेनिस नोवाक को 7-5, 6-2, 6-4 से मात दी।

पिछले आईपीएल सत्र में तारीफ चाहते थे तेवतिया

नई दिल्ली। राहुल तेवतिया ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सत्र में खुद अपने लिए दाद चाही थी जो उन्हें इस सत्र में खुद ब खुद मिल गई। राजस्थान रॉयल्स को हार की कगार पर पहुंचने के बाद चमत्कारिक जीत दिलाने वाले तेवतिया का पिछले साल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। उस समय दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले तेवतिया ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से कहा था कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत में उन्होंने भी चार कैच लपके हैं। मैच के बाद पोंटिंग ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से बात खत्म कर चुके थे जिसमें उन्होंने ऋषभ पंत, शिखर धवन, कोलिन इंगराम और गेंदबाजों की तारीफ की थी।

हमेशा से जानता था कि आईपीएल में बल्लेबाजी से स्टार बनेगा तेवतिया : यादव

राहुल ने शेल्डन कोटरेल के एक ओवर में पांच छक्के

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 31 गेंद में 53 रन बनाने वाले राहुल तेवतिया के बचपन के कोच विजय यादव ने कहा कि वह हमेशा से राहुल को कहते आए हैं कि आईपीएल में एक दिन बल्लेबाजी के कारण वह स्टार बनेंगे।

हरियाणा के फरीदाबाद के सिहि गांव में रहने वाले राहुल ने शेल्डन कोटरेल के एक ओवर में पांच छक्के लगाकर मैच का पासा पलट दिया। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज यादव ने कहा, उसके पिता फरीदाबाद अदालत में वकील हैं और वह मध्यमवर्गीय परिवार से है लेकिन मैने उसके परिवार का उत्साह देखा है। वह हालांकि काफी शर्मीला था। यादव ने कहा, उसके पिता ही नहीं बल्कि उसके अंकल भी उसे छोड़ने आते थे। वे दूसरे माता-पिता की तरह चाहते थे कि उनका बच्चा भी खेले। पूछते थे सर क्या कर रहे हैं, राहुल को खिलाते क्यों नहीं।

उन्होंने कहा, पूरा परिवार चाहता था कि वह क्रिकेटर बने। यादव ने कहा, एक खिलाड़ी को अपनी ताकत के बारे में पता होना चाहिए। किशोरावस्था में राहुल हमेशा युजवेंद्र चहल से स्पर्धा करता था तो मैने उसे कहा कि उसे उपयोगी लेग स्पिनर बनना है। अमित मिश्रा और चहल अधिक कुशल स्पिनर थे। राहुल की ताकत उसकी बल्लेबाजी थी और मैने कहा था कि वह बल्लेबाजी के दम पर आईपीएल मैच जीतेगा।

सबसे खराब 20 गेंदें खेलने के बाद भी आत्मविश्वास नहीं खोया था : तेवतिया

शारजाह। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शेल्डन कोटरेल को एक ओवर में पांच छक्के लगाकर रातोंरात स्टार बने राहुल तेवतिया ने कहा कि अपनी पारी की शुरुआत में सबसे खराब 20 गेंदें खेलने के बाद भी उनका आत्मविश्वास बरकरार था। तेवतिया की पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के बेहद रोमांचक मुकाबले में रविवार को किंग्स इलेवन पंजाब को हराया। तेवतिया की पारी की शुरूआत काफी धीमी रही थी। उन्होंने जीत के बाद कहा, टीम को पता था कि मैं बड़े शॉट खेल सकता हूं। मुझे खुद पर भरोसा था। एक छक्का बल्ले से निकलने की देर थी। उन्होंने कहा, एक ओवर में पांच छक्के शानदार थे। मैने लेग स्पिनर को मारने की कोशिश की लेकिन हो नहीं सका। इसलिए मैने दूसरे गेंदबाजों को निशाना बनाया। रॉयल्स को आखिरी तीन ओवर में 51 रन चाहिए थे और तेवतिया ने कोटरेल के डाले 18वें ओवर में मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने कहा, मैं अपनी इस पारी को कभी नहीं भूल सकूंगा।

कई प्रयोग विफल रहने के बाद काफी आत्ममंथन किया : सैमसन

बोले, मैं पिछले साल से ही अच्छी तरह से हिट कर रहा हूं

शारजाह। शानदार फार्म में चल रहे राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज संजू सैमन ने कहा कि पिछले एक साल से बल्लेबाजी में उनकी टाइमिंग अच्छी है लेकिन वह तब काफी निराश हो गए थे जब उनके कई नए प्रयोगों को कामयाबी नहीं मिल सकी।

सैमसन ने पिछली दो पारियों में आक्रामक 74 और 85 रन बनाए। उन्होंने कहा, मैं एक साल से अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं और मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैने कई चीजें आजमाई थी लेकिन कामयाबी नहीं मिल रही थी। उसके बाद काफी आत्ममंथन किया और खूब मेहनत की। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ बड़े स्कोर वाले मैच में मैन ऑफ द मैच सैमसन ने कहा, मैं पिछले साल से ही अच्छी तरह से हिट कर रहा हूं। मैं बहुत अच्छी मनोदशा में हूं और अपने खेल में किसी तरह का बदलाव नहीं चाहता हूं। मैंने यह हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। मैंने खुद से कहा कि मेरे पास इस शानदार खेल में 10 साल हैं और मुझे इन दस वर्षों में सब कुछ झोंक देना है।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान स्टीव स्मिथ ने राहुल तेवतिया की एक ओवर में पांच छक्कों से सजी तूफानी पारी की जमकर प्रशंसा करते हुए रविवार को पंजाब के खिलाफ दर्ज की गई रिकार्ड जीत को विशेष करार दिया। किंग्स इलेवन ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मयंक अग्रवाल (106) के शतक से दो विकेट पर 223 रन बनाए लेकिन रॉयल्स ने छह विकेट पर 226 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड बना दिया। उसकी जीत के नायक सैमसन (85) और तेवतिया (53) रहे। तेवतिया ने शेल्डन कोटरेल के एक ओवर में पांच छक्के लगाकर मैच का पासा पलटा।

स्मिथ ने मैच के बाद कहा, यह जीत विशेष है। क्या ऐसा नहीं है। तेवतिया का कोटरेल के खिलाफ दिखाया गया प्रदर्शन लाजवाब था। हमने तेवतिया को जैसा नेट्स पर देखा था वही कोटरेल के ओवर में दिखा। उसने जज्बा दिखाया। उसने टाइमआउट के दौरान मुझसे कहा था कि हम अब भी जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, कोटरेल पर लगाए गए छक्कों से हमने वापसी की। इसके बाद जोफ्रा (आर्चर) ने फिर से लंबे शॉट खेलने के अपने कौशल का अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले मैच में चार छक्के लगाए थे और आज दो छक्के लगाए। इससे पहले गेंदबाजों ने भी अच्छी वापसी की क्योंकि एक समय लग रहा था कि हमें 250 रन के लक्ष्य का पीछा करना होगा। स्मिथ ने सैमसन की तारीफ भी की जिन्होंने जोस बटलर का विकेट जल्दी निकलने के बाद कप्तान के साथ 81 रन की साझेदारी की थी। स्मिथ ने कहा, संजू बहुत अच्छी तरह से हिट कर रहा था। वह हर किसी पर से दबाव हटा रहा था। यहां मैदान छोटा था लेकिन उसके शॉट किसी भी मैदान पर छह रन के लिए जाते।

स्पेनिश लीग : बार्सीलोना की जीत में मेस्सी का गोल

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड से जुड़े लुईस सुआरेज ने अपने पहले ही मैच में दो गोल किए जिसकी बदौलत उनकी टीम ने स्पेनिश लीग फुटबॉल में ग्रेनाडा को 6-1 से हराया।

बार्सीलोना से करार का नवीनीकरण नहीं होने के बाद सुआरेज ने रविवार को एटलेटिको के लिए पहला मैच खेला। दूसरी ओर बार्सीलोना छोड़ने की इच्छा जताने के बावजूद कानूनी लड़ाई से बचने के लिए क्लब के साथ बने रहने वाले मेस्सी ने विलारीयाल पर 4-0 से मिली जीत में एक गोल दागा। आफसीजन में क्लब छोड़ने का अनुरोध ठुकराए जाने के बाद मेस्सी का यह क्लब के साथ पहला आधिकारिक मैच था। अन्य मैचों में साविला ने कैडिज को 3-1 से हराया।

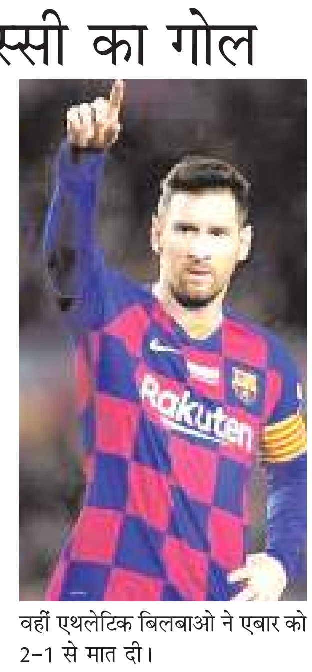

वहीं एथलेटिक बिलबाओ ने एबार को 2-1 से मात दी।

ऑनलाइन ट्यूशन के क्षेत्र में कुछ इस तरह बनाएं अपना कॅरियर

ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है।

पिछले कुछ समय में देश में बच्चों के पढ़ने का तरीका काफी बदल गया है। वैसे तो भारत में ऑनलाइन टीचिंग काफी समय से पॉपुलर है, लेकिन कोरोना काल ने इसे काफी बढ़ावा दिया है। लंबे समय से स्कूल बंद है और बच्चे घर पर ही ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अब ट्यूशन भी आस-पड़ोस में न रहकर ऑनलाइन अधिक होने लगी है। कुछ समय पहले तक ऑनलाइन ट्यूटर दूसरे राज्य या दूसरे देश के बच्चों को कंप्यूटर की मदद से पढ़ाया करते थे। लेकिन अब तो अधिकतर घरों में अभिभावक ऑनलाइन ट्यूटर को ही हायर करते हैं। जिसके कारण इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं।

क्या होता है काम

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपको उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट, आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात् न सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए। मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम् हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।

ऐसे बनें ऑनलाइन ट्यूटर

ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरुआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

आमदनी

ऑनलाइन ट्यूशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर अनुभवी टीचर्स काफी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। शुरुआत में एक टीचर करीबन 200 रुपये प्रति घंटा चार्ज कर सकते हैं। वहीं कुछ समय के अनुभव, बाद आप 500 रुपये प्रति घंटा प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में अपनी क्वालिटी को साबित करते हैं और छात्रों को आपके पढ़ाने का तरीका पसंद आता है, तब आपकी कमाई की कोई सीमा नहीं है।

अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं तो लें यह जरूरी जानकारी

सीपीटी के बाद आपको आईपीसीसी, अर्थात इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स में एडमिशन लेना पड़ता है। इस प्रोग्राम में अकाउंटेंसी के साथ-साथ ऑडिटिंग, टैक्सेशन, बिजनेस कम्युनिकेशन और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के जरूरी अध्याय शामिल किए जाते हैं।

भारत में कुछ बेहद प्रोफेशनल और सम्मानित पाठ्यक्रमों में से एक है चार्टर्ड अकाउंटेंट का पाठ्यक्रम! तमाम कंपनीज की फाइनेंस फॉर्मेलिटीज पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जो व्यक्ति होता है, वह चार्टर्ड अकाउंटेंट ही होता है। कंपनी की पूरी की पूरी फाइनेंसियल जिम्मेदारी इस व्यक्ति पर होती है। खास बात यह है कि इसमें कमाई भी काफी है। ऐसे में अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं तो आइए इसके लिए जरूरी आवश्यक जानकारी लेते हैं।

कॉमर्स के स्टूडेंट्स के लिए यह बेहद पसंदीदा जॉब मानी जाती है। किसी नागरिक को इनकम टैक्स का रिटर्न भरना हो या फिर फाइनेंशियल प्लानिंग करनी हो, किसी कंपनी की ऑडिट करनी हो, साथ ही टैक्सेशन से लेकर इन्वेस्टमेंट से संबंधित ट्रांजैक्शन हो, उसके लिए सीए के बिना आपका कार्य नहीं चल सकता है। ऐसे में इस कोर्स के लिए आपको कक्षा दसवीं के बाद ही अलर्ट हो जाना होता है। दसवीं के तुरंत बाद आपको इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया (ICAI) द्वारा आयोजित की जाने वाली सीपीटी एग्जामिनेशन में भाग लेना पड़ता है। सीपीटी, अर्थात कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट और इसमें मुख्य रूप से जनरल इकोनॉमिक्स, मार्केट, एकाउंटिंग जैसे विषय सम्मिलित होते हैं।

सीपीटी के बाद आपको आईपीसीसी, अर्थात इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स में एडमिशन लेना पड़ता है। इस प्रोग्राम में अकाउंटेंसी के साथ-साथ ऑडिटिंग, टैक्सेशन, बिजनेस कम्युनिकेशन और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के जरूरी अध्याय शामिल किए जाते हैं। यह 12वीं क्लास के बाद किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से दो ग्रुप होते हैं और पहले ग्रुप में 4 तथा दूसरे ग्रुप में तीन पेपर शामिल होते हैं। आईपीसीसी के बाद आईटीटी का नंबर आता है, यानी इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग! इस कोर्स में कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ बिजनेस एनवायरनमेंट, ऑफिस प्रोसीजर, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कमर्शियल एस्पेक्ट्स जैसे सब्जेक्ट शामिल किए जाते हैं। तत्पश्चात नंबर आता है आर्टिकलशिप का! आर्टिकलशिप बेहद इंपोर्टेंट ट्रेनिंग पीरियड माना जाता है। इसमें तकरीबन 3 साल के लिए किसी रजिस्टर्ड सीए के पास आपको असिस्टेंट के तौर पर कार्य करना होता है। जाहिर तौर पर यहां आप काफी कुछ सीखते हैं।

फाइनल एग्जाम की तैयारी

इतना सब कुछ करने के बाद आप सीए का फाइनल एग्जाम देते हैं और इसे पास करने के बाद आप सीए कहला सकते हैं। हालांकि इसमें आठ पेपर इंक्लूड होते हैं। इसमें रिस्क मैनेजमेंट, कारपोरेट एंड इकोनामी क्लास, एडवांस्ड ऑडिटिंग एंड प्रोफेशनल एथिक्स, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, फाइनेंसियल मैनेजमेंट इत्यादि विषय शामिल होते हैं। आईपीसीसी और फाइनल एग्जाम साल में दो बार यानी मई एवं नवम्बर में होते हैं। जीएमसीएस, अर्थात सीए का एग्जाम पास करने के बाद यह 15 दिन का एक छोटा कोर्स होता है और इसमें जनरल मैनेजमेंट के साथ-साथ कम्युनिकेशंस की ट्रेनिंग आपको दी जाती है।

आईसीएआई की मेंबरशिप और सीए की शुरुआत

अंत में आपको इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में खुद को रजिस्टर्ड करना होता है और एनरोलमेंट के बाद आप अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। ध्यान रहे, सीए किसी भी बिजनेस का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है। फाइनेंस पर पूरी तरह से कंट्रोल होता है। फाइनेंसियल रूप से कंपनी में क्या होता है, क्या नहीं होता है, इसकी पूरी जानकारी सीए को रखनी होती है, क्योंकि आने वाले समय में गवर्नमेंट की एजेंसीज उस कंपनी से संबंधित दस्तावेजों से पूछताछ करती हैं और उसके लिए सीए ही जवाबदेह होता है। जाहिर तौर पर कंपनी का सारा का सारा दारोमदार अपने सर पर होने पर सीए को बेहद जिम्मेदारी से कार्य करना होता है। इसके कारण ही यह पेशा शीर्ष प्रोफेशन में गिरा जाता है। सीए की ऑफिसियल वेबसाइट (https://www.icai.org/) पर जाकर आप और भी काफी कुछ जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जानिए ऑफिस में काम करते हुए ऐसे बनें सकारात्मक

वर्तमान में माहौल बेहद गंभीर है। 6 महीने से अधिक समय हो चुके हैं जब कोविड-19 से लोग बीमार होना शुरू हुए और लोगों के बाद धीरे-धीरे करके इकोनामी और तमाम कम्पनीज भी बीमार होती जा रही हैं। निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था के बीमार होने का फर्क नौकरियों पर पड़ता ही है और करोड़ों लोगों की जॉब इससे सीधे तौर पर प्रभावित हुई है। जिनकी जॉब बची हुई है, उनके लिए जरूरी है कि बेहद सकारात्मक ढंग से काम करें। चूंकि ऑफिस में तनाव का माहौल फिलहाल बढ़ता ही जा रहा है और यह तब तक बढ़ेगा, जब तक कोरोना की कोई प्रभावी वैक्सीन सामने नहीं आ पाती। तो आइये जानते हैं कि ऑफिस में पाजिटिविटी बनाए रखने के कुछ इम्पोर्टेन्ट पॉइंट्स, क्योंकि इसी से बढ़ेगी एनर्जी और टीम के साथ तालमेल! साथ ही कंपनी प्रबंधन भी इसी से खुश और संतुष्ट हो सकेगा।

पर्याप्त समय दें

ध्यान रखें, आप चाहे कितने भी सीनियर पद पर कार्य कर रहे हों और चूंकि पहले कम समय देकर बेशक आपका कार्य चल जाता था, किंतु वर्तमान में ऐसा नहीं सोचें! वर्तमान में आपको अपने कार्य के लिए पूरा समय देना चाहिए। इससे अनुशासन का माहौल बनता है, तो आपके टीम मेंबर्स भी इससे खासे प्रेरित होते हैं। ऐसे में एक लीडर के तौर पर न केवल आपकी पहचान बनती है, बल्कि पर्याप्त समय देने पर तमाम समस्याओं को सुलझाने के लिए आप मौजूद भी होते हैं। निश्चित रूप से पर्याप्त समय निकालने पर सकारात्मक बने रहने की उम्मीद बढ़ जाती है। इसका एक फायदा यह भी है कि अगर आप पर्याप्त समय देते हैं, तो प्रत्येक दिन का काम आप उसी दिन निपटा पाएंगे और खुद पर तनाव हावी होने देने नकारात्मकता से बच सकेंगे।

वर्तमान में आपको अपने कार्य के लिए पूरा समय देना चाहिए। इससे अनुशासन का माहौल बनता है, तो आपके टीम मेंबर्स भी इससे खासे प्रेरित होते हैं। ऐसे में एक लीडर के तौर पर न केवल आपकी पहचान बनती है, बल्कि पर्याप्त समय देने पर तमाम समस्याओं को सुलझाने के लिए आप मौजूद भी होते हैं।

सुनना व मौक़ा देना सीखें

भारत के महानतम कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी हाल ही में रिटायर हुए। क्या आम, क्या खास, हर व्यक्ति उनका फैन बन गया। यहां तक कि भारत के प्रधानमंत्री ने भी उनके लिए व्यक्तिगत पत्र लिखा और उनका उत्साहवर्धन किया। महेंद्र सिंह धोनी का नाम लेना यहां इसलिए प्रासंगिक रहेगा, क्योंकि उन्होंने इंडियन टीम में तमाम साथियों को मौके दिए। वह चाहे हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा हों, चाहे सुरेश रैना हों, चाहे कोई दूसरा खिलाड़ी! यहां तक कि ऊपर के क्रम में महेंद्र सिंह धोनी ने तमाम खिलाड़ियों को भेज कर खुद नीचे के क्रम में बैटिंग करना और जिम्मेदारी उठाना स्वीकार किया। समझा जा सकता है कि अपनी टीम मेंबर्स को मौके देना कितना इंपॉर्टेंट है। इसी के साथ उनकी बातें सुनना भी बेहद महत्वपूर्ण है। कई लोगों की आदत होती है कि एक बात शुरू नहीं हुई कि आगे का आंकलन वह खुद से कर लेते हैं, बजाय की आगे की बातें सुनने और समझने के। ऐसे में कई बार आप गलत भी हो सकते हैं। यकीन मानिए, जब आप लोगों को सुनते हैं तो ऑफिस में सकारात्मक होने से आपको कोई नहीं रोक सकता।

लर्निंग जरूरी है

सच कहा जाए तो सकारात्मकता आती है परफॉरमेंस से! सच यह भी है कि आज के टेक्नोलॉजी युग में परफॉर्मेंस दे पाना तभी संभव है, जब आप लगातार खुद को अपडेट रखें, लगातार आप नई चीजें सीखते रहें। अलग-अलग कार्यों की तमाम ट्रेडिशनल टेक्निक के अलावा आपको नयी टेक्नोलॉजी से अवेयर होना लगातार जरूरी है। जैसे सेल्स की ही बात करें तो किस प्रकार से सेल्स लीड्स मैनेज की जाती हैं, किस प्रकार से उसको पाइप लाइन से कन्वर्जन की ओर बढ़ाया जाता है और किस प्रकार कंपनी के रेवेन्यू को बढ़ाना होता है, यह आज के समय में तमाम सॉफ्टवेयर के ऊपर डिपेंड हो चुका है। इसी प्रकार से अगर आप सपोर्ट में हैं, तो उसकी भी पाइप लाइन है। तमाम कंपनियां सपोर्ट रिक्वेस्ट्स को अलग-अलग लेवल पर एस्केलेट करते हैं। अगर आपने ध्यान दिया हो और ऑनलाइन आपने किसी कंपनी से सपोर्ट हेतु चैट किया हो तो शुरू में ही आपसे कई सारी जानकारियां मांगी जाती हैं। जैसे क्या आपकी कॉल या आपका चैट सेल्स से रिलेटेड है, या सपोर्ट से रिलेटेड है, या बिलिंग डिपार्टमेंट से रिलेटेड है और उसी डिपार्टमेंट में सॉफ्टवेयर ऑटोमेटिकली चीजों को प्रबंधित कर देता है।

ऐसे में अगर आप सम्बंधित टेक्नोलॉजी से अपडेट नहीं रहेंगे, खासकर उस तकनीक से जो नए सिरे से आपके काम को स्पेसिफिकली दुरुस्त करते हैं, तो आपको मुश्किल होगी ही। आपने गौर किया होगा कि एक्जीक्यूटिव एमबीए आदि कोर्सेज प्रोफेशनल्स के लिए ही चलाये जाते हैं। इसलिए हर नई चीज पर नजर रखें, यहां तक कि बात करने की टेक्निक, प्रेजेंटेशन की टेक्निक व टूल्स में खुद को अपडेट रखना आवश्यक है। अगर आप ऐसा कर पाते हैं अपने कार्य करने की जगह पर निश्चित रूप से सकारात्मक बने रह सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स से रहें सजग

आज के समय में केवल कार्य करना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि खुद को बचाना भी आज के कारपोरेट युग में बेहद आवश्यक हो गया है। ऑफिस पॉलिटिक्स से हर व्यक्ति का सामना होता ही है और इससे बचने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप इसके बारे में सजग रहें। ध्यान रखें कि आपको इसमें इंवोल्व होने से बचना है, लेकिन आपको जानकारी अवश्य रहनी चाहिए। प्रबंधन से लेकर सीनियर-जूनियर और तमाम लोगों की जानकारी आपको नकारात्मकता से बचाने में मुख्य भूमिका निभा सकती है, अन्यथा कई बार ऐसी परिस्थिति आती है कि आपको न चाहते हुए भी नकारात्मक रूख अख्तियार करना ही पड़ता है। हालांकि ऑफिस पॉलिटिक्स एक ऐसी चीज है जो कहीं ना कहीं नकारात्मकता से जुड़ी हुई है, लेकिन आप इसे अपनी लाइफ का एक भाग ही मानें तो बेहतर होगा। वास्तव में यह वह चीज है कि आप इसे पसंद करें या नापसंद, लेकिन आप इसे अनदेखा नहीं कर सकते। इसीलिए इसके बारे में सजग रहना आवश्यक है। हां! अनावश्यक रूप से आपको इसमें सहभागी बनने की कतई आवश्यकता नहीं है, अन्यथा नकारात्मकता आपको अवश्य ही घेर लेगी।

पर्सनल लाइफ को न करें अनदेखा

बेशक ऑफिस का कार्य आपकी पर्सनल लाइफ से अलग होता हो, किंतु कल्पना कीजिए कि अगर आप व्यक्तिगत जीवन में तनाव युक्त हैं, तो आपकी प्रोफेशनल लाइफ तनावमुक्त किस प्रकार से हो सकती है? अगर आप शारीरिक रूप से या मानसिक रूप से अथवा आर्थिक रूप से व्यक्तिगत परेशानियों से घिरे हुए हैं, तो यकीन मानिए आप का ऑफिस टाइम भी नकारात्मकता से मुक्त नहीं हो सकेगा! ऐसे में कोशिश करें कि प्रत्येक दिन नियमित रूप से व्यायाम करें और आपकी जो व्यक्तिगत समस्याएं हैं, जो चीज आपको तकलीफ दे रही है, उन समस्याओं को अनदेखा करने की बजाय यथाशक्ति सॉल्व करने की कोशिश करें। अपने मित्रों, अपने संबंधियों अथवा जिन्हें भी आप अपना शुभचिंतक मानते हैं, उनसे उन समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं और अगर आप कोशिश करेंगे तो एक-एक करके समस्याएं अवश्य ही हल होंगी। तत्पश्चात निश्चित रूप से आप ऑफिस इंवॉल्वमेंट पर, सकारात्मक ढंग से परफॉर्म कर पाएंगे। वस्तुत: जीवन एक ऐसी जंग है, जिसमें पुराने अनुभवों और लिखी हुई बातें एक स्तर तक ही कार्य करती हैं, इसलिए परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने की आपकी क्षमता आपको नकारात्मकता से बेहतर ढंग से बचा सकती है। तो चाहे जितनी भी कठिन परिस्थितियां हों, हार मानने की वजह आपके पास नहीं होनी चाहिए। संघर्ष जारी रखें, तभी आप खुद को हर परिस्थिति में सकारात्मक रख सकते हैं।